हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● शनिवार ● 18.07.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 351 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

दिल्ली में अनशनरत सोनम वांगचुक को मिला कांग्रेस का साथ

नयी दिल्ली : कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा और उत्तर प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम ने जंतर-मंतर पर अनशनरत पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक से मुलाकात कर उनकी मांगों के प्रति पार्टी का समर्थन व्यक्त किया। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर यह जानकारी दी। दीपके ने बताया कि छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी इस शांतिपूर्ण आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। इसके अलावा पवन खेड़ा और राजेन्द्र पाल ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त किया।
उल्लेखनीय है कि विभिन्न मुद्दों और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन जारी है। विपक्ष के कई नेताओं का इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। सीजेपी ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन क्षेत्र को गति प्रदान करना लक्ष्य : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- अधिक से अधिक कृषकों को किसान समृद्धि योजना का लाभ प्रदान करें
- राज्य के सभी जिलों में एक-एक मॉडल कृषक पाठशाला का संचालन की जाए
- राज्य में दलहन एवं मिलेट की खेती को दें बढ़ावा
- किसानों की समृद्धि सरकार की प्राथमिकता
- किसानों को तकनीक आधारित कृषि का दें प्रशिक्षण

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के हितार्थ संचालित योजनाओं को हर हाल में उन तक पहुंचाएं। निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत किसानों को खाद, बीज, तकनीकी मार्गदर्शन सहित आवश्यक संसाधनों का लाभ मिले, विभाग यह सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने किसान क्रेडिट कार्ड, पशुधन विकास योजना, बीज-खाद वितरण, कोल्ड स्टोरेज, लैम्प्स पैक्स, व्यापार मंडल और सहकारी समितियों के कार्य, जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार आदि से संबंधित योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित कृषि एवं किसानों का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता है। खेती-कृषि एवं पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इस निमित्त यह जरूरी है कि सरकार की योजनाओं को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाई जाए।
मुख्यमंत्री ने राज्य में दलहन एवं मिलेट की खेती को बढ़ावा देने का निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के भीतर कुछ जिलों के किसानों ने दलहन एवं मिलेट के क्षेत्र में अच्छा काम किया है। राज्य में मिलेट उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के सभी जिलों में कृषि विभाग के लिए भूमि उपलब्ध है। सभी जिलों के कम एक-एक गांव अथवा पंचायत को चिन्हित कर मॉडल कृषक पाठशाला संचालित किए जाने की योजना को मूर्त रूप दें। उन्होंने किसानों को तकनीक आधारित कृषि के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान प्रदान किए जाने का निर्देश दिए।
मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान समय में राज्य के भीतर 57 किसान पाठशाला संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कृषक पाठशालाओं के बेहतर संचालन के लिए राज्य के भीतर कृषि विश्वविद्यालयों सहित अन्य संबंधित संस्थाओं से समन्वय बनाकर किसानों को नवीनतम तकनीक आधारित कृषि के लिए प्रशिक्षण दें।
मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार पिछले दिनों रांची में राज्यस्तरीय कृषि व्यापार मेला का आयोजन किया गया, उसी के अनुरूप अलग-अलग वर्ष में सभी प्रमंडलों में कृषि व्यापार मेला का आयोजन करना सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के भीतर जिलावार वैसी बंजर अथवा परती भूमि जो कृषि योग्य है लेकिन वहां कृषि कार्य नहीं किया जा रहे हैं उस भूमि को चिन्हित कर वहां कृषि कार्य आधारित गतिविधियों के लिए कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने किसान समृद्धि योजना का लाभ अधिक-से-अधिक कृषकों को मिले, इसपर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य खेतों की सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाले पंपसेट उपलब्ध कराना है।

विश्व कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, सलीमा बनीं कप्तान

एजेंसी

नयी दिल्ली : हॉकी इंडिया ने एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान सलीमा टेटे को सौंपी गई है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण वाली यह टीम अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में चुनौती पेश करेगी।
भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच स्योर्ड मारिजने ने चुनी गई टीम को संतुलित बताया है। विश्व कप 15 से 30 अगस्त के बीच खेला जाएगा, जिसकी मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम संयुक्त रूप से करेंगे। बंगलूरू के राष्ट्रीय शिविर में तैयारी कर रही इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी जगह मिली है। इन खिलाड़ियों ने हालिया अंतरराष्ट्रीय टूनामेंटों में प्रभावित किया है। पिछले महीने न्यूजीलैंड में खेले गए एफआईएच नेशंस कप में भारत ने बिना कोई मैच गंवाए खिताब अपने नाम किया था।
मुख्य कोच स्योर्ड मारिजने ने कहा कि टीम को बड़े टूनामेंट को ध्यान में रखते हुए संतुलित तरीके से चुना गया है। उनके मुताबिक खिलाड़ियों ने विश्व कप से पहले कड़ी मेहनत की है और उन्हें इस टीम की क्षमता पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ सबसे बड़े मंच पर खेलने को लेकर टीम उत्साहित है। भारतीय टीम को पूल डी में चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है।

भारत की 20 सदस्यीय टीम

सविता, बिचू देवी खारीबम, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुंगी, ज्योति, शिल्पी डबास, निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग, लालरेम्सियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग

एक नजर

एक राजस्व कर्मचारी के भरोसे बरही अंचल जमीन संबंधी कार्य ठप

बरही : बरही अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारियों की भारी कमी के कारण आम लोगों के जमीन संबंधी काम बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। जुलाई से पहले अंचल में दो राजस्व कर्मचारी थे, लेकिन एक कर्मी के 30 जून को सेवानिवृत्त होने के बाद अब पूरे अंचल का काम सिर्फ एक ही राजस्व कर्मचारी के भरोसे चल रहा है। बरही अंचल में कुल 8 हल्के और 124 राजस्व गांव हैं, जबकि 8 राजस्व कर्मियों के पद सृजित हैं। 20 पंचायतों वाले इस अंचल की आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग साढ़े सात लाख है। एक कर्मी पर पूरे क्षेत्र का बोझ पड़ने से भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, परिमार्जन सहित अन्य जमीन संबंधी काम समय पर नहीं हो पा रहे हैं। रैयतों और छात्र-छात्राओं को जरूरी कागजात बनवाने में भी काफी परेशानी हो रही है। राजस्व कर्मियों की कमी के चलते भूमि विवादों का निपटारा भी समय पर नहीं हो रहा, जिससे किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में अंचल अधिकारी चंद्रशेखर कुणाल ने बताया कि राजस्व कर्मियों की कमी की जानकारी वरीय अधिकारियों को दे दी गई है। फिलहाल उपलब्ध कर्मी से ही बेहतर काम कराने का प्रयास किया जा रहा है। सीओ ने बताया कि वरीय अधिकारी ने बहुत जल्द अतिरिक्त राजस्व कर्मचारी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

थाना प्रभारी ने मोलनी देवी के निधन पर शोक जताया

बड़कागांव : बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने पूर्व विधायक लोकनाथ महतो के आवास पहुंचे। और उनके धर्मपत्नी स्वर्गीय मोलनी देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। इस दौरान थाना प्रभारी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की एवं शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करने की कामना की। उन्होंने कहा कि स्व. मोलनी देवी का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से क्षेत्र ने एक सम्मानित एवं सामाजिक व्यक्तित्व को खो दिया है। इस दुख की घड़ी में पूरा क्षेत्र शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। मौके पर पुअनी अभिषेक कुमार एवं मुखिया तकरीमुल्लाह खान उपस्थित थे।

रामपुर पंचायत में साड़ी, धोती व लूंगी का वितरण, लाभुकों के चेहरे खिले

चौपारण : प्रखंड की रामपुर पंचायत में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना के तहत पंचायत की मुखिया सुनीता देवी ने पात्र लाभुकों के बीच साड़ी, धोती एवं लूंगी का वितरण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित रहे और योजना का लाभ प्राप्त कर खुशी जताई। मुखिया सुनीता देवी ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना पंचायत की प्राथमिकता है। उन्होंने लाभुकों से अपील की कि योजनाओं का पारदर्शी तरीके से लाभ लें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सीधे पंचायत कार्यालय से संपर्क करें, ताकि उसका शीघ्र समाधान किया जा सके। वितरण कार्यक्रम के दौरान पंचायत के जनप्रतिनिधि, वार्ड सदस्य एवं स्थानीय ग्रामीण भी मौजूद रहे।

जनता दरबार में डीसी ने सुनीं जनसमस्याएं समयबद्ध और पारदर्शी निष्पादन के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़ी समस्याओं और मांगों के संबंध में आवेदन उपायुक्त को सौंपे।

जनता दरबार में भूमि विवाद, म्यूटेशन, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मंईया सम्मान योजना, पारिवारिक विवाद, विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से संबंधित शिकायतें, मुआवजा भुगतान, रोजगार, भूमिदान एवं खासमहल भूमि संबंधी मामले, पीएम कुसुम योजना, मारपीट की घटनाएं, किरायेदारों द्वारा मकान खाली नहीं करने का संबंध में तथा सड़क व अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े आवेदन प्रमुख रूप से प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्रत्येक मामले की नियमानुसार जांच कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता, पारदर्शिता तथा जवाबदेही के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब न हो तथा पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि शिकायतों के निष्पादन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए लोगों को शीघ्र राहत प्रदान करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जनता दरबार के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन की जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जनता दरबार का लाभ उठाएं तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकतम लाभ लें।

जनसहयोग व नीजी खर्च से ग्रामीणों ने बनायी दो किमी कच्ची सड़क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के दुलमाहा पंचायत के धमले गांव तक जाने वाला सड़क काफी जर्जर हालत में हो गया था।यह सड़क आरईओ सड़क से धमले गांव तक लगभग दो किलोमीटर सड़क काफी जर्जर हो गया था जिसके कारण लोगों को पैदल चलना मुश्किल था। ग्रामीणों ने परेशान होकर जन सहयोग और अपने नीजी कोष से गुरूवार को सुबह से लेकर शाम तक लगभग दो किलोमीटर लंबी कच्ची सड़क का निर्माण कर मिसाल पेश किया। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग बीस वर्षों से जर्जर व गढ़े सड़क के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने अपनी समस्या के समाधान के लिए कई बार सरकारी महकमों से लेकर जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई परंतु कोई ठोस पहल नहीं होने पर ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने अपने नीजि खर्च

से जेसीबी एवं ट्रैक्टर लगा कर मिट्टी मोरम भर कर एवं श्रमदान कर बड़े बड़े गड्ढे को भरा। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति बेहद खराब हो जाती थी। बरसात होने से सड़क पर कीचड़ और एवं बड़े बड़े गड्ढों होने के कारण लोगों का आवागमन लगभग ठप हो जाता था। लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। इसका सबसे अधिक असर मरीजों,गर्भवती महिलाओं, खास कर स्कूली बच्चों और किसानों पर पड़ता था। सड़क खराब होने के बजह से बच्चों को आरईओ रोड़ पर स्कूली बस उतार देता है जिसके कारण बच्चों को लगभग दो किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था।

अपराध नियंत्रण पर सख्त हुए एसपी, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग द्वारा जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की गई। बैठक में बकरीद एवं मुहर्रम शांतिपूर्ण संपन्न कराने पर सभी पुलिस पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आगामी त्योहारों को भी इसी तरह संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। बेहतर कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महिला अत्याचार, छेड़खानी, रेप एवं पोक्सो से संबंधित लंबित कांडों पर विशेष फोकस करते हुए ऐसे सभी कांडों को 60 दिनों के भीतर निष्पादन करने तथा वर्ष 2025 से पूर्व के लंबित कांडों को प्राथमिकता के आधार पर

निपटाने का निर्देश दिया गया। जून 2026 में जिले में कुल 357 कांड दर्ज हुए, 710 कांड निष्पादित किए गए, 1052 वारंट/कुर्की, 215 चरित्र सत्यापन और 1306 पासपोर्ट निष्पादित किए गए। सभी थानों में जमानती, गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की-जब्ती के लंबित मामलों के निष्पादन हेतु विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया गया। प्रत्येक सप्ताह थाना दिवस आयोजित कर जमीन विवादों का अंचलाधिकारी के साथ बैठक कर निपटारा करने, साइबर, महिला सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा पर आम नागरिकों को जागरूक करने को कहा गया। अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री वाले स्थानों को चिन्हित कर विशेष अभियान से गिरफ्तारी, संगठित गिरोहों, अवैध खनन एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ CCA, थाना हाजरी एवं गुंडा पंजी की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अवैध कोयला, बालू एवं पत्थर उत्खनन पर पूर्ण रोक लगाने के लिए अंचल अधिकारी एवं जिला खन पदाधिकारी के साथ समन्वय कर कार्रवाई करने को कहा गया।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस देता है न्याय, समानता और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश : एनएचआरए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन, विधि प्रकोष्ठ की ओर से न्याय, समानता और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। संगठन ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की स्थापना का उद्देश्य युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार जैसे गंभीर अपराधों के दोषियों को सजा दिलाना है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार दत्त ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस हमें यह याद दिलाता है कि किसी भी समाज में शांति और विकास के लिए कानून का राज और त्वरित न्याय जरूरी है। कमजोर वर्गों को समय पर न्याय मिले, यही सच्ची मानवता है। आज भी कई पीड़ित न्याय की प्रतीक्षा

डॉ सुनील कुमार दत्त, रामचंद्र साव

में हैं, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाएं। प्रदेश महासचिव, विधि प्रकोष्ठ रामचंद्र साव*ने कहा, न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं है। समाज में भेदभाव, शोषण और हिंसा के खिलाफ हर नागरिक को जागरूक होना होगा। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन पीड़ितों को कानूनी सहायता, जागरूकता और सहयोग देने के लिए हमेशा तत्पर है। हमारा मानना है कि 'न्याय में देरी, न्याय से इनकार के बराबर है। इस अवसर पर संगठन से जुड़े अधिवक्ता सुजीत कुमार, रोशन सिंह, प्रियव्रत प्रसाद, धीरज कुमार आदि ने आम लोगों से कानून के प्रति सम्मान और मानवाधिकारों की रक्षा का संकल्प लेने की अपील की।

सड़क हादसे में घायल चालकुशा थाना के सिपाही नरेश यादव की रांची में मौत, पुलिस ने दी सलामी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुसा : चलकुशा थाना के कांड अनुसंधान के सिलसिले में ड्यूटी से वापस लौटने के दौरान 14.07.2026 को धनबाद जिले के बरवाड़ा थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में घायल आरक्षी नरेश कुमार यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें गंभीर हालत में रांची के मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 17.07.2026 की रात लगभग 1:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। दुर्घटना में अन्य तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे जिनका इलाज चल रहा है। शुक्रवार को उनका पार्थिव शरीर पुलिस केंद्र हजारीबाग लाया गया। यहां पुलिस अधीक्षक हजारीबाग, अपर पुलिस अधीक्षक अभियान, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव, सदर, बरही, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय/सीसीआर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी और शोक व्यक्त किया। इस दौरान अधिकारियों ने शहीद सिपाही के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत किशोरियों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती के निदेर्शानुसार आज कटकमदाग एवं कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, कटकमदाग तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कटकमसांडी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत किशोरियों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के देखरेख में आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को साइबर सुरक्षा एवं इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, बेटी बचाओ बेटी

पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत तथा सखी वन स्टॉप सेंटर से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर बालिकाओं के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कानूनी, चिकित्सीय, मनोसामाजिक परामर्श एवं आश्रय जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही किशोरियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने, डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति सजग एवं जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया।

शाश्वती घोषाल, केंद्र प्रशासक, सखी वन स्टॉप सेंटर ने किशोरियों को वन स्टॉप सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं एवं सहायता तंत्र की विस्तृत जानकारी दी। वहीं अनुसूया कुमारी (ऊ्रएह) ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 की उपयोगिता बताते हुए आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का निर्भीक होकर उपयोग करने का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत 17 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक जिले के सभी बालिका आवासीय विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से किशोरियों को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, आत्मरक्षा, लैंगिक समानता एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में अभिनव कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज, आदित्य कुमार शाही, जिला परियोजना सहयोगी, नीति आयोग, सीडीपीओ, कटकमसांडी, सावित्री देवी, वार्डन-सह-प्रधानाध्यापक, नूतन सिन्हा, विद्यालय के शिक्षकगण तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

शोकाकुल परिवार से मिले जैप-7 समादेष्टा, पदमा स्टेशन की स्वच्छता और व्यवस्था की सराहना

पदमा : जैप-7 के पुलिस समादेष्टा (कमांडेंट) अविनाश कुमार गुरुवार शाम पदमा पहुंचे। यहां उन्होंने रांची में पदस्थापित सीआईडी डीएसपी राजकुमार यादव के आवास जाकर उनकी माता विमला देवी (92 वर्ष) के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। समादेष्टा ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। ज्ञात हो कि पिछले सप्ताह ही डीएसपी राजकुमार यादव की माता का देहांत हो गया था। इस दुख की घड़ी में परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे समादेष्टा के प्रति पीड़ित परिवार ने आभार व्यक्त किया है। परिजनों से मुलाकात करने के बाद समादेष्टा अविनाश कुमार संध्या समय स्थानीय रेलवे स्टेशन पहुंचे। स्टेशन परिसर का भ्रमण करते हुए वहां की उत्कृष्ट साफ-सफाई और अनुशासित व व्यवस्थित वातावरण को देखकर वे काफी प्रभावित हुए। उन्होंने स्टेशन प्रबंधन के कार्यों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इस व्यवस्था को इसी तरह बनाए रखने की भी उम्मीद जताई।

केदारूत पंचायत में 134 लाभुकों के बीच किया साड़ी-धोती का वितरण

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत केदारूत पंचायत के देवचन्दा स्थित पार्वती महिला मंडल जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान में झारखंड सरकार की योजना के तहत गरीब एवं जरूरतमंद लाभुकों के बीच साड़ी और धोती का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभुकों ने भाग लेकर योजना का लाभ उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य गरीब, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को सम्मानपूर्वक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जन वितरण प्रणाली के माध्यम से संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभुक तक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचे, इसके लिए जनप्रतिनिधि और संबंधित विभाग लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने लाभुकों से अपील की कि यदि किसी भी योजना के क्रियान्वयन में कोई समस्या हो तो उसकी जानकारी तत्काल प्रशासन अथवा जनप्रतिनिधियों को दें, ताकि उसका शीघ्र समाधान किया जा सके। इस दौरान 134 लाभुकों के बीच 134 साड़ी एवं 134 धोती का वितरण किया गया। योजना का लाभ मिलने पर लाभुकों ने सरकार एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव, अनिल राम, भोला राम, पीडीएस संचालक सुरेश यादव, देवनारायण ठाकुर, चितामन राम, भुवनेश्वर राम, लाल राम, कुनवा देवी, कुन्ती देवी, जोहरा खातून, कैलाश राम, बालेश्वर राम, सरिता देवी, यशोदा देवी, आरती देवी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

अंबेडकर मोहल्ला में बिजली का तार गिरा बड़ा हादसा टला, नया तार लगाने की मांग

बड़कागांव : बड़कागांव अंबेडकर मोहल्ला स्थित रामचंद्र राम के घर के पास बिजली का तार गिरने से लोग बाल बाल बच गए। 10 दिन पहले भी इसी स्थान पर बिजली का तार गिर गया था, लोग बाल बाल बचे थे। चंदन गुरु ने बताया की उस दौरान बिजली तार में विद्युत प्रवाहित हो रहा था। जिस समय बिजली का तार गिरा उस समय रामचंद्र राम के घर के पास कुछ लोग बैठे हुए थे ।बिजली का तार में जैसे ही अचानक आग लगने लगी, वैसे ही लोग देखकर भाग गए। जिससे एक बहुत बड़ा हादसा टल गया। राजू राम द्वारा बड़कागांव के विद्युत से सबस्टेशन में मोबाइल से जानकारी दी गई । उसके बाद बड़कागांव विद्युत सब स्टेशन से बिजली काट दी गई। तत्पश्चात बिजली मिस्त्री के द्वारा तार को जोड़ा गया। इस संबंध में रविदास महासभा नगर अध्यक्ष रामेश्वर राम ,रघुनाथ राम,रामवृक्ष राम, धर्मेंद्र राम राजू राम, रामचंद्र राम ,रामवृक्ष राम ने नया तार लगाने की मांग की है। बिजली विभाग के कनीय अभियंता प्रदीप प्रजापति ने बताया कि बिजली के तार बदलने के लिए विभाग के कार्यालय में मोहल्ले के लोगों के द्वारा आवेदन देना होगा। उसके बाद तार उपलब्ध करवा कर बदला जाएगा।

बाबा खाटू श्याम धाम के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना, क्षेत्र की खुशहाली की करेंगे कामना

चौपारण : प्रखंड की बच्छई पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक के नेतृत्व में श्रद्धालुओं का एक जत्था राजस्थान स्थित बाबा खाटू श्याम के पावन धाम के दर्शन-पूजन के लिए रवाना हुआ। यात्रा पर निकलने से पहले सभी श्रद्धालुओं ने बाबा का स्मरण कर क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस धार्मिक यात्रा में समाजसेवी देवल यादव, राजेश रवानी, बिरेन्द्र चंद्रवंशी, महादेव साव तथा नितेश चंद्रवंशी अपनी-अपनी धर्मपत्नियों के साथ शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने बताया कि बाबा खाटू श्याम के दरबार में विशेष पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली, समाज के कल्याण एवं क्षेत्र की उन्नति के लिए आशीर्वाद मांगा जाएगा। यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनकी यात्रा के सुरक्षित, सफल एवं मंगलमय होने की कामना की। श्रद्धालुओं में बाबा खाटू श्याम के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

एक नजर

कार और बाइक में जोरदार टक्कर, बाइक चालक घायल

रांची : राजधानी रांची के नगरी क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा में कार और बाइक में भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक के दो टुकड़े हो गए। जानकारी के अनुसार नगड़ी प्रखंड के टूंढुल गांव में रिंग रोड के पास पल्सर बाइक को कार ने जोरदार टक्कर हुई। जिसमें मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल घायल युवकों को इलाज के लिए एम्बुलेंस से रिम्स भेज दिए गया है।
टक्कर मरने वाली कार का फिलहाल कुछ पता नहीं चल सका है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार चालक काफी तेज रफ्तार से आ रहा था और अनियंत्रित होकर बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। फिलहाल पुलिस स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाकर मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे के नए अपर महाप्रबंधक बने मनीष जैन

रांची : वरिष्ठ रेल अधिकारी मनीष जैन ने दक्षिण पूर्व रेलवे के नए अपर महाप्रबंधक (एजीएम) का पदभार संभाल लिया है। इससे पहले वह मेट्रो रेलवे कोलकाता में प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी थे। मनीष जैन वर्ष 1990 बैच के आईआरएसएमई अधिकारी हैं। मनीष जैन भारतीय रेल में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं। वह हावड़ा के मंडल रेल प्रबंधक रहे हैं। उन्होंने रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक के रूप में भी सेवाएं दी हैं। इसके अलावा उन्होंने इरकॉन, कॉनकॉर और राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में उच्च पदों पर कार्य किया है। मनीष जैन को रेल अभियांत्रिकी और परिचालन का बड़ा अनुभव है। उन्होंने अमेरिका और कनाडा में भी प्रशिक्षण लिया है।

सोनम वांगचुक प्रकरण भाजपा की लोकतंत्र-विरोधी मानसिकता का प्रमाण : नायक

रांची : झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि भाजपा सरकार असहिष्णुता और दमन की राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस ने वर्ष 2011 के अन्ना हजारे जन लोकपाल आंदोलन के दौरान संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का रास्ता अपनाया था, वहीं वर्तमान केंद्र सरकार असहमति की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रही है। श्री नायक ने कहा कि लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक छठी अनुसूची, पूर्ण राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा की मांग को लेकर 29 जून 2026 से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उनकी मांगों और बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड कांग्रेस इस रवैये की निंदा करती है और केंद्र सरकार से मांग करती है कि वह सोनम वांगचुक से तत्काल संवाद शुरू कर उनकी मांगों का लोकतांत्रिक समाधान निकाले तथा उनकी भूख हड़ताल समाप्त कराने की पहल करे।

झारखंड क्षत्रिय महासंघ ने की बोकारो जिला के लिए नई टीम की घोषणा

रांची: झारखंड क्षत्रिय महासंघ ने संगठन को जिला स्तर पर और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से बोकारो जिला के लिए नई जिम्मेदारियों की घोषणा की है। संगठन की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के निर्देश पर महेश प्रसाद सिंह, शशांक शेखर सिंह, जय मंगल सिंह और विनोद सिंह को बोकारो जिला का कार्यवाहक वरीय प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, विजय कुमार सिंह को कार्यवाहक जिला प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार पिस्का रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास लोकार्पण समारोह में हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के लोकार्पण समारोह के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पिस्का रेलवे स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस योजना के तहत झारखण्ड के पिस्का एवं मुरी रेलवे स्टेशनों का भी लोकार्पण किया गया।
इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना केवल रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल और यात्री-केंद्रित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन के शुभारंभ को स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने वाला कदम है।
राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल आधुनिक, सुरक्षित एवं विश्वस्तरीय परिवहन व्यवस्था के रूप में निरंतर प्रगति कर रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना, वंदे भारत ट्रेनों, रेल विद्युतीकरण और 'कवच' जैसी आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के माध्यम से यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त हो रहा है।
उन्होंने कहा कि पुनर्विकसित पिस्का एवं मुरी रेलवे स्टेशन झारखण्ड के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। इन स्टेशनों में आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति एवं विरासत को भी स्थान दिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बेहतर रेलवे अवसंरचना राज्य में पर्यटन, व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देगी तथा आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

26 साल का बकाया वेतन व सभी सेवानिवृत्ति लाभ दे सीसीएल : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हाई कोर्ट ने बैजनाथ महतो के मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि यदि किसी कर्मचारी की बर्खास्तगी अदालत द्वारा रद्द कर दी जाती है और नियोक्ता उसके खिलाफ दोबारा विभागीय कार्रवाई पूरी नहीं करता, तो "नो वर्क, नो पे" (काम नहीं तो वेतन नहीं) का सिद्धांत लागू नहीं होगा।
कोर्ट ने सीसीएल के 24 दिसंबर 2014 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें बैक वेज से इनकार किया गया था। कोर्ट ने सीसीएल को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को वर्ष 1989 से पुनर्बहाली तक का बकाया वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट और अन्य सभी परिणामी सेवानिवृत्ति लाभ छह सप्ताह के भीतर भुगतान किए जाएं। दरअसल बैजनाथ महतो को वर्ष 1981 में विस्थापित व्यक्ति के रूप में सीसीएल में नौकरी मिली थी। वर्ष 1989 में उन पर चोरी का मामला दर्ज होने के बाद उन्हें निलंबित कर बाद में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। हालांकि आपराधिक मामले में वे बरी हो गए। बर्खास्तगी को चुनौती देने पर हाई कोर्ट ने वर्ष 2009 में बर्खास्तगी आदेश रद्द कर दिया था और सीसीएल को तीन माह के भीतर नए सिरे से विभागीय कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया था। लेकिन कंपनी ने वर्षों तक न तो नई कार्रवाई पूरी की और न ही उन्हें सेवा में बहाल किया। 15 जनवरी 2015 को उन्हें बहाल किया गया और 30 नवंबर 2015 को वे सेवानिवृत्त हो गए थे।

नामकुम जमीन मामले में एसीबी जांच का रास्ता साफ, कैबिनेट सचिव ने पीई की दी अनुमति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिले के नामकुम अंचल में जमीन की खरीद-बिक्री, दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) में अनियमितताओं और राजस्व अभिलेखों के गायब होने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की प्रारंभिक जांच का रास्ता साफ हो गया है। राज्य के कैबिनेट सचिव ने मामले में पीई दर्ज करने की अनुमति दे दी है। इसकी जानकारी गुरुवार को झारखंड सरकार की ओर से उच्च न्यायालय को दी गई।
मामले की सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत में हुई। अदालत ने एसीबी को निर्देश दिया कि वह चार सप्ताह के भीतर प्रारंभिक जांच दर्ज कर मामले की प्रगति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करे। साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से वरिष्ठ स्थायी अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा, जबकि याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जे.जे. सांगा ने अदालत के समक्ष अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं। इससे पहले हुई सुनवाई में उच्च न्यायालय ने कैबिनेट सचिव को निर्देश दिया था कि एक सप्ताह के भीतर एसीबी को प्रारंभिक जांच दर्ज करने की अनुमति दी जाए। अदालत ने यह भी कहा था कि यदि समय पर अनुमति नहीं दी गई तो न्यायालय इस मामले को गंभीरता से लेगा। साथ ही कैबिनेट सचिव को इस संबंध में शपथ-पत्र दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया था।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड रांची के 27 स्टूडेंट्स ने नीट यूजी 2026 में की टॉप रैंक हासिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड, जो टेस्ट की तैयारी कराने वाली सर्विसेज में देश की लीडर है, ने गर्व के साथ बताया कि रांची में उसके क्लासरूम प्रोग्राम के 27 स्टूडेंट्स ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी) 2026 में टॉप रैंक हासिल की है। यह शानदार परफॉर्मेंस स्टूडेंट्स की लगातार कड़ी मेहनत, पक्के इरादे और डिसिप्लिन्ड तैयारी को दिखाता है, जिसे आकाश में एकेडमिक मेंटरशिप और स्ट्रक्चर्ड लर्निंग इकोसिस्टम का सपोर्ट मिला।
लिस्ट में टॉप पर पायल मंडल हैं जिन्होंने AIR 666 हासिल किया है। दूसरे अचीवर्स में ज्ञानेंद्र गर्व (AIR 676), मयंक कुमार (AIR 3211), मयंक सारस्वत (AIR 3805), वैष्णवी राज (AIR 3905) और भी शामिल हैं। अएरछ ने एक बार फिर नीट यूजी 2026 में शानदार परफॉर्मेंस देकर मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी के लिए भारत के सबसे भरोसेमंद इंस्टीट्यूट के तौर पर अपनी जगह पक्की की है। इस साल, आकाश के स्टूडेंट्स ने टॉप 10 में चार स्टूडेंट्स, टॉप 50 में 18 स्टूडेंट्स और देश भर में टॉप 100 में 41 स्टूडेंट्स के साथ टॉप रैंक हासिल की और यह संख्या बढ़ती जा रही है। ये शानदार नतीजे AESL की एकेडमिक एक्सीलेंस की विरासत, इसके स्टूडेंट-सेंट्रिक अप्रोच और एक्सपर्ट फैकल्टी, कॉम्प्रिहेंसिव स्टडी मटीरियल, कड़ी टेस्टिंग और पर्सनलाइज्ड मेंटरिंग के जरिए देश भर में लगातार टॉप-रैंकिंग वाले मेडिकल एस्पिरेंट्स तैयार करने की इसकी क्षमता को दिखाते हैं।
टॉप रैंक हासिल करना एक सपने के सच होने जैसा है। हम अपने माता-पिता को हमेशा हम पर विश्वास करने के लिए और आकाश में हमारे टीचर्स को उनके लगातार गाइडेंस और मोटिवेशन के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं। रेगुलर मॉक टेस्ट, डिटेल्ड परफॉर्मेंस एनालिसिस, डाउट-सॉल्विंग सेशन और डिसिप्लिन्ड क्लासरूम लर्निंग ने हमें अपने कॉन्सेप्ट्स को मजबूत करने और अपनी तैयारी के दौरान फोकस्ड रहने में मदद की। यह अचीवमेंट हमें एक सफल डॉक्टर बनने के लिए और भी मेहनत करने के लिए इंस्पायर करती है। स्टूडेंट की कामयाबी पूरे आकाश परिवार के लिए गर्व का पल है। उनके डिसिप्लिन, कंसिस्टेंसी और सीखने की इच्छा ने उन्हें पूरी तैयारी के दौरान सबसे अलग बनाया।

रांची नगर निगम सहित 53 सिटी मैनेजरों का तबादला

रांची : राज्य सरकार ने रांची नगर निगम सहित राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों में पदस्थापित सिटी मैनेजरों का तबादला कर दिया है। नगर विकास विभाग ने तबादले से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। देवघर नगर निगम के सिटी मैनेजर को श्रावणी मेला का बाद नये स्थान पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।
चतरा नगर परिषद् के सिटी मैनेजर रंजीत सिंह का तबादला कर रांची नगर निगम भेजा गया है। वहीं, सरायकेला नगर पंचायत में पोस्टेड महेश जारिका को रांची नगर निगम में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा चाईबासा नगर परिषद् के सिटी मैनेजर संतोष बेदिया का भी रांची नगर निगम ट्रांसफर कर दिया गया है।

उद्योग सचिव ने भारत टेक्स 2026 में झारखंड पवेलियन सहित विभिन्न राज्यों के पवेलियनों का भ्रमण किया अवलोकन

राज्य सरकार का उद्देश्य पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ना : अरवा राजकमल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य सरकार का उद्देश्य पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ना तथा स्थानीय कारीगरों और एमएसएमई इकाइयों के लिए नए व्यापारिक अवसर सुनिश्चित करना है। भारत टेक्स जैसे आयोजन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उक्त बातें उद्योग सचिव श्री अरवा राजकमल ने नई दिल्ली ,भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 के समापन दिवस पर झारखंड पवेलियन का भ्रमण करने के दौरान कहीं। उन्होंने झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित राज्य के जीआई टैग प्राप्त उत्पादों, तसर सिल्क, हस्तकरघा एवं जनजातीय हस्तशिल्प का अवलोकन किया एवं उनकी सराहना की ।
झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित तसर सिल्क राज्य के हजारों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवार का गौरव वैश्विक टेक्सटाइल आयोजन में झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित तसर सिल्क से निर्मित परिधान, स्टोल, स्कार्फ और गृह सज्जा उत्पादों को विशेष सराहना मिली। झारखंड देश के प्रमुख तसर उत्पादक राज्यों में शामिल है और राज्य के हजारों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवार इस उद्योग से जुड़े हैं। राज्य सरकार जीआई टैग उत्पादों, तसर, बांस आधारित उद्यमों और जनजातीय कला को राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों को बेहतर बाजार एवं आजीविका के अवसर मिल रहे हैं । भारत टेक्स 2026 जैसे वैश्विक मंच ने झारखंड के एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों, बुनकरों और महिला उद्यमियों के लिए नए व्यापारिक संपर्क स्थापित करने तथा निर्यात संभावनाओं को विस्तार देने का अवसर उपलब्ध कराया भारत टेक्स 2026 में 120 से अधिक देशों के खरीदारों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन में हजारों प्रदर्शकों ने टेक्सटाइल, परिधान और हस्तशिल्प क्षेत्र की नवीनतम उत्पाद श्रृंखला का प्रदर्शन किया। इस वैश्विक मंच ने झारखंड के एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों, बुनकरों और महिला उद्यमियों के लिए नए व्यापारिक संपर्क स्थापित करने तथा निर्यात संभावनाओं को विस्तार देने का अवसर उपलब्ध कराया।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने वार्षिक पत्रिका 'सोहराई' के पंचम अंक का किया लोकार्पण

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, रांची द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका ह्यसोहराईह्न के पंचम अंक का लोकार्पण किया। इस अंक को झारखण्ड की जनजातीय संस्कृति विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया है। राज्यपाल महोदय ने पत्रिका के प्रकाशन के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, राँची के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत को संजोने एवं व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने की दिशा में यह एक सराहनीय प्रयास है।

सुस्त मानसून के बावजूद बालूमाथ में सबसे अधिक 100 मिमी बारिश दर्ज

रांची : झारखंड में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून फिलहाल कमजोर पड़ गया है, जिसके कारण राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर थम गया है। हालांकि, कुछ स्थानों पर अच्छी वर्षा दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान लातेहार जिले के बालूमाथ में सर्वाधिक 100 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि राजधानी रांची सहित कई जिलों में हल्की बूंदाबांदी के बावजूद दिनभर गर्मी और उमस से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रांची स्थित मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि वर्तमान में झारखंड में व्यापक और अच्छी बारिश की संभावना कम है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की सक्रियता कमजोर होने के कारण अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश की ही स्थिति बनी हुई है। हालांकि, आने वाले दिनों में मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना है, जिससे राज्य में वर्षा की गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान लातेहार जिले के बालूमाथ में सबसे अधिक 100 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा राज्य के कुछ अन्य इलाकों में भी छिटपुट वर्षा हुई, लेकिन अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क बना रहा। बारिश की कमी का असर तापमान पर भी देखने को मिला। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य का सर्वाधिक तापमान 35 .5 डिग्री सेल्सियस बोकारो में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम 22 .4 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची में शुक्रवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और कई क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। बावजूद इसके दिनभर गर्मी और उमस बनी रही।

बेड़ो हत्याकांड का मुख्य आरोपी देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार, 3 जिंदा कारतूस बरामद

रांची : रांची पुलिस ने बेड़ो थाना क्षेत्र में हुए चर्चित रविन्द्र मुण्डा हत्याकांड का खुलासा करते हुए मामले के मुख्य आरोपी विकास मुण्डा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल एक देशी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। बता दें, 9 जुलाई को बेड़ो थाना क्षेत्र के मधुपुर अखड़ा के पास 26 वर्षीय रविन्द्र मुण्डा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के मार्गदर्शन में पुलिस उपाधीक्षक, बेड़ो के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया था। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार मुख्य आरोपी विकास मुण्डा को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ इलाके में दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग करना चाहता था। इस दौरान रविन्द्र मुण्डा ने उसे ऐसा करने से रोका, जिससे दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने रविन्द्र मुण्डा को गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल देशी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। वहीं, घटना में इस्तेमाल की गई पल्सर-220 और होंडा शाइन मोटरसाइकिल पहले ही जब्त की जा चुकी है। पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड में शामिल दो अन्य आरोपी विकास महतो और विजय मुण्डा को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। मामले के अन्य पहलुओं की जांच अभी जारी है।

मलसिरिंग के सरकारी विद्यालय में IIIT रांची का 'साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान'

रांची: भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान रांची की उन्नत भारत अभियान टीम ने गोद लिए गए गांव मलसिरिंग के सरकारी विद्यालय में शुक्रवार को "साइबर सुरक्षा जागरूकता" को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली छात्रों को डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना था। इसके बाद डॉ. रोशन सिंह, डॉ. अंकिता और डॉ. ऋषिकेश दत्त तिवारी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, मजबूत पासवर्ड के उपयोग, सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक इस्तेमाल, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा साइबर अपराधों की पहचान जैसे विषयों पर सरल और व्यवहारिक सुझाव दिए। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और चर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई। संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल युग में विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उन्नत भारत अभियान टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के माध्यम से ट्रिपल आईटी रांची ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। संस्थान उन्नत भारत अभियान के तहत समाज से जुड़कर शिक्षा, जागरूकता और तकनीकी ज्ञान के प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत उन्नत भारत अभियान के समन्वयक डॉ. संधीर कुमार सिंह ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक नजर

फील्ड वर्कर परीक्षा को लेकर रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

बोकारो : झारखंड फील्ड वर्कर प्रतियोगिता परीक्षा के अभ्यर्थियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने विशेष ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। दक्षिण पूर्व रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 08619/08620 रांची-दुमका-रांची अनारक्षित परीक्षा स्पेशल का परिचालन किया जाएगा। ट्रेन संख्या 08619 रांची-दुमका स्पेशल 19 जुलाई 2026 (रविवार) को चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 08620 दुमका-रांची स्पेशल 20 जुलाई 2026 (सोमवार) को चलेगी। यह ट्रेन मुरी, झालदा, कोटशिला, बोकारो स्टील सिटी, चंद्रपुरा, फुलवारीटांड़, कतरासगढ़, धनबाद, कुमारधुबी, बराकर, जामताड़ा, चित्तरंजन, विद्यासागर, मधुपुर, जसीडीह, देवघर, बासुकीनाथ सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। इसके अलावा ट्रेन संख्या 08103/08104 टाटानगर-हजारीबाग रोड-टाटानगर अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल का भी परिचालन होगा। ट्रेन संख्या 08103 टाटानगर-हजारीबाग रोड स्पेशल 19 जुलाई को तथा 08104 हजारीबाग रोड-टाटानगर स्पेशल 20 जुलाई को चलेगी।

अलग-अलग मामलों में तीन गिरफ्तार

रामगढ़ : रामगढ़ जिला के पतरातू पुलिस की ओर से लगातार अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत शुक्रवार को पतरातु पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में नशीले पदार्थों की तस्करी के दो नामजद अभियुक्त और एक वारंटी शामिल है। यह जानकारी पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता ने बताया की गिरफ्तार आरोपियों में एनडीपीएस एक्ट का प्राथमिकी अभियुक्त प्रशांत कुमार चंद्रवंशी गढ़देवी मोहल्ला, गढ़वा निवासी, वारिश अंसारी ग्राम सोलिया थाना पतरातू और वारंटी में एकरामुल अंसारी ग्राम उच्चरिंगा थाना पतरातु को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

त्वरित मुआवजे से लौटे चेहरे पर गंभीर मुस्कान

रामगढ़ : गोला प्रखंड के नेमरा गाँव में 12 मई 2026 की संध्या लगभग 5 बजे आकाशीय बिजली गिरने से 26 मवेशियों की मौत हो गई थी। धान रोपनी के ठीक पहले हुई इस दर्दनाक घटना ने कई पशुपालक किसानों को गहरे आर्थिक संकट में डाल दिया था। जिन मवेशियों के सहारे खेतों में हरियाली लाने की तैयारी थी, उनके अचानक काल के गाल में समा जाने से किसानों की वर्षों की मेहनत और उम्मीदों पर मानो वज्रपात हो गया था। इसी घटना के प्रभावित परिवारों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को नेमरा में आयोजित मुआवजा वितरण समारोह में स्थानीय विधायक ममता देवी ने लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए। हालांकि लाभुकों ने बताया कि समारोह से पूर्व ही मुआवजा राशि उनके बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई थी। स्वीकृति पत्र मिलने के साथ ही किसानों के चेहरों पर राहत और संतोष साफ झलक रहा था। सरकारी प्रावधान के अनुसार गाय की मृत्यु पर 37,500 रुपये, बैल अथवा भैंसा की मृत्यु पर 32,000 रुपये, बाछी/बछड़ा पर 20,000 रुपये, जबकि भेड़, बकरी एवं सूअर की मृत्यु पर 5,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। लाभुकों ने कहा कि यह सहायता उनके लिए संजीवनी साबित होगी और वे दोबारा मवेशी खरीदकर खेती-किसानी के कार्यों में जुट सकेंगे। मुआवजा प्राप्त करने वालों में विक्रम मुर्मू, मोहन किस्कू, किशोर टुडू, कर्मचंद टुडू, महेंद्र टुडू, बिगन टुडू, बिरजू सोरेन, जागरण सोरेन, मकरूब किस्कू, निमंत्रण किस्कू, नकुल बेसरा सहित अन्य प्रभावित पशुपालक शामिल हैं।

जागरूक होकर ही अधिकारों को प्राप्त किया सकता है : एसीजेएम सह डीएलएसए सेक्रेटरी

- विभिन्न स्कूलों में छात्र-छात्राओं के बीच पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, इंटरनेट से फायदा और नुकसान पर निबंध लेखन, चित्रांकन एवं भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झालसा के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा रमाकांत मिश्रा के मार्गदर्शन में 90 दिन गहन विधिक जागरुकता शिविर के तहत जिले के विभिन्न स्कूलों, परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, कोडरमा उच्च विद्यालय, सीएच प्लस टू उच्च विद्यालय एवं सीडी गर्ल्स हाई स्कूल में शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण इंटरनेट के फायदे और नुकसान पर निबंध प्रतियोगिता, चित्रांकन प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के प्रभारी सचिव सह एसीजेएम प्रज्ञा बाजपेई उपस्थित थी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को कानून के प्रति जागरूक करना है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके । उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलित और सुरक्षित रहे साथ ही, जीवन के लिए कितना उपयोगी है यह जानना सभी के लिए आवश्यक है। पर्यावरण से ही हमें भोजन, पानी और ऑक्सीजन प्राप्त होता है । जिस पर हम सभी जीवन निर्भर हैं । आज के बच्चों को इंटरनेट के फायदे और नुकसान दोनों की जानकारी होनी चाहिए तभी वे इसका सही से उपयोग कर पाएंगे जो उनके जीवन के लिए फायदेमंद होगा। वहीं उन्होंने जिला विधिक सेव प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। वही उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, बाल विवाह बाल मजदूरी, शिक्षा का अधिकार, अधिकार और कर्तव्य पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून की अवहेलना करने पर दंड का प्रावधान है। वहीं उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है जिसे हम सभी को मिलकर दूर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह करना या कराना या उसमें शामिल होना कानूनन दंडनीय अपराध है, इसकी रोकथाम करना हम सब की नैतिक जिम्मेवारी है। बताते चलेगी प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा सम्मानित किया जाएगा । कार्यक्रम को सफल बनाने में डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता नवल किशोर, किरण कुमारी, राजेंद्र मंडल, अरुण कुमार ओझा, अश्विनी शरण सहित पीएलबी लग रहे।

रोजगार मेले में 93 युवाओं का चयन 34 को मौके पर मिला ऑफर लेटर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, कोडरमा द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला-2026 का आयोजन किया गया। मेले में 21 निजी कंपनियों ने भाग लिया, जहां कुल 1325 युवक-युवतियों ने पंजीकरण कराया। चयन प्रक्रिया के बाद 93 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जबकि 222 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इनमें से 34 चयनित अभ्यर्थियों को समारोह के दौरान ऑन-द-स्पॉट ऑफर लेटर भी सौंपा गया।

रोजगार मेले का उद्घाटन विधायक डॉ. नीरा यादव, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव और नगर पंचायत अध्यक्ष साजिद हुसैन सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. नीरा यादव ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि रोजगार के अवसरों का पूरा लाभ उठाकर अपने कौशल और कार्यक्षमता को विकसित करें। उन्होंने युवाओं से निरंतर सीखने और मेहनत के बल पर बेहतर भविष्य बनाने का आह्वान किया।

जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि रोजगार मेले स्थानीय शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों से सीधे जुड़ने का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार मिलने में सुविधा होती है।

अपर समाहर्ता संजय पी.एम. कुजूर ने युवाओं से ऐसे रोजगार मेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। जिला नियोजन पदाधिकारी प्रकाश बैठा ने बताया कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगे भी नियमित रूप से रोजगार मेला और भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे।

मेले में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, वित्त, बीमा, निर्माण, तकनीकी प्रशिक्षण समेत विभिन्न क्षेत्रों की 21 निजी कंपनियों ने भाग लिया। इनमें मॉडर्न पब्लिक स्कूल, होली फैमिली हॉस्पिटल, ग्रिजली विद्यालय, एनटीटीएफ बेंगलुरु, पिपल ट्री वेंचर्स, तुलस्यान मेटल्स, जेकेआई इंफ्रास्ट्रक्चर, झारखंड पब्लिक स्कूल, साई इलेक्ट्रोकास्टिंग, महिंद्रा स्किल्स ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, रामगोविंद पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट, एक्सेल डाटा सर्विसेज, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, आरएसजी सेल्स एंड सर्विसेज और रयोनन इलेक्ट्रिक इंडिया सहित अन्य संस्थान शामिल थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि तथा जिला नियोजनालय के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

खाटू धाम से लौटे श्याम भक्तों का कोडरमा स्टेशन पर भव्य स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : श्याम सेवा परिवार, झुमरीतिलैया की ओर से आयोजित तीन दिवसीय खाटू धाम यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का कोडरमा रेलवे स्टेशन पर ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जय श्री श्याम के जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया गया। स्टेशन परिसर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में रंग गया। श्रद्धालु जयकारे लगाते और भजन गाते हुए स्टेशन स्थित काली मंदिर पहुंचे, जहां यात्रा का समापन हुआ।यात्रा के दौरान राजस्थान के खाटू धाम स्थित श्याम मित्र मंडल भवन में श्याम सेवा परिवार का पांचवां मासिक अरदास कीर्तन श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम की अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की गई, छप्पन भोग अर्पित किया गया तथा भव्य दरबार सजाया गया। कार्यक्रम में 126 श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और कीर्तन में शामिल होकर भक्ति रस का आनंद लिया।कोडरमा स्टेशन पर श्रद्धालुओं के स्वागत में श्याम सेवा परिवार के अध्यक्ष बंटी शाहबादी, उपाध्यक्ष अभिषेक मंटू, प्रभात सिंह, चीकू सेठ, ननकी सिंह, मनीष यादव, सुरेश केसरी, सुजीत राज, अमित शर्मा, विक्रम गुप्ता, अनिल कुमार, संयोजक बबलू सिंह सहित परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम के संयोजक एवं श्याम सेवा परिवार के सचिव विक्की मोदी ने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा श्याम की कृपा और सभी के सहयोग से यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

श्रद्धालुओं ने इसे कोडरमा जिले के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि जिले का यह पहला श्याम मंडल है, जिसने खाटू धाम पहुंचकर सामूहिक रूप से मासिक अरदास कीर्तन का आयोजन किया। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार की धार्मिक यात्राओं और भक्ति कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन जय श्री श्याम" के जयघोष के साथ हुआ।

एक बाइक पर पांच सवार नियमों की उड़ रही धज्जियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। बिना हेलमेट और क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर बाइक चलाना आम बात बन गई है। रविवार को प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र में एक ही बाइक पर पांच लोगों को सफर करते देखा गया। इनमें छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल थे।

एक बाइक पर पांच लोगों का सफर न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह गंभीर दुर्घटना का कारण भी बन सकता है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस तरह की लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस और प्रशासन नियमित जांच अभियान चलाकर सख्ती से कार्रवाई करें, तो ऐसी लापरवाही पर रोक लगाई जा सकती है। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

एसएससी परीक्षा के मद्देनजर श्री जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा अब 20 जुलाई को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

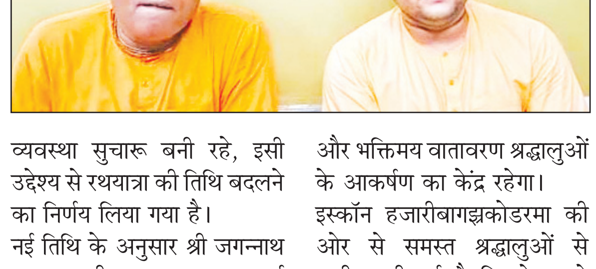

झुमरी तिलैया : झुमरीतिलैया एवं कोडरमा क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए इस्कॉन हजारीबागझकोडरमा के कोऑर्डिनेटर डॉ केशव आनन्द दास एवं वीर भद्र दास ने बताया है कि श्री जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथयात्रा की तिथि में परिवर्तन किया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह रथयात्रा 19 जुलाई को आयोजित होनी थी, लेकिन उसी दिन होने वाली एसएससी परीक्षा को देखते हुए इसे अब 20 जुलाई (सोमवार) को आयोजित किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि 19 जुलाई को SSC परीक्षा के कारण शहर में यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना थी। परीक्षार्थियों एवं श्रद्धालुओं दोनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसी उद्देश्य से रथयात्रा की तिथि बदलने का निर्णय लिया गया है।

नई तिथि के अनुसार श्री जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा 20 जुलाई (सोमवार) को अपराह्न 3:00 बजे सुभाष चौक से प्रारंभ होगी। रथयात्रा झंडा चौक होते हुए महाराणा प्रताप चौक से गुजरकर मौसीबाड़ी संकट मोचन मंदिर तक पहुंचेगी। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। रथयात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन और भक्तिमय वातावरण श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा।

इस्कॉन हजारीबागझकोडरमा की ओर से समस्त श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अपने परिवार, मित्रों एवं शुभचिंतकों के साथ इस पावन रथयात्रा महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर श्री जगन्नाथ महाप्रभु के दिव्य दर्शन करें तथा रथयात्रा का पुण्य लाभ प्राप्त करें। साथ ही आयोजन की सफलता के लिए सभी से सहयोग एवं प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने का भी आग्रह किया गया है।

चातुर्मास में 119 दिनों की साधना का स्वर्णिम अवसर, 25 से पुण्यकाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सनातन धर्म में चातुर्मास को साधना, तप, संयम और आध्यात्मिक उन्नति का सबसे महत्वपूर्ण काल माना जाता है। इस वर्ष चातुर्मास का आरंभ 25 जुलाई 2026 शनिवार को आषाढ़ शुक्ल देवशयनी एकादशी से होगा और इसका समापन 20 नवंबर 2026 शुक्रवार को कार्तिक शुक्ल देवउठनी एकादशी के दिन होगा। लगभग 119 दिनों तक चलने वाले इस पवित्र काल में श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक मास शामिल रहेंगे।

पं कुंतलेश पांडेय अनुसार देवशयनी एकादशी से भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं और देवउठनी एकादशी के दिन जागृत होते हैं। इस अवधि में भगवान शिव एवं माता पार्वती सृष्टि के संचालन का दायित्व संभालते हैं, इसलिए शिव आराधना, जप, तप, व्रत, दान और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व माना गया है।चातुर्मास में भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, भगवान शिव, श्रीकृष्ण, मां दुर्गा तथा गुरु की उपासना विशेष फलदायी होती है। श्रद्धालुओं को विष्णु सहस्त्रनाम, श्रीमद्भगवद्गीता, रामचरितमानस का पाठ, "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का

जाप, नियमित पूजा-अर्चना, दीपदान, अन्न एवं वस्त्र दान तथा सात्विक जीवनशैली अपनाने की सलाह दी जाती है।

पं कुंतलेश पांडेय ने बताया कि चातुर्मास के दौरान मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, उपनयन संस्कार तथा नए व्यवसाय की शुरूआत से परहेज किया जाता है। इसके अलावा मांस, मदिरा और अन्य नशीले पदार्थों का त्याग करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार श्रावण में हरी पत्तेदार सब्जियां, भाद्रपद में दही, आश्विन में दूध का सीमित सेवन तथा कार्तिक में दाल और राई का त्याग शुभ माना जाता है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार स्कंद पुराण में कहा गया है कि जो श्रद्धालु चातुर्मास में नियम, संयम और भक्ति के साथ साधना करता है, उसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है तथा आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

प्रमुख पर्व

चातुर्मास के दौरान रक्षाबंधन 28 अगस्त, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर, गणेश चतुर्थी 14 सितंबर, शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर तथा दीपावली 9 नवंबर जैसे प्रमुख पर्व मनाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

नीट-यूजी परीक्षा में विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल की छात्राओं ने सफलता का परचम लहराई

कोडरमा : चेचाई, चाराडीह स्थित विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा निकिता कुमारी ने भारत सरकार अधीनस्थ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में 720 में 586 नंबर लाकर जनरल ईडब्लूएस कैटेगरी में 1715 रैंक प्राप्त की। वही दूसरी छात्रा शगुफ्ता प्रवीण ने 720 में से 551 नंबर लाकर ओबीसी कैटेगरी में 17675 रैंक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराई। उन्होंने इस सफलता को प्राप्त कर अपने परिवार सहित पूरे समाज व विद्यालय परिवार को गौरांवित की। ये सफलता उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में प्राप्त की। निकिता पिछले वर्ष बारहवीं बोर्ड में भी सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बनी थी। वही शगुफ्ता प्रवीण प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा इस विद्यालय से प्राप्त की है। उसके इस सफलता पर माता-पिता सहित पूरा परिवार हर्ष महसूस कर रहा है। विद्यालय निदेशक अनिल कुमार ने बतलाया कि इन दोनों के सफलता से हम सभी विद्यालय परिवार अति उत्साहित है । मेहनत करने वाले सफलता के चरम पर अवश्य पहुंचते है। ये परीक्षा अति कठिन परीक्षाओं में से एक है और ऐसे परीक्षा में सफल होना आसान नहीं होता हैं। इसलिए ऐसे सफल छात्रों की जितनी प्रशंसा की जाए कम ही होगा। उम्मीद करते है कि आगे ये दोनों सरकारी मेडिकल कॉलेज में नामांकन लेकर एक अच्छे डॉक्टर बनकर जनमानस की सेवा करेगी। पूरे विद्यालय परिवार ने निकिता व शगुफ़्ता को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना किए। निकिता मूल रूप से रामगढ़ की रहने वाली हैं झुमरी तिलैया में अपने मामा के घर रहकर पढ़ाई पूरी की है। इसके पिता दिनेश्वर मोदी जो एक व्यवसायी है और मां मीना देवी गृहिणी है। वही शगुफ़्ता प्रवीण कटारियाटांड़, नवलशाही की रहने वाली है। इसके पिता तस्लीम पत्थर व्यवसायी है वही माता शहनाज खातून गृहिणी है।

जयनगर में राशन दुकानों व जेएसएफसीआई गोदाम का औचक निरीक्षण

कोडरमा : जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल ने शुक्रवार को जयनगर प्रखंड के विभिन्न जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की राशन दुकानों एवं जेएसएफसीआई गोदाम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राशन वितरण व्यवस्था, खाद्यान्न के भंडारण, स्टॉक रजिस्टर, वितरण पंजी सहित अन्य अभिलेखों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने राशन दुकानदारों को सरकार के निर्धारित मानकों के अनुरूप लाभुकों के बीच समय पर एवं पूरी पारदर्शिता के साथ खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लाभुकों से शिकायत मिलने पर संबंधित राशन दुकानदार के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद उन्होंने जयनगर प्रखंड परिसर स्थित जेएसएफसीआई गोदाम का निरीक्षण कर खाद्यान्न के भंडारण, रखरखाव एवं उठाव व्यवस्था का जायजा लिया। गोदाम में उपलब्ध खाद्यान्न की गुणवत्ता और स्टॉक का सत्यापन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि जन वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से जिले में इस प्रकार के औचक निरीक्षण नियमित रूप से जारी रहेंगे। निरीक्षण के दौरान विभाग के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रामगढ़ में गूंजेगी खो-खो की धमक, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए तैयारी पूरी

रामगढ़ (भुरकुंडा) : सौंदा बस्ती स्थित पारटांड़ स्टेडियम में 18 से 20 जुलाई तक आयोजित होने वाली 20वीं सब-जूनियर झारखंड राज्य बालक खो-खो प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रामगढ़ जिला खो-खो संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता संघ के वरीय उपाध्यक्ष प्रकाश कुमार ओझा ने की। बैठक में प्रतियोगिता के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में रामगढ़ जिला खो-खो संघ एवं झारखंड राज्य खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के संचालन के लिए सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन किया गया। समिति में बालेश्वर मुंडा को अध्यक्ष, राहुल कुमार को सचिव तथा राकेश कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं प्रकाश कुमार ओझा, कवि मुंडा, सुजय कालिंदी, अजीत मुंडा, नवीन महतो, भास्कर महतो, अजीत महतो, आमिर सोहेल, आनंद तिग्गा, नंद किशोरी बाउरी, मानस मुंडा, बंटी बाउरी, रघुनाथ मुंडा एवं अरुण मुंडा को समिति का सदस्य बनाया गया। बैठक के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन और चयन प्रक्रिया के आधार पर रामगढ़ जिला सब-जूनियर बालक खो-खो दल के लिए पांच मजबूत टीमों का चयन भी किया गया। चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम चयन के बाद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बैठक को संबोधित करते हुए प्रकाश कुमार ओझा और आयोजन समिति के अध्यक्ष बालेश्वर मुंडा ने बताया कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। साथ ही खेल प्रेमियों एवं स्थानीय नागरिकों से अपील की गई कि वे बड़ी संख्या में पारटांड़ स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और इस राज्य स्तरीय खेल आयोजन को ऐतिहासिक सफलता दिलाने में अपनी भागीदारी निभाएं।

नादकरी एवं हरलाडीह गाँव मे 30 जंगली हाथियों का झुंड पहुंचने से ग्रामीणों मे दहशत

मरकच्चो : प्रखंड के नादकरी एवं हरलाडीह गांव में दूसरे दिन भी जंगली लगभग 30 हाथियों का झुंड पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना रहा। हाथियों के गांव की ओर बढ़ने की सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से सुरक्षित तरीके से हाथियों को गांव से दूर खदेड़ कर बराकर नदी के पार जंगल की ओर भेज दिया गया। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के झुंड के पास जाने या उन्हें उकसाने का प्रयास न करें ।रात के समय जंगल अथवा नदी किनारे जाने से बचें, तथा किसी भी स्थान पर हाथियों की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

एक नजर

नीट-2026 में सुप्रीति का शानदार प्रदर्शन

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रखंड अंतर्गत पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे सामरजोबड़ा गांव की बेटी सुप्रीति महतो ने देश की सबसे प्रतिष्ठित एवं कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (यूजी)-2026 में शानदार सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुप्रीति ने 720 में 639 अंक प्राप्त करते हुए 99.8774936 पर्सेंटाइल, ऑल इंडिया रैंक 2366 तथा ओबीसी श्रेणी में 860वीं रैंक हासिल की है। सुप्रीति की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से पूरे पटमदा क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने वाली सुप्रीति आज क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद उनकी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प ने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो तो कोई भी मंजिल कठिन नहीं होती। सुप्रीति महतो, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्व पटमदा प्रखंड अध्यक्ष स्वर्गीय अश्विनी कुमार महतो एवं वर्ष 2010 में जिला परिषद का चुनाव लड़ चुकीं कोकिला महतो की पुत्री हैं। उनकी इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है और शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा हुआ है। सुप्रीति की सफलता पर शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तुरुप टोल प्लाजा पर अंधेरा, सड़क हादसों का बढ़ा खतरा

रांची : अनगड़ा स्थित तुरुप टोल प्लाजा एवं उसके आसपास लंबे समय से स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। रात के समय पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा के दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलरांची वरीय उपाध्याच सूरज नारायण महतो ने कहा है कि टोल टैक्स वसूला जा रहा है, लेकिन सड़क सुरक्षा की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है। कई जगहों पर सड़क भी खराब पड़ा। कई बार शिकायत के बावजूद न तो एनएचएआई और न ही संबंधित एजेंसी ने खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराई है। अंधेरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं, चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि एनएचएआई तत्काल बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू कराए तथा टोल प्लाजा और आसपास के क्षेत्र में नियमित रखरखाव सुनिश्चित करे, ताकि यात्रियों की सुरक्षा बनी रहे।

हिंडालको मूरी ने शुरू की मोबाइल मेडिकल यूनिट, अब गांव-गांव पहुंचेगी स्वास्थ्य सेवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मूरी : शुक्रवार को हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मूरी के (सी एस आर) विभाग द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाइल मेडिकल यूनिट (एम एम यू) का शुभारंभ किया गया। हिंडालको मूरी के बिजनेस हेड सौरभ खेडेकर ने हरी झंडी दिखाकर मोबाइल मेडिकल यूनिट को रवाना किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में खेडेकर ने कहा, हिंडालको केवल एक उद्योग नहीं चलाता, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी निरंतर कार्य करता है। मोबाइल मेडिकल यूनिट इसी सोच और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके माध्यम से दूर-दराज क्षेत्रों के लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हिंडालको भविष्य में भी इसी प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन करता रहेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिंडालको के (सीएमओ) नित्यानंद राय तथा प्लांट हेड संदीप पाटिल ने कहा कि हिंडालको अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सदैव वचनबद्ध रहा है और स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मोबाइल मेडिकल यूनिट क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस अवसर पर हिंडालको के एचआर हेड प्रमोद कुलहर, आईआर हेड कुमार अविशेक, अकाउंट्स हेड अभिजीत सेन, प्रशांत बोस, श्याम कुमार, प्रभात सहित कंपनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने भी भाग लिया, जिनमें लुपुंग पंचायत के मुखिया सिमा गोंजु, पिस्का पंचायत के मुखिया सोमरा मांझी, कोचो पंचायत की मुखिया सोमवारी देवी, सैकड़ों ग्रामीण एवं समाजसेवी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी एच सी) के अधिकारीगण, सभी सहियाएं, तथा द हंस फाउंडेशन की अंजलि एवं उनकी टीम भी कार्यक्रम में उपस्थित रही। मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन से क्षेत्र के दूरस्थ एवं वंचित ग्रामीणों तक नियमित स्वास्थ्य जांच, चिकित्सीय परामर्श, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य जागरूकता सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। यह पहल हिंडालको मूरी की जनस्वास्थ्य एवं सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाएगी। कार्यक्रम का संचालन हिंडालको मूरी के सी एस आर विभाग के प्रमुख अनिल सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए मोबाइल मेडिकल यूनिट की उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की जानकारी साझा की तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना से 16 लाभुकों को मिली आजीविका की सौगात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : सरायकेला-खरसावाँ में शुक्रवार को किसानों एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के तहत आज नीमडीह प्रखंड में लाभुकों के बीच पशुधन इकाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत 11 लाभुकों के बीच बकरी पालन इकाई तथा 05 लाभुकों के बीच सूकर पालन इकाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर लाभुकों को संबोधित करते हुए कहा गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों और पशुपालकों के आर्थिक सशक्तिकरण तथा आजीविका के सुदृढ़ीकरण के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना भी इन्हीं प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। लाभुकों से वितरित पशुधन का समुचित देखभाल एवं वैज्ञानिक पद्धति से पालन करने की अपील की गई, ताकि योजना का अधिकतम लाभ प्राप्त कर आत्मनिर्भर आजीविका विकसित की जा सके। साथ ही पशुपालन विभाग के पदाधिकारियों को लाभुकों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

सत्या फाउंडेशन की पहल, कम लागत पर 50 जरूरतमंदों को मिली साइकिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : हेसल पंचायत भवन परिसर में सत्या फाउंडेशन के तत्वावधान में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 50 लाभुकों को ?2,650 की सहयोग राशि पर साइकिल उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में लाभुकों ने सत्या फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि साइकिल मिलने से उनके दैनिक आवागमन, शिक्षा एवं रोजगार संबंधी कार्यों में सुविधा होगी। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को कम लागत पर आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उनके जीवन को आसान बनाना है। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, स्थानीय मुखिया कविता देवी रामनाथ करमाली ही उप मुखिया दुर्गा महतो कृष्णा भगत सुनील महतो गणमान्य नागरिक, फाउंडेशन के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने इस जनहितकारी पहल की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की।

आमड़ा गांव के अल्पसंख्यक ग्रामीणों ने तरुण महतो का किया भव्य स्वागत, स्थानीय समस्याओं से कराया अवगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड अंतर्गत गुदड़ी पंचायत के आमड़ा गांव के अल्पसंख्यक समुदाय के ग्रामीणों ने शुक्रवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह ईचागढ़ के पूर्व प्रत्याशी तरुण महतो को क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराने के लिए आमंत्रित किया। तरुण महतो के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-33 (एनएच 33) से बाइक रैली निकालकर उनका भव्य स्वागत किया। गांव पहुंचने पर उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने अपने संबोधन में कहा कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि वोट मांगने आते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद क्षेत्र की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं देता। उन्होंने पानी, सड़क, शिक्षा, रोजगार तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने कहा कि वे अब झारखंड में बदलाव की राजनीति चाहते हैं और जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई पार्टी आम जनता और अल्पसंख्यक समाज की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य कर रही है, तो वह जेएलकेएम है। इस अवसर पर जेएलकेएम के जिला अध्यक्ष दीपक महतो ने कहा कि वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दल चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करते रहे हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनता की समस्याएं भुला दी जाती हैं। अब समय आ गया है कि जनता अपने अधिकारों के लिए सही नेतृत्व का चयन करे। जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष साबिर अंसारी ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज अब केवल वोट बैंक बनकर नहीं रहेगा। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर क्षेत्र में राजनीतिक बदलाव लाने का आह्वान किया तथा आगामी विधानसभा चुनाव में जेएलकेएम प्रत्याशी तरुण महतो का समर्थन करने की अपील की। अपने संबोधन में तरुण महतो ने कहा कि क्षेत्र की समस्याएं केवल चुनावी भाषणों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनका समाधान भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी आमड़ा सहित आसपास के गांवों में पेयजल, सड़क, शिक्षा, रोजगार और विस्थापन जैसी समस्याएं गंभीर बनी हुई हैं। यदि जनप्रतिनिधि जनता की आवाज नहीं उठाते, तो ऐसे नेतृत्व का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक सरकार में मंत्री रहने वाले लोगों ने भी क्षेत्र के विकास के लिए अपेक्षित कार्य नहीं किया।

संक्षिप्त खबरें

जमीन विवाद मामले में महिला घायल, मारपीट कर जेवर छीनने का लगाया आरोप

सरिया : सरिया नगर पंचायत क्षेत्र के सर्वोदय आश्रम रोड में जमीन विवाद मामले में एक महिला घायल हो गई जबकि दो अन्य महिलाओं सहित किसानों के साथ मारपीट की घटना का समाचार प्राप्त हुआ है। इसे लेकर पीड़ित पक्ष के शिव शंकर रूपांशु (नेताजी पार्क सरिया) ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर लगभग 2:30 बजे परिवार के सदस्यों (सुनीता देवी पति स्वर्गीय शंकर मंडल, रुकमणी देवी पति बैजनाथ मंडल, आरती देवी पति शिव शंकर रूपांशु व अन्य सदस्य)के साथ सर्वोदय आश्रम रोड के पास अपने खेत में धान का बीज बोने गया था। इसी बीच राजू मंडल, मुरली मंडल, मनोज मंडल सहित कुछ अन्य लोग वहां पहुंचे तथा खेत जोतने से मना किया। बताया कि यह खेत उनकी मां के नाम से है। इस जमीन पर लगभग 5 दशकों से जोत आबाद करते रहा है। परंतु उक्त लोग उसे पर खेती करने से मन कर रहे थे। इसी बीच उक्त लोगों द्वारा वहां खड़े उनके घर की महिलाओं की साथ लोगों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। इस दौरान सुनीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं रुक्मिणी देवी तथा आरती देवी के साथ भी मारपीट की गई है। इस दौरान उक्त आरोपी लोगों द्वारा महिलाओं के गले से सोने का चेन तथा सोने की अंगूठी छिनने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद लोग सरिया थाना पहुंचे। जहां से इंज्यूरी कटने के बाद उचित इलाज हेतु सीएचसी बगोदर भेजा गया। इस संबंध में थाना प्रभारी पिंटू कुमार सिंह ने बताया कि घायल महिला के इलाज हेतु उसे इंजरी दे दिया गया है समाचार लिखे जाने तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर जांचोंपरांत कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड के लोग देश के वैज्ञानिकों के साथ : राजू महतो

सिल्ली : पेपर लीक के विरोध में देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक सोनम वांगचुक का दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 21 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में बैठने के समर्थन शुक्रवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरिष्ठ नेता राजू महतो के नेतृत्व में सिल्ली में मान जुलूस निकाला गया। महतो ने कहा वांगचूक की मांगों के समर्थन करते है। जेएलकेएम झारखंड की आवाज को दिल्ली तक पहुंचाने के लिए जानी जाती है। जब भी झारखंड के मुद्दे या देश के वैज्ञानिक/कर्मचारी आंदोलन होते हैं, जेएलकेएम सड़क पर उतरती है। झा रखंड के लोग देश के वैज्ञानिकों के साथ है। शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

बड़ा मुरी में फाइलेरिया शिविर, मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का किया गया वितरण

सिल्ली : सिल्ली सामुदायिक अस्पताल की ओर से बड़ा मुरी गांव में एक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एम एम डी पी किट फलेरिया लगभग 25 मरीजों के बीच वितरण किया गया। वही फलेरिया को अस्पताल के सुरेंद्र महतो ने जानकारी देते हुए कहा कि जिस पर में फलेरिया हुआ है। उसे अच्छी तरह से साफ सफाई पर ध्यान दें साथी साथ दवा पैर में लगे और साफ तौलिया से पर को पूछे इससे आपकी बीमारी आगे नहीं बढ़ेगी और धीरे-धीरे पैर का सुजन कम होने लगेगा। इस मौके पर अस्पताल प्रभारी डॉक्टर प्रियंका कुमारी, मारुति नंदन, संजय कुमार महतो, ब्रजकिशोर, पूर्व पंचायत समिति राजेश कुम्हार आदि सहिया उपस्थित थी।

EKLAVYA MODEL RESIDENTIAL SCHOOL

BANSJOR, PAKARTANR, GARJA

पत्रांक: EMRS/B-P-G/TENDER/2026-27/01 दिनांक:15/07/2026

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (1)बांसजोर (2)पाकरटांड़ (3)गरजा हेतु शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न सामग्री / वस्तुओं की आपूर्ति के लिए पंजीकृत फर्मों एवं अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा प्रपत्र दिनांक 19 / 07 / 2026 से 26 / 07 / 2026 तक कार्यालय समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक विद्यालय कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। निविदा संबंधी शर्त्त एवं नियम तथा सामग्रियों की सूची जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड के वेबसाईट www. Prdjharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा प्रपत्र एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय पाकरटांड परिसर में रखे गए निविदा बॉक्स में दिनांक 23/07/2026 सायं 5:00 बजे तक जमा किए जा सकते हैं। निविदाएँ दिनांक 28/07/2026 प्रातः 11:00 बजे एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय पाकरटांड परिसर में खोली जाएंगी।

निविदा कर्ताओं को दो अलग-अलग लिफाफे जमा करने होंगे— एक तकनीकी बिड लिए तथा दूसरा वित्तीय बिड के लिए। तकनिकी बिड विधिवत पाए जाने के उपरांत ही सम्बंधित निविदा दाता का वित्तीय बिड खोला जायेगा तकनीकी बिड में निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा :

i- जिस मद/वस्तु के लिए निविदा आवेदन किया गया है, उससे संबंधित राज्य सरकार द्वारा जारी लाइसेंस की प्रति।
ii- GST पंजीकरण संख्या एवं प्रमाणपत्र / अद्यतन GST रिटर्न तथा जमा रसीद संलग्न करना अनिवार्य होगा।
iii- PAN संख्या / TAN संख्या एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 का आयकर रिटर्न कि प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
iv- उपायुक्त (DC) /पुलिस अधीक्षक (SP) द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति।
v- खाद्य सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा दाता द्वारा खाद्य सुरक्षा लाइसेंस प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
vi- निविदा दाता को यह उल्लेख करते हुए मूल शपथ पत्र (Affidavit) प्रस्तुत करना होगा कि वह किसी भी संस्था द्वारा ब्लैकलिस्टेड नहीं है।
vii- संबंधित मद के अंतर्गत निर्धारित राशि का बैंक ड्राफ्ट, अर्जेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD) के रूप में,
(1) EKLAVYA MODEL RESIDENTIAL SCHOOL BANSJOR
(2) EKLAVYA MODEL RESIDENTIAL SCHOOL PAKARTANR
(3) EKLAVYA MODEL RESIDENTIAL SCHOOL GARJA " के पक्ष में संलग्न करना होगा।
viii- यदि किसी बोलीदाता द्वारा प्रस्तुत दर प्रचलित बाजार दर की तुलना में असामान्य रूप से कम पाई जाती है, तो समिति द्वारा उससे दर का औचित्य (Rate Justification) प्राप्त किया जाएगा। संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त न होने पर समिति को ऐसी बोली निरस्त करने का अधिकार होगा।
ix- अधोहस्ताक्षरी को बिना कोई कारण बताए किसी भी अथवा सभी निविदाओं को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

प्रभारी प्राचार्य, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, बांसजोर
प्रभारी प्राचार्य, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, पाकरटांड
प्रभारी प्राचार्य, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, गरजा

PR 385100 Simdega (26-27)_D

पीएम मोदी ने किया पुनर्विकसित मुरी रेलवे स्टेशन का लोकार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित मुरी रेलवे स्टेशन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुरी स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वही डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए आधुनिक रेल व्यवस्था एवं बेहतर आधारभूत संरचना अत्यंत आवश्यक है। अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से देश के रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। मुरी स्टेशन का पुनर्विकास झारखंड के यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यह परियोजना क्षेत्र के व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे निरंतर आधुनिकता की ओर अग्रसर है तथा झारखंड के रेलवे स्टेशनों का तेजी से विकास हो रहा है। जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो ने अपने संबोधन में सिल्ली मुरी से जुड़ी हुई समस्याओं पर जोर दिया और कहा की प्लेटफार्म नंबर वन से टू जाने वाला फुट ब्रिज है उसको विस्तार कर याड के पार किया जाये जिससे मस्जिद मोहल्ला काछिपारा गोवाला पड़ा, हिंडौलको, रेलवे कॉलोनी,के निवासियों को इसका फायदा हो सिल्ली मुरी मे जितने भी रेलवे से जुडी हुयी समस्याओं अपने संबोधन में रखा।

सिमडेगा समाहरणालय, सिमडेगा।
(भू-अर्जन शाखा)
प्रपत्र VII झारखण्ड सरकार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू-अर्जन निदेशालय)
या उपायुक्त या समुचित सरकार अधिघोषणा (अधिनियम-30 / 2013 की धारा-19(1) के अधीन)

अधिघोषणा सं0 .... दिनांक..............................

चूँकि झारखण्ड सरकार / उपायुक्त सिमडेगा को यह प्रतीत होता है कि ग्राम – बासेन, थाना नं0 – 21, थाना – केरसई, अंचल – केरसई, में भूमि, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना – सिमडेगा से सेवई, किनकेल, कुरडेग, कुटमाकच्छार, छत्तीसगढ़ सीमा तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य वर्श 2009-10 में अधिसूचना अधिघोशणा कुल रकबा 0.855 एकड़ भूमि का दिनांक – 16.02.2012 को प्रकाशन समाचार पत्र हिन्दुस्तान में एवं जिला गजट अंक संख्या 49 दिनांक – 07.12.2012 को भू-अर्जन की सभी प्रक्रिया पूर्ण पश्चात् आंशिक रुप से मुआवजा भुगतान किया गया। पुनः छुटे हुए प्लॉटों का अधियाची विभाग के द्वारा मौजा बासेन (अनुपूरक) अधिग्रहण कार्य हेतु अपेक्षित है। भूमि अधिग्रहण के लिए अधिनियम 30 / 2013 एवं झारखण्ड संशोधन 2017 के प्रावधानों के आलोक में स्थानीय प्राधिकारी का परामर्श प्राप्त करने के उद्देश्य से ग्राम सभा दिनांक 29.09.2020 को किया गया। अतएव अधिघोशित किया जाता है कि ग्राम – बासेन, थाना नं0 – 21, थाना – केरसई, अंचल – केरसई, जिला – सिमडेगा में उपर्युक्त कथित योजना के लिए कमोवेश **1.67** एकड़ यानि **0.67582** हेक्टेयर मानक माप का रैयती / गैरमजरुआ भूखण्ड जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है –

क0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखण्ड सं0	स्वमित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल एकड़ में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	सीमा भूखण्ड संख्या				वृक्ष		संरचनाएँ	
							उ0	द0	पू0	प.0	किस्म	संख्या	प्रकार	प्लिंथ एरिया Sft.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	288	4397	रैयती	दोन एक	0.24	ज्योति प्रकाश उरांव पिता फगुआ उरांव	नीज	सड़क	4399	4396				
2	119	4399	रैयती	दोन तीन	0.06	धोरो महतो वो मशी उरांव वो फगुआ उरांव पे0 मंगरा उरांव	नीज	सड़क	4400	4397				
3	38	4396	रैयती	टांड़ एक	0.05	मरकुस उरांव वगै0 कैला उरांव	नीज	सड़क	4397	4394				
4	295	4425	गैरमजरुआ खास	परती कदीम	0.05	गैरमजरुआ खास	नीज	सड़क	4424	4426				
5	261	4400	रैयती	दोन तीन	0.04	जुएल उरांव पिता सुकरा उरांव	नीज	सड़क	4401	अंश				
6	261	4401	रैयती	दोन तीन	0.02	जुएल उरांव पिता सुकरा उरांव	नीज	सड़क	4417	4400				
7	261	4428	रैयती	दोन तीन	0.04	जुएल उरांव पिता सुकरा उरांव वो ठुठा उरांव पिता शनिचर उरांव	सड़क	अंश	4421	4429				
8	119	4429	रैयती	दोन तीन	0.02	धोरो महतो वो मशी उरांव वो फगुआ उरांव पे0 मंगरा उरांव	सड़क	नीज	सनसेवई	4428				
9	295	4390	गैरमजरुआ मालिक	परती कदीम	1.15	गैरमजरुआ मालिक	सड़क	सड़क	4394	करंगागुड़ी सड़क				
कुल					1.67									

यह अधिघोशणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या– 30 / 2013 की धारा – 15 (1) में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या शून्य है।

PR 385141 Simdega(26-27)D

उपायुक्त,सिमडेगा।

किसान और गांव को आत्मनिर्भर बनाने की चुनौती

अस्सी के दशक के आखिर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का कम पढ़े-लिखे और खांटी किसान चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की अगुवाई में भारतीय किसान यूनियन के नाम से अराजनैतिक एक ऐसा आंदोलन खड़ा हुआ जिससे लखनऊ और दिल्ली की सरकारें हिल गई। विभिन्न कारणों से वह आंदोलन कुछ सालों में कमजोर होकर दम तोड़ दिया। जिन सवालों पर वह आंदोलन शुरू हुआ और उसे भारी समर्थन मिला, वे सवाल आज भी वहीं खड़े हैं। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने अपने शासन के 12 साल में समाज के हर वर्ग के साथ गांव और किसान को आत्मनिर्भर बनाने के हर प्रयास किए हैं। किसान हित में 2021 में तैयार किए तीन कानून विपक्ष के सुनियोजित विरोध के चलते भारी बहुमत होते हुए किसान हित में वापस लिया। इतना ही नहीं हर साल इसमें नई योजनाओं को शामिल करके और बेहतर काम किए जा रहे हैं। चौधरी टिकैत अपने आंदोलन को अराजनैतिक मानते थे। वहीं भी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानते थे। आंदोलन के दौरान कुछ बातें दोहराते रहते थे। उसका उल्लेख जरूरी है। वे कहते थे कि किसान अकेली ऐसी कौम है जो ज्यादा उत्पादन करके भी रोती है और कम उत्पादन करके भी। कम उत्पादन में लागत नहीं निकली और ज्यादा उत्पादन में सही दाम नहीं मिलता। उसी तरह हर उत्पादन करने वाला अपने उत्पाद का दाम खुद तय करता है लेकिन किसान के दाम को वे तय करते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी खेती की नहीं। वे चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्री रहते यानी 1967 में जितने गेहूं या गन्ना में जितना सोना मिलता था, उससे थोड़ा कम दाम तय करने की मांग करते रहे। किसानों की माली हालत सुधारने का यह एक फामूला तो यह हो सकता है लेकिन पूरा समाधान इससे भी नहीं हो सकता है। अब हालात बदल गए हैं। सरकार ने गांवों को समृध बनाने के लिए देश के सालाना बजट में भारी बढ़ोतरी की। 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार केन्द्र में आने से पहले कृषि का बजट 27,663 करोड़ रुपये था, अब वह बढ़कर 1 लाख 40 हजार करोड़ हो चुका है। आज भी देश के 81 करोड़ लोगों को हर महीने फ्री अनाज दिया जा रहा है। सरकार के प्रयास से 58 करोड़ जन-धन खाता खुला है। चार करोड़ पक्के मकान बने। 12 करोड़ शौचालय बने। 16 करोड़ घरों में नल से जल दिया गया। 11 करोड़ लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। किसान सम्मान निधि के तहत 4.3 लाख करोड़ रुपये दिए गए। 22 फसलों के समर्थन मूल्य में 71 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) अब वीबी जीरामजी योजना बन गई है। उस योजना में 26 करोड़ लोग पंजीकृत हैं, जिन्हें 125 दिन का रोजगार दिया जाता है। हर तरह के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। यूरिया पर 90 फीसदी सब्सिडी दी गई है। फसल बीमा योजना लागू की गई है। किसानों को आसानी से कर्ज दिलवाने की व्यवस्था की गई हैं। सिंचाई के साधन बढ़े हैं। किसानों और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी योजनाओं की लंबी सूची है। बावजूद इसके न तो निचले स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार कम हुआ और न ही गांवों से पलायन रुका। सरकार ने लाभार्थियों का बैंक खाता खुलवाकर सीधे पैसा उनके खाते में भेजने का इंतजाम किया तो भ्रष्टाचार करने वाले बाहर से ही सौदेबाजी करने लगे। एक ही शौचालय के साथ अनेक फोटो खिंचवाकर कमीशन देकर भुगतान पाने लगे। इस भ्रष्टाचार के चलते बिना रिश्वत कम ही आवास बने और दूसरी सुविधाएं लोगों को दी गई। मनरेगा का भ्रष्टाचार तो पहले से ही जग जाहिर है। भाजपा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के प्रयास से भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है, उसमें कमी आई है। इन सभी से बड़ी समस्या बार-बार मानसून का धोखा देना और फसल की सरकार से सही मायने में खरीद की गारंटी न मिलना है।

सूडोकू नवताल- 7859

★★★★☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7858 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

अमेरिकी सैन्य शिक्षा तैयार कर रही भावी रणनीतिकार

सैयद सुलेमान अख्तर

सैन्य प्रशिक्षण के बारे में सोचते ही मन में कीचड़ से भरे प्रशिक्षण शिविरों में शारीरिक अभ्यास या राइफल ड्रिल करते कैडेटों की तस्वीर उभरती है। हालांकि, सैन्य शिक्षा का एक और पहलू भी है। ऐसी कक्षा- जहां व्यावसायिक सैन्य शिक्षा के अभिन्न हिस्से के रूप में बड़ी मात्रा में बौद्धिक तैयारी होती है। रक्षा विश्लेषक रामकृष्ण रमानी ने हाल ही में अमेरिकी विदेश विभाग के आईवीएलपी कार्यक्रम 'वी द पीपलः मिलिट्री एजुकेशन इन अमेरिका' के दौरान इन संरचनात्मक ढांचों का अध्ययन किया। रमानी भारत के चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और मद्रास विश्वविद्यालय में रक्षा और रणनीतिक अध्ययन पढ़ाते हैं। उन्होंने विशेष व्यावसायिक सैन्य शिक्षा संगोष्ठियों में भाग लिया। साथ ही व्यावहारिक युद्धाभ्यास सत्र में शामिल हुए। कई शहरों में सैन्य शिक्षा विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

वह कहते हैं, "अमेरिकी व्यावसायिक सैन्य शिक्षा मॉडल ऐसे नेताओं को तैयार करने का एक खाका प्रस्तुत करता है, जो आज के अप्रत्याशित सुरक्षा परिदृश्य को समझ सकें। शिक्षा और रणनीतिक सोच में निवेश करके राष्ट्र ऐसे लीडर तैयार कर सकते हैं, जो न केवल आज के युद्धों के लिए तैयार हों, बल्कि कल के रणनीतिक परिदृश्य का अनुमान लगाने, उसके अनुसार ढलने और उसे आकार देने में भी सक्षम हों।" वह कहते हैं अमेरिकी सैन्य शिक्षा प्रणाली रणनीतिक सोच को कौशल में बदलने में सक्षम है। यह सभी पेशेवर सेनाओं की तरह करियर को निखारती है। यह प्रणाली सामरिक विशेषज्ञों को रणनीतिक विचारकों में बदलने के लिए तैयार की गई है। रमानी कहते हैं, "इसलिए कक्षाओं में कोई अतिरिक्त गतिविधि नहीं होती।"

सैन्य नेतृत्व और संयुक्त सेवा की नींवः यह व्यापक शिक्षा प्रारंभिक स्तर से ही शुरू हो जाती है, जिसमें विद्यार्थियों को सक्रिय सैन्य सेवा में प्रवेश करने से काफी पहले रणनीतिक ढांचों से परिचित कराया जाता है। रमानी ने इसका प्रत्यक्ष अनुभव पेंसाकोला हाई स्कूल और कलैराडो मिलिट्री अकादमी में किया। दोनों संस्थान एयर फोर्स जूनियर रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स की मेजबानी करते हैं। यह अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा पूरे अमेरिका के हाई स्कूलों में प्रायोजित एक फेडेरल कार्यक्रम है। रमानी बताते हैं, "ग्रेड 8 और उससे ऊपर के छात्रों को परेड ड्रिल के अलावा बुनियादी सैन्य विज्ञान, इतिहास, विश्व मामलों की मूल बातें और ड्रोन निर्माण व संचालन, उपग्रह नेविगेशन जैसी प्रासंगिक तकनीकों से परिचित कराया जाता है।" वह कहते हैं कि जब ये विद्यार्थी उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते हैं तो वे विशेष विश्वविद्यालय आधारित कार्यक्रमों से जुड़ते हैं। रमानी कहते हैं, "आमतौर पर युवा हाईस्कूल ग्रेजुएट वेस्ट प्वाइंट जैसे सेवा अकादमियों में प्रवेश करते हैं या कॉलेज के विद्यार्थी रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स में शामिल होते हैं।"

इसकी विशेषता है कि जैसे-जैसे अधिकारी रैंक में ऊपर बढ़ते हैं, शिक्षा प्रणाली भी अपना स्वरूप बदलती है। शुरूआती वर्षों में ध्यान सामरिक और क्षेत्र-आधारित प्रशिक्षण पर रहता है, ताकि नए नियुक्त अधिकारी किसी अभियान के दौरान एक प्लाटून का सुरक्षित नेतृत्व करना सीख सकें। कुछ वर्षों की सेवा के बाद आमतौर पर मेजर के पद के आसपास, सैन्यकर्मी फिर से कक्षा के माहौल में लौटते हैं। रमानी कहते हैं, "इसी चरण में वे सीखते हैं कि सेना की विभिन्न शाखाएं किस प्रकार तालमेल के साथ काम करती हैं ताकि अधिक रणनीतिक परिणाम हासिल किए जा सकें।" रमानी के अनुसार, समर लीडर्स एक्सपीरियंस कार्यक्रम ने अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से आए हाईस्कूल के विद्यार्थियों को वेस्ट प्वाइंट स्थित यूएस मिलिट्री एकेडमी को प्रत्यक्ष रूप से जानने और समझने का अवसर प्रदान किया। इस कार्यक्रम के तहत लगभग 1,600 ऐसे विद्यार्थियों, जो अगले वर्ष हाई स्कूल के अंतिम वर्ष में प्रवेश करने वाले हैं, ने तीन अलग-अलग पांच दिवसीय सत्रों में भाग लेकर कैडेट के जीवन का अनुभव प्राप्त किया। यह कार्यक्रम अमेरिकी सेना के उस दृष्टिकोण को दशार्ता है, जिसके तहत विद्यार्थियों को वेस्ट प्वाइंट जैसी सेवा अकादमियों में प्रवेश लेने या रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स से जुड़ने से पहले ही नेतृत्व और सैन्य शिक्षा से परिचित कराया जाता है।

अमेरिकी वॉर कॉलेज और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी का परिदृश्य अद्भुत होता है। इस संस्थागत ढांचे का वास्तविक प्रभाव तब स्पष्ट होता है जब अधिकारी रक्षा नेतृत्व के उच्चतम स्तरों तक पहुंचते हैं। इसी समय वे प्रतिष्ठित वॉर कॉलेजों में प्रवेश के पात्र बनते हैं। रमानी के अनुसार, "इस समय उन्हें युद्धक्षेत्र वाली मानसिकता को छोड़कर एक राजनेता की सोच अपनानी होती है।" रमाना के अनुसार, यह वरिष्ठ स्तर की व्यवस्था सेवा-विशिष्ट शाखाओं और संयुक्त संस्थानों के एक अत्यधिक समन्वित नेटवर्क के रूप में काम करती है, जिसका समापन वॉशिंगटन डी.सी. स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी में होता है। रमानी बताते हैं, "अमेरिकी सेना वॉर कॉलेज जैसे संस्थानों में लक्ष्य ऐसे लीडर तैयार करना है, जो अनिश्चित और जटिल समस्याओं से निपट सकें तथा देश के नागरिक नेतृत्व को सैन्य सलाह दे सकें।" वह बताते हैं कि अर्थशास्त्र और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का प्रश्न-आधारित अध्ययन अधिकारियों को यह समझाता है कि सेना किसी देश के रणनीतिक साधनों में से केवल एक साधन है। इन रक्षा रणनीतियों को राष्ट्रीय उद्देश्यों से जोड़ने के लिए वॉर कॉलेज सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का उपयोग करते हैं। रमानी कहते हैं, "वे विभिन्न सरकारी एजेंसियों के नागरिक अधिकारियों और मित्र देशों के अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के साथ कक्षाएं साझा करते हैं। यह विविध मिश्रण सुनिश्चित करता है कि वे जटिल वैश्विक समस्याओं का समाधान मिलकर करना सीखें।"

वह कहते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा शिक्षा प्रणाली एक दोहरी व्यवस्था वाले पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में काम करती है, जो संरचित सैन्य प्रशिक्षण को विविध और विकेंद्रीकृत नागरिक शैक्षणिक विशेषज्ञता के साथ संतुलित करती है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज, हार्वर्ड कैनेडी स्कूल और प्रिंसटन स्कूल ऑफ पब्लिक एंड इंटरनेशनल अफेयर्स जैसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बौद्धिक केंद्र के रूप में काम करते हैं। उच्च प्रदर्शन करने वाले सैन्य अधिकारियों को नियमित रूप से नेशनल सिक्योरिटी फेलो के रूप में इन विश्वविद्यालयों में भेजा जाता है, ताकि पारंपरिक सैन्य सोच में महत्वपूर्ण बौद्धिक विविधता लाई जा सके। इसी प्रकार, युद्ध संबधी कॉलेजों में नागरिक संकाय सदस्यों की उपस्थिति अकादमिक कठोरता और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है। रमानी कहते हैं, "शीर्ष युद्ध संबधी कॉलेजों के संकाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सैन्य इतिहास, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और रणनीतिक अध्ययन में विशेषज्ञता रखने वाले पीएचडी धारक नागरिक शिक्षकों से बना है।" यह अकादमिक एकीकरण विशेष संयुक्त डिग्री पहलों और गहन शोध नेटवर्क तक भी विस्तारित है। उदाहरण के लिए, अमेरिकी स्पेस फोर्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज के साथ साझेदारी करके श्राइवर स्पेस स्कॉलर्स प्रोग्राम संचालित करती है, जिसके माध्यम से कर्मी नागरिक शैक्षणिक वातावरण में सैन्य रणनीति में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। जैसे-जैसे अधिकारी वरिष्ठ प्रबंधन स्तरों तक पहुंचते हैं, पाठ्यक्रम संयुक्त, अंतर-एजेंसी, अंतर-सरकारी और बहुराष्ट्रीय कार्यक्रमों की ओर बढ़ता है, जिससे संस्थागत सीमाओं को पार किया जा सके।

रमानी ने जिन सबसे प्रभावशाली उपकरणों को प्रत्यक्ष रूप से देखा, उनमें से एक सिद्धांत को वास्तविक दुनिया की तैयारी में बदलने के लिए इंटरैक्टिव सिमुलेशन का उपयोग था। वह स्वयं भी एक संक्षिप्त सत्र में शामिल हुए। वह कहते हैं, "व्यावसायिक सैन्य शिक्षा में जटिल और बिना पूर्व-निर्धारित परिदृश्यों वाले युद्धाभ्यास का उपयोग किया जाता है, जिसमें विद्यार्थियों को अत्यधिक गतिशील संकट परिस्थितियों में रखा जाता है, जहां उन्हें काल्पनिक विरोधियों की चालों का जवाब देना होता है।"

चोरी भी... वापसी भी! आखिर भारत की सांस्कृतिक धरोहरों का प्रहरी कौन?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

एक ओर दुनिया से लौट रही हैं भारत की बेशकीमती पुरावस्तुएं, दूसरी ओर राज्यों की लापरवाही से देश के भीतर ही असुरक्षित हैं हमारी ऐतिहासिक विरासतें। भारत इन दिनों अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर दो बिल्कुल विपरीत धाराओं में चलता हुआ दिखाई दे रहा है। पहली तस्वीर गौरव से भर देने वाली है। दुनिया के बड़े-बड़े संग्रहालयों, निजी संग्रहों और नीलामी घरों में पहुंच चुकी भारत की सैकड़ों प्राचीन मूर्तियां, शिलालेख और कलाकृतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाए गए पुरा-संपदा वापसी अभियान के तहत एक-एक कर स्वदेश लौट रही हैं, तो दूसरी तस्वीर उतनी ही पीड़ादायक है।

वस्तुतः देश के किलों, मंदिरों और संरक्षित स्मारकों से आज भी हमारी अमूल्य धरोहरें और मूर्तियां चोरी हो रही हैं। कई बार प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगती, जब तक कि कोई इस बारे में ध्यान नहीं दिलाता है! सवाल यह है कि जब भारत विदेशों से अपनी खोई हुई विरासत वापस लाने में सफल हो रहा है, तब हम अपने ही घर की विरासत को सुरक्षित क्यों नहीं रख पा रहे?

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के ऐतिहासिक "नरवर" किले में हुई घटना ने इस प्रश्न को और अधिक सोचनीय बना दिया है। करीब पांच सौ वर्ष पुरानी, तीन हजार किलोग्राम से अधिक वजनी अष्टधातु की ऐतिहासिक तोप रात के अंधेरे में हथियारबंद बदमाश क्रेन और ट्रक के सहारे उठाकर ले गए। 25 से 30 बदमाशों का गिरोह आया, सुरक्षा कर्मियों को आधुनिक हथियारों के दम पर धमकाया और सदियों पुरानी धरोहर लेकर चला गया। यह किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि भारत की विरासत सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर है।

सबसे अधिक चिंता की बात इस तोप चोरी प्रकरण में यह है कि घटना से पहले संदिग्ध गतिविधियों की सूचना स्थानीय लोगों ने दी थी। सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी हुई थी, किंतु जिम्मेदार तंत्र ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिस किले में करोड़ों रुपये मूल्य की ऐतिहासिक धरोहर रखी हो, वहां न पर्याप्त रोशनी, न आधुनिक निगरानी व्यवस्था और न प्रशिक्षित सुरक्षा बल! आखिर ऐसी लापरवाही की कीमत कौन चुका रहा है? इतिहास तो पहले ही चुका रहा है, देश के सामने अनेक मसले हैं जो ऐतिहासिक भूल के कारण आज भी भारत के समक्ष नासूर बने हुए हैं!

ऐसे में यह घटना सोचने पर विवश कर रही है कि नरवर ही क्यों पिछले कई दशकों से देश के अनेक राज्य अंतरराष्ट्रीय पुरावस्तु तस्करों के लिए आसान निशाना क्यों बने हुए हैं! भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि उसके संरक्षित स्मारकों से ही 480 से अधिक महत्वपूर्ण पुरावशेष गायब हो चुके हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। तमिलनाडु के चोलकालीन मंदिरों से लेकर बिहार के नालंदा संग्रहालय, कर्नाटक के होयसल मंदिरों, आंध्र प्रदेश के प्राचीन मंदिरों और हिमालयी क्षेत्रों के दुर्लभ देवस्थानों तक, शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो जहां तस्करों ने अपनी पहुंच न बनाई हो।

खजुराहो की दुर्लभ मूर्तियां हों, तंजावुर के मंदिरों की कांस्य नटराज प्रतिमाएं, चंद्रकेतुगढ़ की मौर्यकालीन टेराकोटा कलाकृतियां या मथुरा की कुषाणकालीन प्रतिमाएं, आज भी भारत की हजारों अमूल्य धरोहरें वर्षों तक फर्जी दस्तावेजों के सहारे विदेशों के संग्रहालयों और निजी संग्रहों तक पहुंचती रही हैं। विरासत संरक्षण से जुड़े शोधकर्ताओं द्वारा बार-बार तथ्यों एवं संदर्भों के आधार पर बताया जा रहा है कि भारत से हर दशक हजारों महत्वपूर्ण कलाकृतियां अवैध रूप से बाहर भेजी जाती हैं, जबकि वास्तविक चोरी के मामलों का बहुत छोटा हिस्सा ही पुलिस रिकॉर्ड तक पहुंच पाता है।

अब इसके उलट बात तस्वीर के दूसरे पक्ष की भी करते हैं जोकि आशा जगाता है। वर्ष 2014 के बाद भारत ने अपनी सांस्कृतिक विरासत की वापसी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। पहले जहां विदेशों में पहुंच चुकी भारतीय कलाकृतियों को वापस लाने के प्रयास बिखरे हुए थे, वहीं अब यह भारत की विदेश नीति और सांस्कृतिक कूटनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आंकड़े स्वयं इस परिवर्तन की कहानी कहते हैं। स्वतंत्रता से लेकर वर्ष 2014 तक भारत सिर्फ 13 चोरी हुई पुरावस्तुएं ही वापस ला सका था, किंतु पिछले एक दशक में यह संख्या बढ़कर 600 से अधिक और नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 668 तक पहुंच चुकी है। स्वभाविक है ये दृष्य भारत के सांस्कृतिक आत्मविश्वास की पुनर्स्थापना है।

इस अभियान में अमेरिका सबसे बड़ा सहयोगी बनकर सामने आया। अकेले अमेरिका से 500 से अधिक भारतीय पुरावस्तुएं वापस मिली हैं। सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 297 ऐतिहासिक कलाकृतियों की वापसी विश्व इतिहास की सबसे बड़ी सांस्कृतिक प्रत्यावर्तन घटनाओं में गिनी गई। इनमें दो हजार वर्ष ईसा पूर्व से लेकर उन्नीसवीं शताब्दी तक की दुर्लभ मूर्तियां, जैन तीर्थंकर, विष्णु, गणेश, अप्सराएं और अनेक पवित्र कलाकृतियां शामिल थीं। ऑस्ट्रेलिया ने चोलकालीन नटराज प्रतिमा लौटाई, ब्रिटेन ने दुर्लभ मूर्तियां वापस कीं, इटली, कनाडा, जर्मनी, सिंगापुर और स्कॉटलैंड ने भी भारत की विरासत लौटाने में सहयोग दिया। हाल ही में नीदरलैंड से चोलकालीन दुर्लभ ताम्रपत्र 'सेप्पू पट्टायम' की वापसी ने इस अभियान को नई ऊंचाई दी। यह स्पष्ट संकेत है कि आज विश्व भारत की सांस्कृतिक विरासत पर उसके अधिकार को पहले की तुलना में कहीं अधिक सम्मान दे रहा है। किंतु वहीं एक असहज प्रश्न भी खड़ा हो रहा है?

यदि केंद्र सरकार विदेशों से सदियों पहले चोरी हुई धरोहरों को वापस ला सकती है, तो क्या राज्य सरकारें अपने अधिकार क्षेत्र में मौजूद धरोहरों की सुरक्षा भी उसी गंभीरता से नहीं कर सकतीं? आखिर क्यों आज भी अनेक संरक्षित स्मारकों में सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं? क्यों रात में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होती? क्यों प्रशिक्षित सुरक्षा बलों की जगह मात्र औपचारिक चौकीदारी से काम चलाया जा रहा है और इससे भी महत्वपूर्ण प्रश्न किसी चोरी के बाद प्रशासन की जवाबदेही भी कभी तय होती है क्या ?

वास्तव में यह किसी को नहीं भूलना चाहिए कि सांस्कृतिक विरासत पर्यटन का साधन होने के साथ ही किसी राष्ट्र की स्मृति, उसकी पहचान और उसके आत्मसम्मान का आधार होती है। एक मंदिर से चोरी हुई मूर्ति पत्थर या धातु का टुकड़ा होने तक सीमित नहीं है, वह तो सदियों से उस समाज की आस्था, इतिहास और सांस्कृतिक निरंतरता का केंद्र बिन्दु है, इसलिए जब कोई प्रतिमा चोरी होती है तो वह पूरे समाज की सांस्कृतिक चेतना का भी ह्रास है।

यहां अब कहना यही है कि नरवर किले की चोरी को सिर्फ एक आपराधिक घटना मान लेना बड़ी भूल होगी। यह उन सभी राज्यों के लिए चेतावनी है जहां हजारों संरक्षित स्मारक आज भी न्यूनतम सुरक्षा व्यवस्था के भरोसे खड़े हैं। यदि तीन हजार किलो वजनी तोप को अपराधी योजनाबद्ध तरीके से उठा सकते हैं, तो छोटी प्रतिमाओं और दुर्लभ पुरावशेषों की सुरक्षा का अनुमान सहज लगाया जा सकता है।

अब समय घटनाओं पर एफआईआर दर्ज करने के साथ इस बात का भी है कि देश में विरासत सुरक्षा की नई राष्ट्रीय कार्यसंस्कृति विकसित हो। प्रत्येक राज्य को अपने सभी पुरावशेषों की डिजिटल सूची तैयार करनी चाहिए। साथ ही वह आधुनिक निगरानी प्रणाली स्थापित करे। विरासत अपराधों के लिए विशेष पुलिस इकाइयां बनाए और पुरातत्व विभाग, स्थानीय प्रशासन तथा खुफिया एजेंसियों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाए। इसे सभी समझें कि विरासत संरक्षण किन्हीं फाइलों तक सीमित हो जानेवाला विषय नहीं है, यह तो शासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर के मुख्य 10 पायदानों में होना चाहिए।

आज इस बात को भी सभी गहराई से समझ लें; वस्तुतः भारत आज दुनिया से अपनी बिखरी हुई सांस्कृतिक पहचान वापस ला रहा है। यह स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक उपलब्धियों में से एक है, किंतु इस उपलब्धि का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब देश के भीतर मौजूद प्रत्येक मंदिर, प्रत्येक किला, प्रत्येक संग्रहालय और प्रत्येक पुरावशेष भी उतना ही सुरक्षित होगा, जितनी मेहनत से उन्हें विदेशों से वापस लाया जा रहा है। यदि एक हाथ से हम अपनी विरासत वापस ला रहे हैं और दूसरे हाथ से उसे लापरवाही के कारण खोते जा रहे हैं, तो यह निश्चित तौर पर राष्ट्रीय चेतना के सामने खड़ा सबसे बड़ा आज का मुख्य प्रश्न है?

रंगभेद की जंजीर तोड़ने वाला अमर योद्धा

योगेश कुमार गोयल

नेल्सन मंडेला- एक ऐसा नाम, जो समस्त विश्व समुदाय के लिए मानवता, साहस, सहिष्णुता और संघर्ष का प्रतीक बन गया है। प्रतिवर्ष 18 जुलाई को 'नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है, जो न केवल इस महान नेता को श्रद्धांजलि देने का दिन है बल्कि यह पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि परिवर्तन लाने के लिए केवल शब्द नहीं बल्कि कर्म आवश्यक हैं। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज में बदलाव लाने के लिए हम सभी की भूमिका होती है और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में दूसरों के लिए कुछ कर सकता है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका के म्वेजो नामक गांव में हुआ था। वे थेम्बू कुल की एक शाखा मदिवा जनजाति से थे और उनका मूल नाम 'रोहिलाहला मंडेला' था, जिसका अर्थ होता है शरारती। उन्हें 'नेल्सन' नाम उनके स्कूल शिक्षक ने अंग्रेजी नामों की परंपरा के तहत दिया। उनका जीवन एक सामान्य अफ्रीकी बच्चे की तरह शुरू हुआ लेकिन उनके भीतर असाधारण नेतृत्व क्षमता और अन्याय के प्रति गहरी संवेदना थी, जिसने उन्हें बाद में एक क्रांतिकारी नेता बना दिया।

नेल्सन मंडेला की शिक्षा की शुरूआत क्लार्कबरी मिशनरी स्कूल से हुई। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने फोर्ट हेयर यूनिवर्सिटी और जोहान्सबर्ग स्थित विटवाटरस्रैंड विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने रंगभेद नीति और सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका में उस समय श्वेत अल्पसंख्यक सरकार द्वारा 'अपरथाइड' नामक नस्लीय भेदभाव की क्रूर नीति लागू थी, जिसके अंतर्गत अश्वेतों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा गया था। उन्हें वोट देने, जमीन रखने, शिक्षा प्राप्त करने, अस्पतालों में इलाज करवाने और बसों-रेस्तरां जैसी सार्वजनिक सेवाओं का समान उपयोग करने का अधिकार नहीं था। मंडेला ने इन्हीं नीतियों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजाया। वे 1944 में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गए और जल्द ही संगठन के युवा विंग के संस्थापक बन गए। अहिंसा और शांतिपूर्ण आंदोलनों के जरिये उन्होंने सरकार पर दबाव बनाना शुरू किया लेकिन जब उन्हें लगा कि सरकार की दमनकारी नीति अहिंसात्मक विरोध को कुचलने पर आमादा है तो उन्होंने 'उमखोंतो वे सिजवे' नामक एक सशस्त्र संगठन की स्थापना की, जो दक्षिण अफ्रीका में क्रांति का आरंभ था।

1962 में मंडेला को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर देशद्रोह, हिंसा भड़काने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के आरोप लगाए गए। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और उन्होंने अपना अधिकांश समय कुख्यात रोबेन द्वीप की जेल में बिताया। यह सजा कुल 27 वर्षों की लंबी यातना बन गई परंतु जेल की कोठरी में रहते हुए भी मंडेला की आत्मा आजाद रही। वे न टूटे, न झुके और न डरे। जेल में उन्होंने पढ़ाई की, दूसरे कैदियों को शिक्षित किया और अपना संघर्ष जारी रखा। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका और दुनियाभर में मंडेला की रिहाई की मांग उठने लगी। अंततः सरकार झुकी और 11 फरवरी 1990 को नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा किया गया। यह क्षण इतिहास में आज भी जीवंत है, जब एक अश्वेत नेता, जिसे वर्षों तक आतंकवादी करार दिया गया था, अब स्वतंत्रता और न्याय का प्रतीक बन चुका था। रिहाई के बाद मंडेला ने अपने सभी विरोधियों को माफ कर दिया। उन्होंने न केवल अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को फिर से संगठित किया बल्कि देश को भी एकजुट किया। उन्होंने विभाजन नहीं बल्कि मेल-मिलाप की राजनीति की। उनकी इसी दूरदृष्टि और अहिंसा के पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा ने दक्षिण अफ्रीका को नस्लीय संघर्ष से निकालकर लोकतंत्र की ओर अग्रसर किया।

दक्षिण अफ्रीका में 1994 में पहली बार बहुजातीय आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें हर नागरिक को मतदान का अधिकार मिला और परिणामस्वरूप नेल्सन मंडेला देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। यह महज एक राजनीतिक जीत नहीं थी, यह एक युग परिवर्तन था। मंडेला ने अपने राष्ट्रपतिकाल में सुलह, सामाजिक समरसता और आर्थिक पुनर्निर्माण की नीति को अपनाया। उन्होंने जातीय द्वेष के बजाय सहयोग को बढ़ावा दिया। उन्होंने 'सत्य और मेलमिलाप आयोग' की स्थापना की, जहां पीड़ित और अपराधियों दोनों को एक साथ लाया गया ताकि सच्चाई सामने आ सके और समाज नई शुरूआत कर सके। नेल्सन मंडेला की सोच 'उबुन्टु' दर्शन से प्रभावित थी, जो अफ्रीकी संस्कृति में मानवीय संबंधों और सह-अस्तित्व की भावना को महत्व देती है। मंडेला ने यह दिखा दिया कि बदले की भावना से कोई देश नहीं बनता बल्कि माफी और मेल-मिलाप की भावना से स्थायी शांति संभव है।

उनके जीवन के योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला। 1993 में उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। 1990 में उन्हें भारत सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया और वे यह सम्मान पाने वाले पहले विदेशी व्यक्ति बने। इसके अलावा उन्हें संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे अनेक देशों और संस्थाओं ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। 2009 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 जुलाई को नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया ताकि लोग उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज के लिए स्वयं को समर्पित कर सकें। इस दिन दुनियाभर में सामाजिक सेवा, मानवाधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

दैनिक पंचांग

18 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

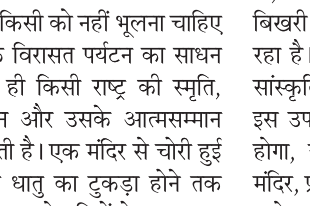

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.19 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	07.39 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.51 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.02 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.16 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.32 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.37 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.57 बजे से
		मेष	23.27 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		वृष	01.07 बजे से
		मिथुन	03.05 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 199 वां दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल
तिथि पंचमी 03.43 बजे प्रातः को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 18.01 बजे को समाप्त।
योग परीघान 20.46 बजे को समाप्त।
करण बव 16.08 बजे तदनन्तर बालव 03.43 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 3.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21°03'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872774
जूलियन दिन 2461239.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर तारीख 03

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बरहरवा स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई अवैध शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्वसनीय गुप्त सूचना के आधार पर आनंद विहार एक्सप्रेस के निर्धारित आगमन समय पर आरपीएफ इंस्पेक्टर/ बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में बरहरवा रेलवे स्टेशन पर एक विशेष छापामारी एवं तलाशी अभियान चलाया गया। उक्त अभियान आरपीएफ पोस्ट बरहरवा की टीम, जिसमें एएसआई अजय कुमार हांसदा, कांस्टेबल जितेन्द्र प्रसाद यादव, कांस्टेबल अनिल कुमार साह एवं कांस्टेबल मुकेश कुमार शामिल थे, द्वारा सीपीडीएस टीम मालदा के एचसी मो शमीम खान एवं कांस्टेबल राजा यादव के साथ संयुक्त रूप से संचालित किया गया।तलाशी अभियान के दौरान जब छापामार दल प्लेटफार्म संख्या 01 स्थित आरपीएफ कार्यालय के निकट पहुँचा, तब तीन व्यक्ति तीन पिट्ठू बैग लेकर ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते हुए संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। उनकी गतिविधियाँ संदिग्ध प्रतीत होने पर उन्हें रोककर उनके बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में सुमन कुमार के कब्जे से एक काले रंग के ₹मेगास्टार₹ बैग में रखे हुए 78 पाउच ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की (180 एमएल प्रत्येक, कुल 14,040 एमएल) कुल मूल्य 10,920/ बरामद हुए। वहीं रौशन कुमार के कब्जे से 80 पाउच ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की (180 एमएल प्रत्येक, कुल 14,400 एमएल) कुल मूल्य 11,200/, एक नीले एवं काले रंग के बैग से बरामद हुए और 02 बोतल मास्टर ब्लेंडर्स सिग्नेचर प्रीमियर ग्रेन व्हिस्की (750 एमएल प्रत्येक, कुल 1,500 एमएल) कुल मूल्य 2,040/,एक हरे रंग के हैंड बैग से बरामद हुई।

प्रवीण कुमार के कब्जे से 12 पाउच ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की, कुल 2,160 एमएल) कुल मूल्य 1,680/, एक काले एवं मैरून रंग के बैग से बरामद हुए। 22 बोतल रॉयल स्टेज व्हिस्की (375 एमएल, कुल 8,250 एमएल) कुल मूल्य 9,020/- एक काले एवं नारंगी रंग के बैग से बरामद हुई। इस प्रकार कुल 194 पाउच/बोतल भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आई.एम.एफ.एल.) जिसकी कुल मात्रा 40,350 एमएल एवं कुल अनुमानित मूल्य 34,860/- (रुपये चौंतीस हजार आठ सौ साठ मात्र) है, सुमन कुमार, रौशन कुमार एवं प्रवीण कुमार के सचेत एवं अवैध कब्जे से बरामद की गई। पूछताछ के दौरान तीनों व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि बरामद बैग उन्हीं के हैं, परन्तु वे उक्त विदेशी शराब के परिवहन अथवा स्वामित्व संबंधी कोई वैध लाइसेंस, परमिट अथवा प्राधिकार प्रस्तुत नहीं कर सके तथा स्वेच्छा से अपने अपराध में संलिप्त होने की बात स्वीकार की। वही आरपीएफ ने सुमन कुमार, 20 पिता पवन पासवान, निवासी लक्ष्मीपुर, थाना सूर्यगढ़ा, जिला लखीसराय, बिहार, रौशन कुमार 22 वर्ष, पिता दिलीप चौधरी, निवासी सुभाष नगर, गुमटी, मुंगेर, थाना कोतवाली, जिला मुंगेर, बिहार, प्रवीण कुमार 20 वर्ष, पिता मनोज यादव, निवासी गढ़ी बिशनपुर, डाकघर किऊल, थाना एवं जिला लखीसराय, बिहार के रहने वाले से पूछताछ के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि वे बरहरवा रेलवे स्टेशन से उक्त शराब लेकर जमालपुर रेलवे स्टेशन जा रहे थे तथा मुंगेर क्षेत्र में अवैध बिक्री कर व्यक्तिगत लाभ अर्जित करना चाहते थे। उक्त बरामद विदेशी शराब को आरपीएफ/ इंस्पेक्टर/बरहरवा संजीव कुमार द्वारा घटनास्थल पर उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए जब्त किया गया।

एक नजर

बरहेट मेघा जलापूर्ति योजना से लोगों को नहीं मिल रहा पानी, आक्रोश

साहिबगंज : जिले के बरहेट समेत आसपास गांव में पिछले एक सप्ताह से मेगा जलापूर्ति योजना ठप है। लोगों को पीने का पानी नहीं मिलने से काफी आक्रोश है। विभागीय कर्मी से मिली जानकारी के अनुसार प्लांट का मोटर जल जाने से पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है। विभाग के अधिकारी भी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर सुस्त हैं। लोगों का आरोप है कि आखिरकार इस तरह पेयजल आपूर्ति कब तक ठप रहेगा। कहा कि विभाग के अभियंता सक्रिय रूप से आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने में फेल है। इधर पेयजल आपूर्ति ठप होने से पीने के पानी को लेकर लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

चर्च रोड से 72 बोतल शराब बरामद, एक गिरफ्तार

साहिबगंज: नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चर्च रोड स्थित लंच घाट के समीप एक हुंडई कार से 72 बोतल शराब बरामद की है। इस मामले में पुरानी साहिबगंज निवासी लालू यादव को गिरफ्तार किया गया है। नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक युवक हुंडई कार में शराब की खेप लेकर कहीं ले जाने की फिराक में है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने चर्च रोड के पास छापेमारी कर संदिग्ध कार को रोका। तलाशी के दौरान कार से कुल 72 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से कार को जब्त कर लिया तथा कार में मौजूद लालू यादव को गिरफ्तार कर थाना ले आई। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मां बिपदतारिणी पूजा आज

साहिबगंज: शहर के बंगाली टोला दुर्गा मंदिर प्रांगण में शनिवार को दो दिवसीय मां बिपदतारिणी पूजा विधिवत रूप से वैदिक मंत्रोचारण के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी। जिसमें बंगाली समुदाय के लोग पूजा में शामिल होंगे। मंदिर सचिव रंजीत साह ने बताया कि भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के बाद आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले मंगलवार और शनिवार को बिपदतारिणी पूजा मनाई जाती है। बंगाली टोला दुर्गा मंदिर में आज शनिवार को मां की प्रतिमा स्थापित करके माँ दुर्गा के स्वरूप देवी बिपदतारिणी की विधिवत रूप से वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजा की जाएगी। मूर्तिकार प्रतिमा को अंतिम रूप देने में जुटे हुए है। वही पश्चिम बंगाल के पुरोहित सुखेंदु चटर्जी ने बताया कि मां बिपदतारिणी की पूजा में 13 प्रकार के फल, 13 प्रकार के फूल, 13 प्रकार के मिष्ठान चढ़ाकर वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से पूजा अर्चना की जाती है और भोग लगाया जाता है। वही इस दिन 14 गांठों वाला लाल धागा हाथ में बांधा जाता है। बंगाली टोला दुर्गा मंदिर में पूजा सुबह 11 बजे शुरू होगा।

जहरीले सांप के काटने से दो किशोर मूर्छित

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के हरचंदपुर गांव में शुक्रवार को एक किशोर को सांप काटने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बारिश मंडल (15) अपने घर में कुछ काम कर रहा था। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने काट लिया जिससे वह मूर्छित हो गया। वहीं दूसरी ओर राधानगर थाना क्षेत्र के प्राणपुर निवासी हयात अली के पुत्र गौसे आजम (5) घर से कुछ दूरी पर किराना दुकान सामान लाने के लिए जा रहा था। उसी दौरान रास्ते में एक जहरीले सांप ने काट लिया जिससे वह मूर्छित हो गया। दोनों को अपने-अपने परिजनों के द्वारा इलाज के अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों की देखरेख में दोनों का इलाज चल रहा है।

हिरणपुर बाजार की कैसर-ए-हिंद भूमि पर उठे सवाल

रिकॉर्ड से अधिक दुकानों और राजस्व नुकसान की आशंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर बाजार स्थित जबरदाहा मौजा की कैसर-ए-हिंद भूमि के प्रबंधन एवं बंदोबस्ती व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर सरकारी अभिलेखों और वास्तविक स्थिति में अंतर होने के दावों के बीच पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशासनिक अभिलेखों में इस सरकारी भूमि पर पिंच रेंट के आधार पर लगभग 300 दुकानों का आवंटन दर्ज है, जबकि स्थानीय स्तर पर 400 से अधिक दुकानों के संचालित होने का दावा किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार अतिरिक्त 100 से अधिक दुकानों का निर्माण आवश्यक स्वीकृति के बिना किया गया है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले का एक अन्य पहलू दुकानों के पट्टों के नवीनीकरण से जुड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले लगभग दस वर्षों से अधिकांश दुकानों के पट्टों का नवीनीकरण नहीं कराया गया, जबकि नियमानुसार निर्धारित अवधि के बाद इसका नवीनीकरण आवश्यक माना जाता है। इसे लेकर संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। बंदोबस्ती लगान को लेकर भी स्थिति चर्चा का विषय बनी हुई है। जानकारी के अनुसार अनेक दुकानों से आज भी वर्षों पुरानी निर्धारित दरों पर ही किराया वसूला जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि नियमानुसार समय-समय पर लगान में संशोधन और वृद्धि का प्रावधान है, लेकिन लंबे समय से ऐसा नहीं होने के कारण सरकारी राजस्व को संभावित नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा कुछ बंदोबस्ती प्राप्त दुकानों के कथित रूप से क्रय-विक्रय किए जाने के भी आरोप सामने आए हैं।

पाकुड़ रथ मेला में चोरी की वारदातों का पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में विगत 16 जुलाई 2026 को नगर थाना क्षेत्र में आयोजित रथ मेला के दौरान भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिलाओं और पुरुषों के मोबाइल फोन, पर्स, नकदी, चेन आदि की चोरी करने वाले गिरोह का पाकुड़ पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने पूछताछ में चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार रथ मेला के दौरान हुई चोरी की घटनाओं को लेकर विश्वजीत सरकार, वंदना देवी, प्रमिला मंडल, प्रियंका देवी, पद्मावती देवी तथा नमिता मंडल द्वारा दर्ज कराए गए आवेदन के आधार पर नगर थाना में कांड संख्या 170/26, 171/26, 172/26, 173/26, 174/26 एवं 175/26 दर्ज किए गए थे। घटना की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) एवं छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की घटनाओं का खुलासा किया और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहन सिंह, पिता स्व. कुला सिंह, निवासी पांडेसर, डीबीसी मोहल्ला, शिवड़ी, थाना पांडेश्वर, जिला बर्धमान (पश्चिम बंगाल) तथा रेखा देवी, पति बंडीरा सिंह, निवासी पांडेसर, डीबीसी मोहल्ला, शिवड़ी, थाना पांडेश्वर, जिला बर्धमान (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन तथा 7,390 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव, अनिल कुमार गुप्ता, नगर थाना के सन्नी सुप्रभात, मिथुन रजक, अनंत साह, तकनीकी शाखा के सुकदेव साह, अरुण ठाकुर, आरक्षी सूरज मुर्मू सहित नगर थाना पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

19 को तीन पालियों में आयोजित होगी झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा 2024

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खररउ), रांची द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा 2024 के सफल, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसी क्रम में उप विकास आयुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी, सुरक्षा प्रबंध, प्रवेश एवं निकास मार्ग, नियंत्रण कक्ष तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने केंद्राधीक्षकों को आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का शत- प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने तथा परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया।उप विकास आयुक्त ने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता, गोपनीयता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा के दौरान कदाचार, अनुचित साधनों के प्रयोग अथवा नियमों के उल्लंघन के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखते हुए आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप परीक्षा का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

एसपी ने की अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक, दिए कई दिशा निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय सभागार में शुक्रवार को अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने व अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए। उन्होंने असमाजिक तत्वों को चिन्हित करने, शांति व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाने, बाइक की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने, रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने, गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करने, चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों व बाजारों में मटरगश्ती करने वालों से सख्ती से निपटने, हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने, चोरी की घटना में पूर्व में संलिप्त रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखने, थाना में लंबित कांडों का जल्द से जल्द अनुसंधान कर निष्पादन करने, लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, शराब, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसने का निर्देश दिया। मौके पर डीएसपी रविकांत, सभी एसडीपीओ, नगर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, अनीश पांडेय, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में राजनीतिक दलों की सहभागिता से बढ़ेगी पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता : डीईओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन, पारदर्शी एवं अधिक विश्वसनीय बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो तथा अपात्र, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टियों का निर्वाचन आयोग के दिशा- निर्देशों के अनुरूप निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहभागिता एवं सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जानकारी दी कि 22 जुलाई 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर निर्वाचन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्धारित प्रपत्र को भरकर उसी दिन जमा करने का अनुरोध किया गया। बैठक के दौरान बीएलए-2, संबंधित बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर अररऊसूची का सत्यापन एवं मिलान करेंगे, ताकि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टियों की पहचान कर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।उपायुक्त ने मतदाता प्रपत्रों का वितरण कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने तथा डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के लिए विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अररऊ प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बीएलए-2 को भी इसकी पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया।उपायुक्त ने बताया कि 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। यदि किसी मतदाता के आवेदन अथवा विवरण में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो संबंधित मतदाता को नियमानुसार नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नोटिस मिलने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि प्रत्येक मामले की सुनवाई संबंधित ईआरओ (निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी) द्वारा की जाएगी तथा सुनवाई के उपरांत नियमानुसार उसका निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सिविल सर्जन ने की सदर सीएचसी में स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों की समीक्षा, दिया प्रशिक्षण

साहिबगंज : सदर सीएचसी में शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सभी इंडिकेटर पर आंकड़ों के संधारण की बिंदुवार जानकारी ली। साथ ही आंकड़ों के सटीक प्रविष्टि को लेकर आवश्यक सुधार का निर्देश दिया। सीएस ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मी बेहतर काम कर रहे हैं लेकिन डेटा अपलोड नहीं होने से उनका किया हुआ काम नहीं दिख रहा। इसमें सुधार के लिए सभी सीएचसी में जाकर सहिया, सहिया साथी, बीटीटी, सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू व कर्मी को स्वयं प्रशिक्षण दे रहे हैं। ताकि काम के साथ आंकड़ें भी दिखें। सीएस ने कहा कि बाढ़ को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। पर्याप्त मात्रा में एंटी वैमेंन व एंटी रैबीज इंजेक्शन, मलेरिया, डायरिया व अन्य बीमारी से निपटने के लिए दवाएं मौजूद हैं। सभी कर्मी को निर्देश दिया गया है कि एम्बुलेंस की जरूरत की स्थिति में सभी एमओआईसी, बीपीएम व बीएएम को फोन करें। एंबुलेंस की व्यवस्था करना उनकी जिम्मेदारी होगी। वहीं प्रभारी, बीएएम व बीपीएम एम्बुलेंस के गंतव्य तक पहुंचने तक फॉलोअप करेंगे। कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि प्रसूति को तीन दिन पहले अस्पताल में एडमिट कराएं। ताकि उनका प्रॉपर ध्यान रखा जा सके। दियारा के मरीजों के लिए बोट एंबुलेंस का इस्तेमाल करें। इस दौरान सीएस ने सभी सहिया के बीच शॉल व छाता का वितरण किया। सीएस ने कहा कि शॉल वितरण का उद्देश्य सहिया के ड्रेस कोड में एकरूपता लाना है। शॉल में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कार्यक्रम की पूरी जानकारी है। इससे लोगों में सरकार की योजनाओं का मैसेज भी जाएगा। साथ ही छाता सहियाओं को फील्ड में काम के दौरान बरसात में बारिश से बचाएगा। मौके पर सदर एमओआईसी डॉ महमूद आलम, आईडीएसपी डीडीएम तौसीफ अहमद, बीपीएम मनोज यादव, बीएएम मो शादाब, बीटीटी मुनिजी पांडेय, रंजना मालतो, ललित कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

पाकुड़ : जिले में किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के अंतर्गत सदर अस्पताल के सभागार में जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति, पाकुड़ एवं पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग (आईसीडीएस), नेहरू युवा केंद्र संगठन, शिक्षा विभाग तथा जिला बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए किशोर स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार– विमर्श किया।प्रतिभागियों ने किशोरों के समग्र विकास के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ. एस. के. झा, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कौशल किशोर सहित पिरामल फाउंडेशन के प्रणव झा, विवेक कुमार एवं परीक्षित मुंडा उपस्थित रहे। उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के उद्देश्यों, क्रियान्वयन रणनीतियों एवं जिला स्तर पर इसके प्रभावी संचालन पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। साथ ही 'प्रोजेक्ट सशक्त' के माध्यम से किशोर– किशोरियों को सशक्त बनाने की पहल तथा जिला स्तर पर किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य, नशामुक्ति, जीवन कौशल शिक्षा तथा व्यवहार परिवर्तन जैसे विषयों पर समन्वित एवं सतत प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने समुदाय की सक्रिय भागीदारी तथा युवाओं को कार्यक्रमों से जोड़ने पर विशेष बल दिया, ताकि किशोरों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सके।

तीनपहाड़ में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला गंभीर घायल

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तंदूर प्लाजा होटल के समीप ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला बुरी तरह घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार तीनपहाड़ धमधमिया मुख्य सड़क के किनारे तंदूर प्लाजा होटल के समीप पुलिया के पास फरक्का से सीमेंट लोड कर बोरियो जा रही ट्रक (डब्ल्यू बी 59 ए 6037) की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।वही महिला दिग्घी से अपने पति के साथ बाइक से गोड्डा जा रही बबिता देवी (22) पति कलटू दास, साकिन दाढ़ी घाट सरवा, थाना महगामा, जिला गोड्डा का बाइक के संतुलन बिगड़ जाने से ट्रक की चपेट में आ गयी जिससे उसके दाहिना पैर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे थाना के एएसआई ललन राजवार और उमेश उपाध्याय दल बल के साथ मौके पर पहुच महिला को इलाज हेतु राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। वहीं ट्रक का चालक मौसर शेख बरहरवा थाना के सहेबडंगा का रहने वाला है। जिसे तीनपहाड़ थाना पुलिस ने पूछताछ के लिए थाना लाया।

बकरी बचाने के दौरान बाइक चालक गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

साहिबगंज : जिले के राजमहल–उधवा फोरलेन मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को एक बकरी को बचाने के प्रयास में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार जामनगर निवासी नईमुद्दीन सेख (40) बाइक से राजमहल की ओर आ रहा था। इसी दौरान अचानक सड़क पर एक बकरी आ गई। बकरी को बचाने के प्रयास में चालक ने बाइक से नियंत्रण खो दिया और सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में नईमुद्दीन सेख गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों एवं परिजनों की सहायता से उसे तत्काल इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल,राजमहल लाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर कुमार सौरभ ने प्राथमिक उपचार किया।

टेंपो जिलेबिया घाटी में पलटने से सहायक अध्यापिका गंभीर घायल

साहिबगंज: जिले के बोरियो प्रखण्ड की यूएमएस मुर्गाबनी की सहायक अध्यापिका सुनीता कुमारी टेंपो हादसे में गुरुवार को बुरी तरह घायल हो गईं। सुनीता के पैर एवं सिर में काफी गहरा जख्म है। सुनीता के परिजनों के अनुसार कल बोरियो से साहिबगंज आने के क्रम में जिलेबिया घाटी बजरंगबली मंदिर के पास ब्रेक फेल होने के कारण टेंपो पलट गई। सुनीता घायल हो गयी। जहां सुनीता का इलाज सदर अस्तपताल साहिबगंज में चल रहा है। सहायक अध्यापक संगठन की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया गया है।

एक नजर

सड़क किनारे होटल को अज्ञात हाइवा द्वारा क्षतिग्रस्त करने का आरोप

कसमार : तिनकोनिया चौक स्थित सड़क किनारे गुरुवार देर रात अज्ञात हाइवा द्वारा गोपी होटल के बाहरी हिस्से को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इसको लेकर होटल संचालक गोपी जायसवाल ने बताया है कि एचजी इंफ्रा कंपनी की ओर से एक्सप्रेस वे सड़क निर्माण में रात भर हाइवा का संचालन किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हीं हाइवा द्वारा रात में उनके होटल को क्षतिग्रस्त किया गया है। उन्होंने इस मामले की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को देते हुए उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कंपनी की ओर से यदि मुआवजा नहीं दी गई तो सड़क जाम किया जाएगा।

वारंटी घनश्याम करमाली गिरफ्तार

बोकारो : पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर चतरोचट्टी थाना पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए घनश्याम करमाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे उसके गृह ग्राम गुरुडीह, बड़की सीधाबारा से पकड़कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी घनश्याम करमाली (20 वर्ष), पिता भागीरथ करमाली, ग्राम गुरुडीह, बड़की सीधाबारा, थाना चतरोचट्टी का निवासी है। उसके खिलाफ न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर कार्रवाई की गई। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। छापामारी अभियान में चतरोचट्टी थाना प्रभारी पु.अ.नि. कुन्दन कुमार यादव, हवलदार महेश तामसोय, आरक्षी सहदेव प्रसाद यादव (1315), आरक्षी मुकेश कुमार मोदी (908) और आरक्षी रामेश्वर यादव (1608) शामिल थे। पुलिस ने बताया कि अभियान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। थाना पुलिस ने कहा कि वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

वाहनों का निबंधन प्रमाण-पत्र (आरसी) निर्गत नहीं होने पर चैंबर ने परिवहन मंत्री से की शीघ्र समाधान की मांग

बोकारो : चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने झारखंड सरकार के परिवहन मंत्री श्री दीपक बिरूवा को पत्र भेजकर बोकारो जिले में पिछले कई महीनों से नए वाहनों का निबंधन प्रमाण-पत्र (आरसी) जारी नहीं होने की गंभीर समस्या से अवगत कराया है। चैंबर ने अपने पत्र में कहा है कि जिला परिवहन कार्यालय द्वारा सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी का हवाला दिया जा रहा है, जिसके कारण वाहन मालिकों को समय पर आरसी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस स्थिति से नए वाहन खरीदने वाले आम नागरिकों, व्यापारियों एवं ट्रांसपोर्टरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यक दस्तावेज के अभाव में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है तथा कई मामलों में जुमार्ना भी भरना पड़ रहा है।

नीट पुनः परीक्षा में डीपीएस बोकारो का शानदार प्रदर्शन, आदित्य मिश्रा बने विद्यालय टॉपर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी 2026 की पुनः परीक्षा में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल की है। विद्यालय के 26 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, जबकि 10 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल किए हैं।

विद्यालय के छात्र आदित्य मिश्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 546 हासिल की है। उन्होंने 720 में से 670 अंक प्राप्त किए और 99.972 परसेंटाइल हासिल कर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। आदित्य ने सामान्य श्रेणी में भी शानदार रैंक हासिल की है।

तेजस्वी ने 607 अंक प्राप्त कर 99.594 परसेंटाइल के साथ विद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं ईशान गौरव तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा तनिष्क यश, आयशा फलक सिद्दीकी, विनीत कुमार झा, अनुपम शर्मा, ईधा सिंह, अरिंजय सिंह और मयंक राज सहित कई विद्यार्थियों ने बेहतर रैंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि परीक्षा रद्द होने के बाद दोबारा तैयारी करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन विद्यार्थियों ने धैर्य और आत्मविश्वास के साथ सफलता हासिल की।

उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि ये विद्यार्थी भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर योगदान देंगे।

गौरतलब है कि 21 जून 2026 को बोकारो के आठ केंद्रों पर पुनः नीट परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें कुल 2655 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था।

डीपीएस बोकारो के छात्र आदित्य मिश्रा ने बताया कि पहली परीक्षा रद्द होने की खबर से वह काफी निराश हुए थे। उन्होंने पूरे साल मेहनत की थी और परीक्षा भी अच्छी गई थी। इसके बाद दोबारा परीक्षा की चुनौती सामने आई, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

आदित्य ने बताया कि माता-पिता, शिक्षकों और परिवार के सहयोग से उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी। उन्होंने कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान दिया और नियमित रूप से पांच से छह घंटे पढ़ाई की। पढ़ाई के साथ उन्हें फुटबॉल और कबड्डी खेलना भी पसंद है।

आदित्य ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों और माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य एक सफल चिकित्सक बनकर मानवता की सेवा करना है।

आदित्य इससे पहले सीबीएसई 12वीं बोर्ड की विज्ञान संकाय में 99.60 प्रतिशत अंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान पढ़ाई में आई चुनौतियों से सीख लेकर उन्होंने मेहनत और निरंतरता को अपनी सफलता का आधार बनाया।

एसआईआर प्रशिक्षण में बीएलओ और सुपरवाइजरों को दिए गए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कसमार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत एएसडीडीएफ सूची तैयार करने को लेकर शुक्रवार को कसमार प्रखंड सभागार में बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और वालंटियरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मतदाता सत्यापन की प्रक्रिया, सूची तैयार करने के तरीके और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने के लिए घर पर नहीं मिलने वाले मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर बस चुके मतदाताओं को स्थानांतरित, मृत मतदाताओं को मृत तथा एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों को डुप्लीकेट श्रेणी में चिह्नित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अन्य विशेष मामलों को भी निर्धारित श्रेणी में दर्ज किया जाए। सत्यापित और पूर्ण रूप से भरे गए गणना प्रपत्र मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई करते हुए मतदाता सूची को अद्यतन किया जाएगा।

अंचल अधिकारी ने सभी बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और वालंटियरों को निर्देश दिया कि एएसडीडीएफ सूची का अनुमोदन 19 जुलाई तक बीएलओ-2 मोबाइल एप के माध्यम से हर हाल में पूरा करें। उन्होंने मतदाता सत्यापन कार्य को पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में एचडीएम किशोर कांत, राजस्व निरीक्षक जमील अहमद, बीएलओ सुपरवाइजर रिजवान अहमद, मनोज कुमार, विमल कुमार राय, संतोष कुमार महतो, कफिल अहमद, फटीक चंद्र सहित बड़ी संख्या में बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और वालंटियर मौजूद रहे।

दक्षिण पूर्व रेलवे के नए अपर महाप्रबंधक बने मनीष जैन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : को दक्षिण पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक के रूप में मनीष जैन ने पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे मेट्रो रेलवे, कोलकाता में प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। मनीष जैन भारतीय रेल यांत्रिक अभियंता सेवा (आईआरएसएमई) के वर्ष 1990 बैच के अधिकारी हैं। श्री जैन भारतीय रेल में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इनमें मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (कोचिंग), पूर्व रेलवे, मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, कार्यकारी निदेशक/यांत्रिक अभियांत्रिकी (माल), रेलवे बोर्ड, कार्यकारी निदेशक/यांत्रिक अभियांत्रिकी (ट्रैक्शन), रेलवे बोर्ड, मुख्य महाप्रबंधक, इरकॉन, ग्रुप जनरल मैनेजर (तकनीकी), कॉनकॉर,

निदेशक, राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली सहित भारतीय रेल के कई अन्य महत्वपूर्ण पद शामिल हैं।

मनीष जैन को रेल अभियांत्रिकी एवं रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न विषयों का व्यापक ज्ञान तथा समृद्ध कायानुंभव प्राप्त है। उन्होंने भारत एवं विदेशों, जिनमें अमेरिका और कनाडा भी शामिल हैं, में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। उन्हें खेल, चलचित्र और संगीत में विशेष रुचि है।

न्याय दिलाने की मांग को लेकर संपूर्ण विप्र समाज का धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बिहार के भोजपुर जिला के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलौटी निवासी भरत भूषण तिवारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर शुक्रवार को बोकारो में आवाज गूंजी। संपूर्ण विप्र समाज ने भरत तिवारी के हत्यारों को सजा दिलाने की मांग करते हुए बोकारो डीसी कार्यालय के समीप एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन दिया। विप्र समाज के की ओर से धरना में शामिल वक्ताओं ने पुलिस द्वारा की गई इनकाउंटर को फर्जी काउंटर बताया। कहा कि हथियार डालने के बाद पुलिस ने उसे गोली मारी, इससे स्पष्ट है कि सोची समझी साजिद के तहत भरत तिवारी की हत्या की गई।धरना प्रदर्शन में विप्र समाज के अलावा सभी जातियों के लोगों ने भाग लिया।

कुंज बिहारी पाठक ने कहा सरेंडर करने के बाद उसे पुलिस ने गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि बिहार की सम्राट चौधरी सरकार इस हत्याकांड के मामले में चुप्पी साधे हुए हैं, जिसे विप्र समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं, टुनटुन पांडेय ने कहा भरत भूषण तिवारी गरीबों का मसीहा थे। वे अपने लिए नहीं बल्कि वहां के बाढ़ पीड़ित विस्थापित व गरीबों की लड़ाई लड़ रहे थे। बिहार के भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ आवाज नहीं उठाए होते तो उनका फर्जी एनकाउंटर नहीं हुआ होता। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी को सरकार शहीद का दर्जा दे, नहीं तो लड़ाई और तेज होगी।

दूसरी ओर भाकपा माले लिब्रेशन के नेता राजू दूबे ने कहा कि फर्जी एनकाउंटर सम्राट सरकार ने इसलिए किया ताकि सरकार और सिस्टम के खिलाफ बोलने वालों की आवाज को दबाया जा सके। उन्होंने कहा भरत भूषण तिवारी को जबतक न्याय नहीं मिलेगा, घटना में शामिल पुलिस कर्मियों को सजा नहीं मिलेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। नेताओं ने दोषियों को फांसी देने की मांग किया है।

सार्वजनिक संपत्तियों की सफाई और सुरक्षा, प्लास्टिक का उपयोग बंद करना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रण विजय स्मारक महिला महाविद्यालय, सेक्टर 9/A में विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और स्व के मंत्र की भूमिका विषय पर युवा प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को विधिवत आरंभ करते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख श्री राजीव कमल बिट्टू जी,महाविद्यालय की संरक्षिका डॉ परिंदा सिंह, महानगर कार्यवाह श्री रतन लाल महतो, महानगर प्रचारक श्री सुधीर कुमार, श्री कौशल राय जी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया।

विषय प्रवेश करते हुए डॉ परिंदा सिंह ने कहा अधिकारों के प्रति लोग जितने जागरूक हैं अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही उदासीन, जबकि हम सभी जानते हैं कि कर्तव्य और अधिकार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और राष्ट्र की प्रगति और विकसित भारत के सपने को साकार करने हेतु हमें अपने नागरिक कर्तव्यों का बड़ी ही सजगता के साथ निर्वहन करना होगा। अपने घर के साथ साथ आसपास की सफाई, सार्वजनिक संपत्तियों की सफाई और सुरक्षा, प्लास्टिक का उपयोग बंद करना, कपड़े का थैला अपनाना, पेड़ लगाना जैसे छोट छोटे कार्य बड़े बदलाव लाते है और देश की प्रगति के मार्ग को प्रशस्त करते हैं।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री राजीव कमल बिट्टू जी ने उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला में वर्ष 1925 में संघ की स्थापना से लेकर 100 वर्ष पूर्ण करने तक की गतिविधियों पर क्रमवार विवरण प्रस्तुत कर राष्ट्र सेवा के आदर्शों पर प्रकाश डाला। स्व का भाव के अंतर्गत आत्म गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता पर बल, कुटुंब प्रबोधन के अंतर्गत परिवार में संस्कार और संवाद, सामाजिक समरसता के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों में समानता और एकता, प्रकृति संरक्षण आदि पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भारतीय संविधान में नागरिक कर्तव्य बोध के तहत निहित 11 संवैधानिक कर्तव्य का पालन करने की प्रतिज्ञा ली।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सीमा सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती अलका सिन्हा जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राएं, प्रभारी प्राचार्य सरिता जी एवं व्याख्याताओं की उपस्थिति रही।

आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी ने घोषित की छात्रवृत्ति योजना, टॉपर्स को मिलेगा विशेष लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, रांची ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति, अर्ली बर्ड ऑफर और करियर केंद्रित शिक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। होटल क्लासिक, सिटी सेंटर सेक्टर-4, बोकारो में आयोजित प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय ने मेधावी विद्यार्थियों के लिए विशेष योजनाओं की जानकारी दी।

प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अमित कुमार पांडेय और हेड-आउटरीच (कोयलांचल) राजीव चौबे मौजूद रहे।

कुलसचिव डॉ. अमित कुमार पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कुशल, आत्मविश्वासी और रोजगार योग्य बनाना है। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और उद्योग-अकादमिक सहयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में मेधावी विद्यार्थियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना लागू की गई है। इसके तहत राज्य टॉपर्स को विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार 100 प्रतिशत निःशुल्क शिक्षा, जिला टॉपर्स को 100 प्रतिशत सेमेस्टर ट्यूशन फीस माफी और स्कूल टॉपर्स को 50 प्रतिशत सेमेस्टर ट्यूशन फीस माफी दी जाएगी।

राजीव चौबे ने बताया कि मैनेजमेंट, कंप्यूटर एप्लीकेशन, इंजीनियरिंग, फामेर्सी, लॉ और लाइफ साइंस सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में योग्य विद्यार्थियों के लिए विशेष अर्ली बर्ड ऑफर उपलब्ध है। इसके तहत चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क यूनिफॉर्म, निःशुल्क परिवहन सुविधा, शुल्क में विशेष छूट और छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। आईटीआई और डिप्लोमा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए बीटेक समेत अन्य पाठ्यक्रमों में लेटरल एंट्री की सुविधा भी उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय ने बताया कि पात्र एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के विद्यार्थी सरकारी नियमों के अनुसार ई-कल्याण और राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। झारखंड सरकार की मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के तहत पात्र छात्राओं को भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग और प्लेसमेंट गतिविधियों की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि विद्यार्थियों के लिए लाइव प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप, औद्योगिक भ्रमण, उद्योग संपर्क कार्यक्रम, संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास, एप्टीट्यूड प्रशिक्षण, साक्षात्कार तैयारी और करियर मार्गदर्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, यहां के विद्यार्थियों का चयन देश की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में पांच लाख रुपये वार्षिक से लेकर 27 लाख रुपये वार्षिक तक के पैकेज पर हुआ है।

कुलसचिव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ नेतृत्व क्षमता, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक जिम्मेदारी के विकास पर भी काम कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों से समय पर प्रवेश लेकर छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

सेल-बोकारो इस्पात संयंत्र में जीएचजी डैशबोर्ड शुरू, कार्बन उत्सर्जन निगरानी में मिलेगी मदद

बोकारो : सतत इस्पात उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सेल के बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संयंत्र में 17 जुलाई को अत्याधुनिक ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) डैशबोर्ड का शुभारंभ किया गया। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म उत्पादन इकाइयों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन की निगरानी, विश्लेषण और प्रभावी प्रबंधन में सहायक होगा। जीएचजी डैशबोर्ड का शुभारंभ बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी ने किया। इस अवसर पर सेल पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग के अधिशासी निदेशक, बीएसएल के सभी अधिशासी निदेशक, वरीय अधिकारी और तकनीकी सहयोगी संस्था सेंट्रा वर्ल्ड, बेंगलुरु के प्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्य महाप्रबंधक (पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास) ने बताया कि यह डैशबोर्ड बोकारो इस्पात संयंत्र की डी-कार्बोनाईजेशन यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ईआरपी आधारित यह प्रणाली सिंटर प्लांट, कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप और रोलिंग मिलों से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग वास्तविक समय में विश्लेषण और निगरानी करेगी। उन्होंने बताया कि डैशबोर्ड उत्सर्जन के प्रमुख स्रोतों की पहचान करने में मदद करेगा, जिससे वैज्ञानिक और आंकड़ा आधारित निर्णय लेने में सुविधा होगी। यह डैशबोर्ड सेंट्रा वर्ल्ड, बेंगलुरु ने बोकारो इस्पात संयंत्र की तकनीकी समिति और सेल के पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, कोलकाता के सहयोग से विकसित किया है। इसमें जीएचजी प्रोटोकॉल, वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन की कार्यप्रणाली, कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का उपयोग किया गया है। यह प्रणाली ईआरपी से प्रतिदिन उत्पादन संबंधी आंकड़े प्राप्त कर संयंत्र के कार्बन फुटप्रिंट का सटीक आकलन करेगी। निदेशक प्रभारी ने कहा कि डिजिटल तकनीकों का प्रभावी उपयोग बोकारो इस्पात संयंत्र के पर्यावरणीय लक्ष्यों और डी-कार्बोनाईजेशन अभियान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने परियोजना को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी विभागों और टीमों की सराहना की। जीएचजी डैशबोर्ड का शुभारंभ बोकारो इस्पात संयंत्र की हरित और सतत इस्पात उत्पादन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सेल की दीर्घकालिक सतत विकास रणनीति और भारत के जलवायु लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

अस्पताल में आवारा कुत्तों का जमावड़ा और वार्ड बॉय की कमी पर सांसद मीडिया प्रतिनिधि ने जताया रोष

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए अस्पताल प्रबंधन से तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की है। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर अस्पताल में भर्ती एवं इलाजरत कई मरीजों का कुशलक्षेम जानने अस्पताल पहुंचे थे। इस दौरान मेल ऑर्थो वार्ड की ओर जाते समय अस्पताल की बहुमंजिला इमारत के बरामदे और मुख्य प्रवेश द्वार पर बड़ी संख्या में आवारा कुत्तों का जमावड़ा देखकर वे आश्चर्यचकित रह गए। रंजन चौधरी ने कहा कि इसी भवन में प्रसूति कक्ष, लेबर ओटी, ऑर्थो ओटी, सर्जरी ओटी, एसएनसीयू, महिला ओपीडी तथा ऑर्थोपेडिक एवं सर्जिकल वार्ड संचालित हैं। ऐसे संवेदनशील स्थान पर आवारा कुत्तों का विचरण मरीजों, नवजात शिशुओं एवं उनके परिजनों के लिए संक्रमण और रेबीज जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा पैदा कर सकता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से तत्काल प्रभावी कदम उठाकर पूरे अस्पताल परिसर को आवारा कुत्तों से मुक्त कराने की मांग की। निरीक्षण के दौरान ऑर्थो वार्ड में भर्ती कार्यकर्ता अनिल पासवान से मुलाकात करने पहुंचे रंजन चौधरी ने देखा कि एक मरीज को उसके परिजन स्वयं स्ट्रेचर पर ले जाने को मजबूर थे। इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए आउटसोर्स एजेंसी राइडर सिक्योरिटी के सुपरवाइजर शैलेंद्र पाठक को तत्काल ऑर्थो वार्ड में सेकंड हाफ के दौरान वार्ड बॉय की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। रंजन चौधरी ने कहा कि वार्ड बॉय अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें और मरीजों की सेवा में तत्पर रहें। यदि लापरवाही और अव्यवस्था में शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो जनहित में पूरे मामले की लिखित शिकायत उच्च अधिकारियों से की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मरीजों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना अस्पताल प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती।

बालेदवरी विस्थापन मुद्दे पर ग्रामीणों और एनटीपीसी प्रबंधन के बीच हुई सार्थक वार्ता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के बालेदवरी गांव में एनटीपीसी परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान को लेकर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर शुक्रवार को ग्रामीणों एवं एनटीपीसी प्रबंधन के बीच महत्वपूर्ण वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान विस्थापन, पुनर्वास और ग्रामीणों की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि अपने पूर्व के बालेदवरी दौरे के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें एनटीपीसी परियोजना से जुड़े विस्थापन के मुद्दे पर अपनी चिंताओं और मांगों से अवगत कराया था तथा प्रबंधन के साथ वार्ता कराने का आग्रह किया था। उसी आग्रह के क्रम में उन्होंने दोनों पक्षों के बीच यह सार्थक संवाद कराया। बैठक में ग्रामीणों ने अपनी प्रमुख मांग रखते हुए कहा कि पूरे बालेदवरी गांव का एक साथ विस्थापन कर सभी परिवारों को एक ही स्थान पर ₹न्यू बालेदवरी₹ के नाम से सामूहिक रूप से बसाया जाए, ताकि गांव की सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक एकता अक्षुण्ण बनी रहे। इसके अलावा पुनर्वास एवं अन्य सुविधाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण मांगें भी ग्रामीणों द्वारा रखी गईं। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि वे ग्रामीणों की भावनाओं और हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनटीपीसी प्रबंधन ग्रामीणों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक पहल करेगा और न्यायसंगत समाधान की दिशा में आगे बढ़ेगा।

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर पाकुड़ में धारा 163 लागू

पाकुड़ : जिले में झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 के शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर पाकुड़ अनुमंडल प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 19 जुलाई 2026 को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पूर्व से लेकर परीक्षा समाप्ति के बाद शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेगा। अनुमंडल दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में कुल 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि को निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

जिस आंगन से उठनी थी डोली, वहां से अर्थी पर हुई विदाई एक हादसे ने खत्म कर दिया सबकुछ

पटना (एजेंसी) नोएडा में ई-बाइक बैटरी ब्लास्ट हादसे का शिकार हुई मुजफ्फरपुर की स्नेहा श्रीवास्तव का पार्थिव शरीर गुरुवार शाम घर पहुंचा. जिस घर से कुछ महीनों बाद उसकी डोली उठनी थी, उसी आंगन से उसकी अंतिम यात्रा निकली. परिवार गहरे सदमे में है. नोएडा के सेक्टर-66 (मामूरा गांव) में ई-बाइक बैटरी ब्लास्ट हादसे में जान गंवाने वाली मुजफ्फरपुर की स्नेहा श्रीवास्तव का पार्थिव शरीर गुरुवार शाम जैसे ही शहर के चक्कर चौक स्थित घर पहुंचा, पूरे इलाके में मातम छा गया. जिस घर से कुछ महीनों बाद स्नेहा की डोली उठनी थी, उसी आंगन से उसकी अंतिम यात्रा निकली. परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है. दिसंबर में होनी थी सगाई, शादी की तैयारियां शुरू थीं परिजनों के मुताबिक, स्नेहा की शादी बेंगलुरु में एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत सॉफ्टवेयर इंजीनियर से तय हुई थी. दिसंबर में दोनों की सगाई होनी थी और परिवार शादी की तैयारियों में जुट चुका था. पिता अश्विनी श्रीवास्तव और भाई अपूर्व बेटी के भविष्य को लेकर कई सपने संजोए हुए थे, जो इस हादसे के साथ टूट गए. परिवार की जिम्मेदारी संभालने वाली बेटी साल 2021 में कोरोना काल के दौरान मां के निधन के बाद स्नेहा ने परिवार की जिम्मेदारियों में अहम भूमिका निभाई. चार बहनों में दूसरे स्थान पर रहने वाली स्नेहा ने मुरादाबाद से बीबीए की पढ़ाई पूरी की थी. इसके बाद उसे नोएडा की एक निजी कंपनी में नौकरी मिली. परिवार के अनुसार, उसका सपना कॉर्पोरेट अनुभव हासिल कर आगे चलकर अपना बड़ा कारोबार शुरू करने का था. बीमारी छिपाकर पिता को भेजा था संदेश परिजनों ने बताया कि हादसे वाले दिन स्नेहा की तबीयत ठीक नहीं थी और वह कमरे से बाहर निकलने की स्थिति में भी नहीं थी. इसके बावजूद उसने अपने पिता को चिंता से बचाने के लिए संदेश भेजा कि वह ठीक है और ऑफिस के लिए निकल चुकी है. यह संदेश बाद में परिवार के लिए बेहद भावुक याद बन गया. ₹अगर उस दिन ऑफिस चली गई होती...₹ स्नेहा की बुआ ने बताया कि वह बेहद मेहनती और साहसी थी. पिता चाहते थे कि वह मुजफ्फरपुर में रहकर आगे की पढ़ाई करे, लेकिन स्नेहा अपने करियर को नई ऊंचाई देना चाहती थी. परिवार का कहना है कि यदि वह उस दिन रोज की तरह ऑफिस चली गई होती, तो शायद हादसे का शिकार नहीं होती. नया कमरा लेने का सपना भी अधूरा रह गया नोएडा में नौकरी शुरू किए स्नेहा को करीब ढाई महीने ही हुए थे. वह फिलहाल एक छोटे पीजी में रह रही थी. कुछ दिन पहले उसने पिता से कहा था कि वह जल्द ही बड़ा कमरा किराये पर लेने वाली है और चाहती थी कि पिता आकर उसे देखें. लेकिन उससे पहले ही हादसे ने परिवार से उनकी बेटी छीन ली. नोएडा में पोस्टमार्टम के बाद स्नेहा का पार्थिव शरीर एयर एंबुलेंस से पटना लाया गया, जहां से सड़क मार्ग से मुजफ्फरपुर पहुंचाया गया. अंतिम दर्शन के बाद सिकंदरपुर मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया.

पटना मल्टी मॉडल हब को 14 महीने में हुआ 2.36 करोड़ राजस्व का नुकसान, अब तक शुरू नहीं हुई पार्किंग, रेस्टोरेंट और दुकानें भी बंद

पटना (एजेंसी) पटना के जीपीओ गोलंबर पर बना मल्टी मॉडल हब 14 महीने से अधूरा है। प्रशासनिक देरी के कारण पार्किंग, रेस्टोरेंट और दुकानें बंद पड़ी हैं, जिससे 2.36 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ है। जानिए कब तक शुरू होंगी सुविधाएं। राजधानी के जीपीओ गोलंबर के पास बने मल्टी मॉडल हब की शुरूआत हुए 14 महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन प्रशासनिक लेटलतीफी के कारण अब तक यहां वाहनों की पार्किंग के लिए रसीद कटनी शुरू नहीं हो सकी है. करीब 68 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस प्रोजेक्ट में अब तक पार्किंग का जिम्मा संभालने वाली एजेंसी का चयन नहीं किया जा सका है. इसका सीधा असर राजस्व पर पड़ रहा है, जिससे पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड को पिछले 14 महीनों में करीब 2.36 करोड़ रुपये से अधिक के

पार्किंग राजस्व का नुकसान हुआ है. वर्तमान में केवल सिटी बसें और ऑटो का ही हो रहा परिचालन

वर्तमान में इस हब से केवल सिटी बसें व ऑटो ही चल रहे हैं. वहीं, बिना किसी व्यवस्थित शुल्क के चार पहिया वाहन लग रहे हैं. परिसर में अधिकृत टिकट काउंटर भी बना है, लेकिन ताला लटक रहा है. वहीं दूसरी ओर, परिसर में ही बने रेस्टोरेंट और छह दुकानें भी टेंडर फाइनल न होने के कारण महीनों से बंद पड़ी हैं. यदि समय रहते इन सुविधाओं को चालू कर दिया गया होता, तो विश्वस्तरीय सुविधाएं भी मिलती. 68 करोड़ का प्रोजेक्ट, पर पार्किंग में मुफ्त खड़े हो रहे वाहन स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत तैयार इस पार्किंग की क्षमता करीब 225 कार, 100 ऑटो व 32 बसों को एक साथ खड़ा करने की है. हर दिन करीब 30 से 40 हजार लोग पार्किंग व सबवे का उपयोग कर रहे हैं. बावजूद यहां से एक रुपये का भी राजस्व नहीं आ रहा है. मौयालोक में संचालित दो मल्टी लेवल पार्किंग की तर्ज पर यदि यहां भी पहले घंटे के लिए 20 रुपये और बाद में 10 रुपये प्रति घंटे की दर से शुल्क लिया जाता, तो हर महीने 16.87 लाख रुपये से अधिक की कमाई होती. परिसर में एक बड़ा रेस्टोरेंट व छह दुकानें भी बनाई गई हैं. रेस्टोरेंट के लिए न्यूनतम छह लाख रुपये प्रति माह के किराए वाले बिड को फाइनल किया जाना है, लेकिन टेंडर की प्रक्रिया चार महीने बीतने के बाद भी अटकी पड़ी है. इसी तरह, यहां दैनिक उपयोग के सामान, डेयरी प्रोडक्ट्स, फास्ट फूड, जूस काउंटर, मेडिकल शॉप व स्वीट्स की दुकानें खुलनी थीं. यदि ये दुकानें भी समय पर खुल जातीं, तो पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड को हर महीने कम से कम 1.4 लाख रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होता.

आचार संहिता के बाद टेंडर, अगस्त में पूरी होगी प्रक्रिया पटना स्मार्ट सिटी के एमडी सह नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने बताया कि मामले को लेकर हाल ही में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की गई है. पार्किंग व्यवस्था को पूरी तरह से सुचारू करने और एजेंसी चयन के लिए आरएफपी तैयार कर लिया गया है. वहीं, सीइओ मो शमशाद ने बताया कि आचार संहिता समाप्त होने के बाद अगस्त माह में इसके लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा. दो महीने के भीतर बेहतर एजेंसी का चयन करके इस पूरे मल्टी मॉडल हब को सेंसिटाइज कर दिया जाएगा. सुरक्षा के दृष्टिकोण से यहां हर फ्लोर पर गार्ड तैनात किए गए हैं. एस्कलेटर एरिया में लगेंगे एसी गुरुवार को पटना स्मार्ट सिटी व भवन निर्माण निगम की एक संयुक्त टीम ने इस पूरे हब का गहन निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एस्कलेटर के पास चढ़ते समय यात्रियों को काफी उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, जिसे देखते हुए अधिकारियों ने यहां रेंट पर एसी लगाने का निर्णय लिया है. पांच रुपये में लगेंगे दुकानदारों के वाहन जीपीओ गोलंबर के आसपास बेतरतीब ढंग से खड़े होने वाले वाहनों व स्थानीय दुकानदारों को राहत देने के लिए एक नई योजना तैयार की गई है. आसपास के दुकानदारों के वाहनों के लिए मात्र पांच रुपये प्रतिदिन शुल्क तय किया गया है,

तीन महीने बाद सबा-फराह को मिली जरूरी दवाएं, अब हर महीने बिहार के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी स्वास्थ्य जांच

पटना (एजेंसी) सिर से जुड़ी जुड़वां बहनें सबा और फराह को आखिरकार तीन महीने बाद आवश्यक दवाएं मिल गईं. स्वास्थ्य विभाग ने अब हर महीने विशेषज्ञों की टीम द्वारा उनके घर जाकर स्वास्थ्य जांच करने का आश्वासन दिया है. सिर से जुड़ी जुड़वां बहनें सबा और फराह की स्वास्थ्य देखभाल को लेकर स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर सक्रिय हुआ है. तीन महीने तक दवाएं नहीं मिलने की शिकायत के बाद अब आवश्यक दवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं और हर महीने विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनके घर जाकर स्वास्थ्य जांच करेगी. तीन महीने बाद पहुंचीं जरूरी दवाएं जानकारी अनुसार पटना सिविल सर्जन कार्यालय ने तीन महीने तक नियमित दवाएं नहीं मिलने की शिकायत के बाद

सबा और फराह तक आवश्यक दवाएं पहुंचा दी हैं. सिविल सर्जन ने बताया कि दो दिन पहले दोनों बहनों के लिए जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है. हर महीने विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी जांच स्वास्थ्य विभाग ने दोनों बहनों की नियमित निगरानी के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित करने का निर्णय लिया है. इस टीम में नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, अस्थि रोग (ऑर्थोपेडिक्स), सर्जरी और मेडिसिन विभाग के चिकित्सक शामिल होंगे. टीम प्रत्येक महीने उनके घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण करेगी और आवश्यकता के अनुसार उपचार एवं दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करेगी. दवा नहीं मिलने से बढ़ी थीं स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां राजाबाजार के समनपुरा निवासी 23 वर्षीय सबा और फराह जन्मजात क्रैनियोपैगस (सिर से जुड़े जुड़वां) जैसी दुर्लभ चिकित्सीय स्थिति के साथ जीवन जी रही हैं. उन्हें प्रतिदिन कई प्रकार की दवाओं की आवश्यकता होती है. पिछले कुछ महीनों तक नियमित दवा नहीं मिलने के कारण उन्हें हड्डियों में दर्द, हाथ-पैरों में सूजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा. परिवार ने नियमित मेडिकल विजिट की उठाई मांग सबा-फराह के भाई मोहम्मद तमन्ना ने बताया कि आवश्यक दवाएं मिल गई हैं, लेकिन नियमित स्वास्थ्य जांच अभी शुरू नहीं हुई है. उनका कहना है कि वर्ष 2024 के बाद से चिकित्सकों की नियमित घर पर विजिट बंद है. परिवार ने पहले की तरह विशेषज्ञ चिकित्सकों की मासिक जांच व्यवस्था फिर से शुरू करने की मांग की है. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पहले भी होती थी निगरानी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सबा-फराह की नियमित चिकित्सा निगरानी की व्यवस्था की गई थी. उस समय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम हर महीने उनके स्वास्थ्य की जांच करती थी और समय-समय पर रिपोर्ट संबंधित उच्च संस्थानों को भेजी जाती थी. अब स्वास्थ्य विभाग ने इस व्यवस्था को फिर से नियमित रूप से लागू करने का आश्वासन दिया है.

बिहार के इस जिले में 125 करोड़ से बनेगा इंडस्ट्रियल हब, 687 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा

पटना (एजेंसी) बिहार को इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए कई पहल किए जा रहे हैं. ऐसे में पूर्णिया जिले में 125 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की लागत से इंडस्ट्रियल हब बनाया जाएगा. इसके लिए लगभग 687 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा. इससे लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध हो सकेगा. बिहार में उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई पहल किए जा रहे हैं. ऐसे में सीमांचल को नई पहचान मिलने वाली है. पूर्णिया जिले में लगभग 687 एकड़ में इंडस्ट्रियल हब स्थापित किया जाएगा. बिहार सरकार की तरफ से सीमांचल के लिए यह योजना बेहद खास मानी जा रही है. कई प्रखंडों में जमीन अधिग्रहण किया जाएगा. मीण इलाके में 4 गुना तक मिलेगा मुआवजा जानकारी के मुताबिक, इस परियोजना के लिए 125 करोड़

रुपये से भी ज्यादा की राशि स्वीकृत की गई है. पहले फेज में केनगर प्रखंड के तीन गांवों बिठनौली, गणेशपुर और दूबे चकला में जमीन अधिग्रहण किया जाएगा. इसके बाद फिर अन्य प्रखंडों के गांवों में जमीन अधिगृहित की जाएगी. इसे लेकर संभावना जताई जा रही है कि एक हफ्ते के अंदर अधिसूचना जारी कर दी जाएगी. बताया जा रहा है कि ग्रामीण इलाके में किसानों को चार गुना तक मुआवजा मिल सकता है. इस एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा इंडस्ट्रियल हब इस इंडस्ट्रियल हब को लेकर खास बात यह है कि इससे पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे भी जुड़ेगा. इससे यहां लगने वाले उद्योग को नई पहचान मिलेगी. फिलहाल प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन सर्वे और हाई-रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का काम पूरा हो गया है. जमीन अधिग्रहण के बाद बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाएगा. इसे बाद जमीन उद्योग विभाग को सौंपी जाएगी. फिर उद्योग-धंधे और फैक्ट्रियां लगाई जायेंगी. शहरी इलाके के किसानों को होगा ये फायदा शहरी इलाके के किसानों को लेकर कहा जा रहा है कि उन्हें दोगुना भुगतान किया जाएगा. इसके साथ ही उन किसानों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी. इस परियोजना के पूरा होने से लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे. इसके साथ ही सीमांचल से पलायन पर काफी हद तक रोक लग सकेगी. सीमांचल में नए एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे और अब इंडस्ट्रियल हब के स्थापित होने से लोगों को सुविधा मिल सकेगी.

बिहार पंचायत चुनाव 2026: समय पर ही होंगे चुनाव, परिसीमन की वजह से टलने की खबरों पर मंत्री दीपक प्रकाश ने क्या कहा

पटना (एजेंसी) बिहार में पंचायत चुनाव टलने की चचाओं के बीच पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने स्थिति साफ कर दी है. उन्होंने कहा कि सरकार की पूरी कोशिश है कि पंचायत चुनाव तय समय पर, यानी इसी साल के अंत तक कराए जाएं. चुनाव टालने का अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है. बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर पिछले कुछ दिनों से कई तरह की चचाएं चल रही हैं. कहा जा रहा है कि परिसीमन की प्रक्रिया के कारण चुनाव अगले साल तक टल सकते हैं. लेकिन प्रभात खबर से विशेष बातचीत में पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने इन अटकलों को खारिज कर दिया. उन्होंने कहा कि सरकार चुनाव समय पर कराने की दिशा में काम कर रही है और फिलहाल चुनाव टालने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है. परिसीमन क्यों करा रही है सरकार? दरअसल, सरकार ने ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद की सीमाओं का नए सिरे से परिसीमन

करने का फैसला लिया है. यह प्रक्रिया 2011 की जनगणना के आधार पर होगी. राज्य में पिछले 36 वर्षों से पंचायतों का परिसीमन नहीं हुआ है. इस दौरान कई इलाकों की आबादी में बड़ा बदलाव आया है. ऐसे में सरकार चाहती है कि नई आबादी के अनुसार पंचायतों की सीमाएं तय हों, ताकि सभी क्षेत्रों को संतुलित प्रतिनिधित्व मिल सके. चुनाव टालने की खबरों पर मंत्री ने क्या कहा? कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अगस्त 2026 से परिसीमन शुरू होगा, अप्रैल 2027 तक चलेगा और इसके बाद आरक्षण संबंधी प्रक्रिया पूरी होने पर ही चुनाव होंगे. इस पर मंत्री दीपक प्रकाश ने साफ कहा कि ऐसी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है. उन्होंने कहा कि सरकार की पूरी कोशिश है कि पंचायत चुनाव इसी साल के अंत तक संपन्न करा दिए जाएं. उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव टालने की खबरें सही नहीं हैं और अभी तक सरकार ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है. नए परिसीमन से क्या होगा फायदा? सरकार का मानना है कि नए परिसीमन के बाद पंचायतों की सीमाएं वर्तमान आबादी के अनुरूप तय होंगी.

मुखिया जी की ये लापरवाही पड़ सकती है भारी, पंचायतों की बन रही लिस्ट, अफसरों पर भी हो सकता है एक्शन

पटना (एजेंसी) बिहार में पंचायत चुनाव से पहले यहां होने वाले काम को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है. पंचायतों के विकास कार्यों में लापरवाही बरतने पर मुखिया, सचिव और अफसरों तक पर कार्रवाई हो सकती है. उनके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है. बिहार की पंचायतों में होने वाले कामकाज को लेकर सरकार सख्त हो गई है. अगर आपकी पंचायत में विकास योजनाओं का काम धीमा है या नियमों की अनदेखी की जा रही है, तो यह खबर आपके लिए बेहद अहम है. पंचायती राज विभाग ने सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि सरकारी योजनाओं में किसी भी तरह की लापरवाही, अनियमितता या घटिया निर्माण अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. 1 प्रतिशत से कम राशि खर्च होने पर इन पर होगी कार्रवाई मिली जानकारी के मुताबिक, सरकार ने साफ कहा है कि जिन पंचायतों में विकास योजनाओं की राशि का 1 प्रतिशत से भी कम खर्च हुआ है, वहां जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय की जाएगी. ऐसे मामलों में मुखिया और पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है. ऐसा करने पर एजेंसी हो सकती है ब्लैक लिस्ट इतना ही नहीं, 15 लाख रुपये से ज्यादा की लागत वाली योजनाओं में बिना टेंडर के काम कराने या नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई होगी. जबकि जर्जर पंचायत भवनों की मरम्मत या नए निर्माण में देरी करने वाली एजेंसियों पर फाइन लगाया जाएगा. साथ ही अगर निर्माण कार्य की गुणवत्ता खराब पाई गई, तो संबंधित एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट तक किया जा सकता है. अच्छा काम करने पर मिलेगा प्रोत्साहन सरकार ने सिर्फ सख्ती ही नहीं दिखाई है, बल्कि बेहतर काम करने वाली पंचायतों के लिए प्रोत्साहन भी रखा है. जो पंचायतें योजनाओं को समय पर, पारदर्शिता के साथ और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करेंगी, उन्हें भविष्य की विकास योजनाओं में प्राथमिकता मिलेगी. पंचायती राज विभाग ने स्पष्ट किया है

सम्मान नहीं मिला या कुछ और? जानिए क्यों RJD से इस्तीफा देने पर मजबूर हुए मृत्युंजय तिवारी

पटना (एजेंसी) आरजेडी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी के इस्तीफे ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है. उन्होंने सम्मान नहीं मिलने और अपनी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है. आखिर उनके इस्तीफे की असली वजह क्या है, जानिए अंदर की पूरी कहानी. राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख प्रवक्ता और पार्टी के ब्राह्मण चेहरे माने जाने वाले मृत्युंजय तिवारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने पार्टी में सम्मान नहीं मिलने और लगातार उपेक्षा का आरोप लगाया है. हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष ने तेजस्वी यादव के विदेश से लौटने तक इंतजार करने को कहा है.पार्टी में सम्मान नहीं मिलने से नाराज हुए मृत्युंजय बिहार की राजनीति में गुरुवार को उस समय हलचल मच गई, जब आरजेडी के

वरिष्ठ प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने अपना इस्तीफा लेकर प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि जब पार्टी में सम्मान ही नहीं मिल रहा, तो पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है. हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष ने उनसे तेजस्वी यादव के विदेश से लौटने तक इंतजार करने की अपील की. बताया जा रहा है कि फिलहाल उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है. मुख्य प्रवक्ता से नाराजगी बनी वजह? पार्टी के अंदरूनी सूत्रों की मानें तो मृत्युंजय तिवारी की नाराजगी की बड़ी वजह मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव बताए जा रहे हैं. कई वर्षों से मृत्युंजय तिवारी राष्ट्रीय टीवी चैनलों पर आरजेडी का पक्ष रखते रहे हैं. लेकिन हाल के दिनों में उन्हें मीडिया में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने से रोका गया. इसी बात को लेकर उन्होंने पार्टी नेतृत्व से भी शिकायत की थी. माना जा रहा है कि यही विवाद इस्तीफे की सबसे बड़ी वजह बना. पार्टी नेताओं ने समझाने की कोशिश की जब मृत्युंजय तिवारी पार्टी कार्यालय पहुंचे, तब वहां कोषाध्यक्ष सुनील सिंह, तनवीर हसन समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे. सभी नेताओं ने उन्हें इस्तीफा वापस लेने की सलाह दी. वहीं, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने सार्वजनिक तौर पर इस्तीफा मिलने की बात से इनकार किया है. 'तेजस्वी को कई लोगों ने घेर रखा है' इस्तीफे के बाद मृत्युंजय तिवारी ने बयान जारी कर अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की. उन्होंने कहा कि पिछले छह से सात महीनों से उन्हें लगातार अपमानित महसूस कराया जा रहा है. इस मुद्दे पर उन्होंने कई बार तेजस्वी यादव से शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. मृत्युंजय ने यह भी आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव को कुछ लोगों ने पूरी तरह घेर रखा है. उनके मुताबिक, हालात ऐसे हैं कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं. आरजेडी लंबे समय से यादव और मुस्लिम वोटबैंक की राजनीति करती रही है. ऐसे में मृत्युंजय तिवारी पार्टी के प्रमुख ब्राह्मण चेहरे के रूप में पहचान रखते हैं. वह पिछले एक दशक से ज्यादा समय से मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते रहे हैं. ऐसे नेता का पार्टी से अलग होना आरजेडी के लिए राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तर पर नुकसानदायक माना जा रहा है.

'श्री श्री' के जरिए बड़े परदे पर नजर आएंगे पूजा हेगड़े और दुलकर सलमान

दुलकर सलमान ने अपनी 41वीं फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है। अब तक 'DQ41' के नाम से पहचानी जा रही इस फिल्म का नाम 'श्री श्री' रखा गया है। दुलकर ने सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इसकी अनाउंसमेंट की। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में दुलकर और पूजा हेगड़े खूबसूरत प्राकृतिक वादियों के बीच नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर 'लव विल स्पार्क अगेन' टैगलाइन भी लिखी गई है, जो फिल्म की रोमांटिक थीम की झलक देती है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए दुलकर और पूजा पहली बार बड़े परदे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब जाकर मेकर्स ने इसका नाम सामने रखा है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की कुछ झलकियां साझा की थीं।

धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका में

फिल्म का लेखन और निर्देशन रवि नेलाकुडिटी ने किया है। वहीं इसका निर्माण सुधाकर चेरुकुरी ने एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले किया है। इसमें धीक्षित शेट्टी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं और म्यूजिक जी.वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म को मल्टी लैंग्वेज पैन इंडिया फिल्म के रूप में 2026 में रिलीज किया जाएगा।

फिल्म निर्माण में उतरेंगी सना सईद, शेयर किया 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री सना सईद ने बतौर फिल्म निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर जश्न मनाया। उनको ड्राफ्ट (कहानी या स्क्रिप्ट का प्रारंभिक मसौदा) मिल गया है। सना सईद 'बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज' के तहत एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अभिनेत्री इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने कहा कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार 'बहुत असली' लगा। 'कुछ कुछ होता है' की एक्ट्रेस ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा, 'मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है।' उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है। मुझे एक्टिंग पसंद है, लेकिन मुझे फिल्म बनाना भी हमेशा से पसंद रहा है। मैं हमेशा से इसका अंदर से हिस्सा बनना चाहती थी। और इसे हाथ में पकड़ना बहुत असली लगता है। यह बहुत असली लगता है।' सना ने कैप्शन में लिखा, 'जिस चीज पर मैं कुछ समय से चुपचाप काम कर रही थी, वह आज सच हो गई। मुझे एक फीचर फिल्म के लिए अपने 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का पहला ड्राफ्ट मिला। एक स्क्रिप्ट। एक असली स्क्रिप्ट। एक ऐसी फिल्म के लिए जिसमें मैं एक्टिंग करूंगी, जिसे हम सब मिलकर शुरू से बना रहे हैं। जिस चीज का मैंने सपना देखा था, उसे हाथ में पकड़ने पर कैसा महसूस होता है, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसलिए मैंने बस अपने फोन पर बात की।

सना सईद अभी लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में रहती हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत मशहूर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी और बाद में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में नजर आई। इतने साल में, उन्होंने 'झलक दिखला जा 6,' 'नच बलिए 7,' और 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 7' जैसे पॉपुलर रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया है।

थोड़ा सब्र रखें, हैरान कर देगी 'टॉक्सिक'

यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। टीजर में दिखाए गए इंटीमेट सीन्स को लेकर कई यूजर्स ने फिल्म की आलोचना की और इसे जरूरत से ज्यादा बोल्ड बताया। कुछ लोगों ने सेंसर बोर्ड को लेकर भी अटकलें लगाई कि फिल्म के कई सीन काटे जा सकते हैं। इन प्रतिक्रियाओं के बीच फिल्म से जुड़ी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दर्शकों ने अभी फिल्म देखी ही नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। हुमा कहती हैं... 'टॉक्सिक में जितनी भी लीड एक्ट्रेसेस हैं, सभी ने शानदार काम किया है। गीतू मोहनदास एक बेहतरीन फिल्ममेकर हैं। उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके काम को पहचान मिली है। जब उन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मैं इस बात को लेकर उत्साहित थी कि एक महिला निर्देशक इतनी बड़े स्तर की फिल्म कैसे पेश करेंगी। इतनी बड़ी स्टार कास्ट किसी मजबूत कहानी के बिना एक साथ नहीं आती। दर्शकों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए क्योंकि पूरी फिल्म देखने के बाद ही सही तस्वीर सामने आएगी। यह सभी को शॉक्ड कर देगी। यह फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी।

कृति सेनन ने बताया क्यों करवाए एग्स फ्रीज

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे 'मिमी' फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।' फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं

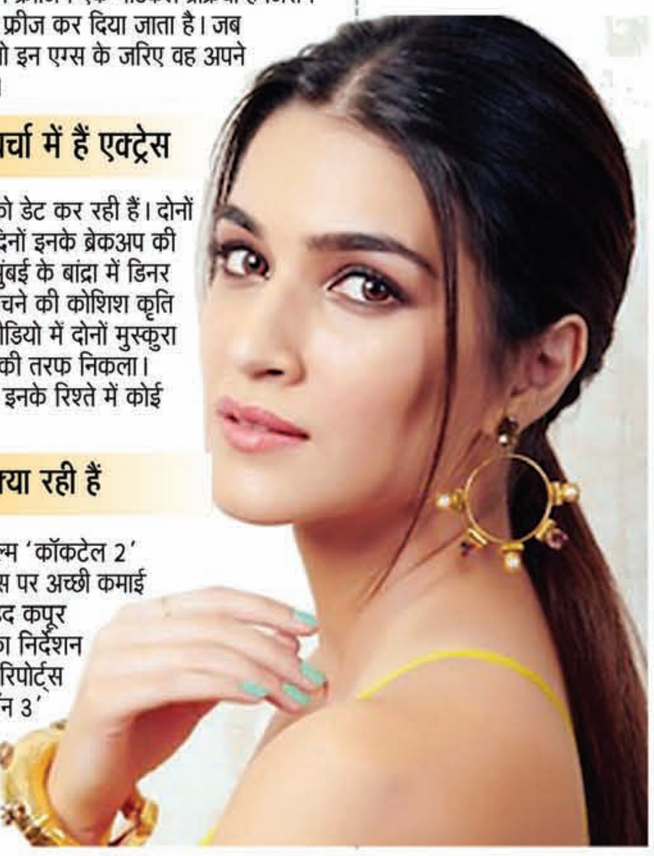

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

लोग सिर्फ इंडस्ट्री का ग्लैमर देखते हैं

करीब दो दशक से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं अनिता हसनंदानी ने छोटे पर्दे के कई दौर देखे हैं। सास-बहू सीरियल से लेकर ओटीटी तक का बदलाव देखा। बदलती हुई इंडस्ट्री के साथ उन्होंने खुद को भी बदला है। इन दिनों वह टीवी सीरियल 'तुम से तुम तक' में राजनंदिनी का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में अनिता ने अपने करियर, टीवी इंडस्ट्री और अपनी बदली हुई सोच पर खुलकर बात की है।

रिश्तों में बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं

सीरियल 'तुम से तुम' में अनिता का किरदार राजनंदिनी अपने मन की बात को खुलकर कहता है। क्या असल जिंदगी में अनीता हसनंदानी भी ऐसी हैं। इस पर वह कहती हैं, 'मैं अपने बारे में ऐसा तो नहीं कहूंगी। मुझे लगता है कि जिंदगी में कोई भी पूरी तरह सॉर्टेड नहीं होता है। हां, मैं अपनी फीलिंग्स को लेकर हमेशा ईमानदार रही हूं। रिश्तों में मुझे बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं। मुझे रिश्तों में साफगोई पसंद है। शायद यही वजह है कि मैं राजनंदिनी से भी तुरंत जुड़ गई। उसके अंदर एक गरिमा है, एक सादगी है।' वह आगे कहती हैं, 'मुझे इस सीरियल में रिश्तों की कई परतें दिखी हैं। कोई भी किरदार परफेक्ट नहीं है और यही बात इसे अलग बनाती है।'

अच्छी कहानियां और काम याद रहता है

सास-बहू से लेकर सुपरनैचुरल और ओटीटी तक, अनिता ने टीवी का हर दौर देखा है। लेकिन किसी ट्रेंड की आलोचना करने के बजाय वह खुद में आए बदलाव की बात करती हैं। अनीता कहती हैं, 'अगर एक चीज वापस नहीं आनी चाहिए, तो वो है खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालना। पहले मैं छोटी-छोटी बातों पर बहुत परेशान हो जाती थी। अब समझ आया है कि प्रोसेस पर भरोसा रखना चाहिए। आखिर में ट्रेंड नहीं अच्छी कहानियां और अच्छा काम ही याद रहता है।' टीवी इंडस्ट्री को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी क्या है? इस सवाल पर अनिता जवाब देती हैं, 'लोगों को लगता है कि रोज टीवी पर दिखते हैं, तो शायद यह आसान काम होगा। लेकिन इसके पीछे कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा बहुत कम लोगों को है। लंबे वक्त तक शूटिंग, कम समय में तैयारी और लगातार इमोशनल सीन करना आसान नहीं होता है। लोग ग्लैमर देखते हैं लेकिन उसके पीछे का अनुशासन और मेहनत नहीं।'

आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं संचिता बसु

मां के सूट पहनकर 90 के दशक के गानों पर विडियो बनाने वाली भागलपुर (बिहार) की एक लड़की को शायद तब अंदाजा नहीं रहा होगा कि एक दिन लोग उसे उसके असली नाम से 'यादा उसके किरदार 'सान्विका' के नाम से पहचानेंगे। सोशल मीडिया से अभिनय तक का सफर तय करने वाली संचिता बसु आज भी खुद को सीखने की प्रक्रिया में मानती हैं। हाल ही में 'दुकरा के मेरा प्यार' सीजन-2 के लिए संचिता ने हमसे अपने संघर्ष, वायरल होने और अपने किरदार से मिले आत्मविश्वास पर खुलकर बात की।

यह बात बिल्कुल सच है कि मैं अपनी मां के कपड़े पहनकर रील्स बनाती थी। मां ही मेरे विडियोज शूट किया करती थीं। ट्रडिशनल ड्रेस में लोग मेरे विडियोज पसंद करते थे। धीरे-धीरे मैं उसी में ढल गई। मेरी मम्मी सलमान खान की तगड़ी फैन हैं। वह नैशनल एथिलीट रही हैं। उन्होंने अपने कोच के कहने पर सलमान सर की फिल्म साजन और हम आपके हैं कौन थिएटर में देखने के लिए 500 मीटर की दौड़ जाती थीं। मैं नौवीं क्लास में थी, स्कूल से आने से पहले तक मां मेरे लिए 90 'ह्य के गाने सिलेक्ट करके रखती थीं। फिर मैं मां के सूट पहनकर फटाफट 10-12 विडियोज शूट करती थी। मेरी खिड़की से हवा आती थी, बाल उड़ रहे होते थे और मैं विडियोज बनाती थी। यह हमारा रूटीन था। स्कूल में चाहे कितना भी बोरिंग दिन रहा हो, मैं यही सोचती थी कि घर जाकर विडियोज बनाऊंगी।

फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरा रूटीन है

सोशल मीडिया आज छिपे टैलंट को मुकाम दे रहा है। मुझे भी पहला काम (फिल्म फर्स्ट डे, फर्स्ट शो) उसी के जरिए मिला। मैं सोशल मीडिया पर जो विडियोज डालती हूं, उसमें गानों की लिप्सिंग रहती है लेकिन ऐक्टिंग एक अलग प्रकिया है। अपनी आवाज को ऐक्ट के साथ सामने लाना और जिस फील के साथ आप सीन शूट कर रहे हो, लोगों तक पहुंचाना इतना आसान नहीं है। बतौर कलाकार मैं इसका मजा ले रही हूं। फिल्में देखना, अखबार पढ़ना मेरी दिनचर्या में शामिल हो गया है क्योंकि मैं अपना क्राफ्ट बेहतर करने की कोशिश में लगी रहती हूं। मैंने थिएटर के लोगों के साथ काम किया है तो उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं चाहती हूं कि लोग बोलें कि मैं अ'छी कलाकार हूं।

बाइक चलाते समय कई बार गिरी

संचिता, सान्विका से बिल्कुल विपरीत है। वह बहुत शांत लड़की है, किसी की बात अगर बुरी भी लग जाए तो भी जल्दी अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करती है। कोने में अकेले जाकर रो लेती है। वहीं, सान्विका बिंदास और बेहद जिद्दी है। उसने मुझे एक स्ट्रेंथ दी है। आज मैं कहीं जाती हूं तो लोग मुझे सान्विका के नाम से बुलाते हैं। 12वीं तक मैं गर्ल्स कॉलेज में पढ़ी थी, उसके बाद 'फर्स्ट डे फर्स्ट शो' की शूटिंग में व्यस्त हो गई तो कॉलेज जाना नहीं हो पाता था। इस किरदार में मुझे कॉलेज लाइफ जीने का मौका भी मिला। मैं जुलाई में अपने ग्रैजुएशन के फाइनल इयर के एग्जाम देने वाली हूं। इस किरदार के लिए ही मैंने बाइक चलाना सीखी। पहले सीजन में बाइक चलाने के दौरान तो मैं कई बार गिरी हूं। हम लोग एक सीक्वेंस शूट कर रहे थे, उस दौरान चार टेक हुए और मैं काफी नर्वस हो गई थी। हर बार ढलान पर बाइक चढ़ाते समय मैं गिर जाती थी। पांचवें टेक में वो शॉट पूरा हुआ था।

पापा से बहुत प्यार करती हूं

हां, यह भी हकीकत है कि मैंने अपने नाम के आगे मां बीना और पापा सुरेंद्र का पहला अक्षर मिलाकर 'बसु' लगाया है। मैं पापा से बहुत प्यार करती हूं। अभी कुछ समय पहले हमारे पटना इवेंट में वह आए थे। मैं उनकी आंखों में आंसू देखकर अपने लिए खुशी देख पा रही थी। मुझे उनको हमेशा गर्व महसूस करवाना है। पापा चाहते थे कि मैं यूपीएससी करूं और मम्मी का सपना था कि मैं डॉक्टर बन जाऊं लेकिन मैं धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मुझे भी नहीं पता था कि मैं कभी इस लाइन को चुनूंगी, बस मुझे मजा आ रहा था। अब यहां काम कर रही हूं तो अपनी जिम्मेदारी का अहसास हो रहा है क्योंकि फैंस आपसे अपेक्षा रखते हैं। मैं ऐसी हूं कि मुझे सोशल मीडिया पर भी लोग ट्रोल नहीं करते हैं।

रूट की बेहतरीन पारी की बदौलत इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर वनडे सीरीज 1-1 से की बराबर

एजेंसी

कार्डिफ : जो रूट की जिम्मेदारी भरी नाबाद 99 रन की पारी के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को चार विकेट से हरा दिया। सोफिया गार्डन्स में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने 234 रन के लक्ष्य को 44.1 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई और अब रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे निर्णायक मुकाबला होगा। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने भारत को 44 ओवर में 233 रन पर समेट दिया। भारत की ओर से विराट कोहली ने 65 और श्रेयस अय्यर ने 66 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। कप्तान शुभमन गिल ने 31, रोहित शर्मा ने 26 और जसप्रीत बुमराह ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। गस एटकिंसन ने भी तीन विकेट हासिल किए, जबकि साकिब महमूद को दो सफलता मिली। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरूआत बेहद खराब रही। बेन डकेट, जैकब बेथेल और कप्तान हैरी ब्रूक सस्ते में आउट हो गए, जिससे टीम 53 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद अनुभवी जो रूट ने एक छोर संभाले रखा और संयम के साथ पारी को आगे बढ़ाया। रूट को सैम करन (26), विल जैक्स (30) और अंत में गस एटकिंसन (नाबाद 23) का अच्छा साथ मिला। रूट अपने शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए, लेकिन उनकी नाबाद 99 रन की पारी ने इंग्लैंड को 35 गेंद शेष रहते जीत दिला दी। यह उनके वनडे करियर का लगातार पांचवां 50 से अधिक का स्कोर भी रहा।

भारतीय गेंदबाजों ने शुरूआत में बनाया दबाव

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पहली ही गेंद पर विकेट लेकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार ने भी शुरूआती सफलता दिलाई, लेकिन मध्यक्रम में रूट की सूझबूझ भरी बल्लेबाजी के सामने भारतीय गेंदबाज मैच पर पकड़ बनाए नहीं रख सके।

गुरनूर बरार ने दो विकेट लिए, जबकि अन्य गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट लेने में सफल नहीं रहे।

कोहली और अय्यर ने संभाली थी भारतीय पारी

भारत की पारी की शुरूआत भी खास नहीं रही, लेकिन विराट कोहली और श्रेयस अय्यर ने चौथे विकेट के लिए 67 रन जोड़कर टीम को संभाला। कोहली ने सात चौकों की मदद से 65 रन बनाए, जबकि अय्यर ने 66 रन की जुझारू पारी खेली। हालांकि, आर्चर ने लगातार झटके देकर भारत की पारी को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। अंतिम ओवरों में बुमराह ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन भारत 233 रन से आगे नहीं बढ़ सका।

संक्षिप्त स्कोर

भारत : 233 ऑल आउट (44 ओवर), श्रेयस अय्यर 66, विराट कोहली 65, शुभमन गिल 31, रोहित शर्मा 26, जसप्रीत बुमराह नाबाद 20।

गेंदबाजी (इंग्लैंड): जोफ्रा आर्चर 3/47, गस एटकिंसन 3/50, साकिब महमूद 2 विकेट।

इंग्लैंड: 235/6 (44.1 ओवर)

जो रूट नाबाद 99, विल जैक्स 30, सैम करन 26, गस एटकिंसन नाबाद 23।

गेंदबाजी (भारत): गुरनूर बरार 2 विकेट।

पीवी सिंधु जापान ओपन के सेमीफाइनल में, अब चीन की चेन यूफेई से होगी टक्कर

एजेंसी

टोक्यो : भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी और मेजबान जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण मुकाबले से हट गईं, जिसके चलते सिंधु को वॉकओवर मिल गया। इस जीत के साथ सिंधु ने वर्ष 2023 के डेनमार्क ओपन के बाद पहली बार किसी सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। साथ ही यह वर्ष 2026 में उनका तीसरा सेमीफाइनल भी है, जो इस सीजन में उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। सत्र की शुरूआत विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से करने वाली सिंधु अब शीर्ष-10 में वापसी कर चुकी हैं और वर्तमान में विश्व नंबर-9 हैं। सेमीफाइनल में सिंधु का सामना चीन की पूर्व ओलंपिक चैंपियन और विश्व नंबर-4 चेन यूफेई से होगा। चेन ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। सिंधु और चेन के बीच अब तक 14 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें चीनी खिलाड़ी 8-6 से आगे हैं। खास बात यह है कि सिंधु पिछले पांच मुकाबलों में लगातार चेन से हार चुकी हैं। ऐसे में सेमीफाइनल मुकाबला सिंधु के लिए बड़ी चुनौती होगा। यदि वह इस मुकाबले में जीत दर्ज करती हैं तो न केवल चेन के खिलाफ अपनी हार का सिलसिला समाप्त करेंगी, बल्कि लगभग तीन वर्षों बाद किसी सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल में भी जगह बना लेंगी।

कोहली और गंभीर के बीच किसी 'ब्रिज' की जरूरत नहीं : सितांशु कोटक

एजेंसी

कार्डिफ : भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बीच मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच नियमित बातचीत होती है और उन्हें किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत की चार विकेट से हार के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोटक ने स्पष्ट किया कि अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली से उनकी बातचीत केवल बल्लेबाजी से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच संवाद का माध्यम बने हुए हैं, तो कोटक ने कहा, ₹नहीं, विराट और गौतम आज ही शायद 10-12 बार बात कर चुके होंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी ब्रिज की जरूरत है। कोटक ने बताया कि विराट ने खुद बल्लेबाजी से जुड़े कुछ पहलुओं पर उनसे चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि इतने अनुभवी बल्लेबाज को बिना जरूरत तकनीकी सलाह देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा, विराट बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले कुछ चीजों पर बात करना चाहते थे। ईमानदारी से कहूं तो जब तक उन्हें खुद किसी बात की जरूरत महसूस न हो या कोई बड़ी तकनीकी बात नजर न आए, तब तक उनकी बल्लेबाजी में ज्यादा दखल नहीं देना चाहिए।

फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद बेलिंघम का भावुक संदेश बोले-

एकजुट रहेंगे तो बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली : फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर जूड बेलिंघम ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा किया है। उन्होंने टीम को पूरे टूर्नामेंट में मिले शानदार समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए देशवासियों से एकजुटता बनाए रखने की अपील की। रियल मैड्रिड के मिडफील्डर बेलिंघम ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर लिखा कि सेमीफाइनल में मिली हार के बाद उन्हें अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन प्रशंसकों का प्यार और समर्थन उनके लिए बेहद खास रहा। बेलिंघम ने अपने संदेश में लिखा, कल और पिछले कुछ हफ्तों को लेकर सही शब्द ढूंढना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। लेकिन हमारे ड्राइवर ने जो कहा, उसने मेरी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। इंग्लैंड में मौजूद सभी लोगों और उन प्रशंसकों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया।

उन्होंने आगे कहा, इस अभियान के साथ हमारे देश में दिखाई दी एकजुटता और प्यार खत्म नहीं होना चाहिए। जब हम साथ होते हैं तो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं... और हम जरूर करेंगे। आप सभी से प्यार। इंग्लैंड का विश्व कप अभियान सेमीफाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की हार के साथ समाप्त हुआ। इंग्लैंड ने मुकाबले में शुरूआती बढ़त बनाई थी, लेकिन अर्जेंटीना के एंजो फर्नांडीज ने बराबरी का गोल दाग दिया।

आईसीसी एंटी डोपिंग नियमों के उल्लंघन में पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद नवाज पर लगा तीन माह का प्रतिबंध

एजेंसी

दुबई : पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को आईसीसी एंटी-डोपिंग संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद तीन महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। उन्होंने आरोप स्वीकार कर लिया है और नशीले पदार्थों के उपचार कार्यक्रम में शामिल होने पर सहमति जताई है, जिसके बाद उनकी प्रतिबंध अवधि में राहत दी जाएगी। आईसीसी के अनुसार 32 वर्षीय नवाज का डोप टेस्ट 7 फरवरी, 2026 को श्रीलंका के कोलंबो में खेले गए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप मुकाबले के बाद किया गया था। यह मैच पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेला गया था। जांच में उनके नमूने में कार्बोक्सी-टीएचसी नामक प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया, जिसे आईसीसी एंटी-डोपिंग संहिता के तहत 'सब्सटेंस ऑफ एब्यूज' की श्रेणी में रखा गया है। मोहम्मद नवाज ने नियमों के उल्लंघन की बात स्वीकार करते हुए यह भी साबित किया कि उन्होंने इस पदार्थ का सेवन प्रतियोगिता के दौरान नहीं किया था और इसका खेल प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद आईसीसी ने उन पर तीन महीने के प्रतिबंध का फैसला सुनाया। यह प्रतिबंध 1 मई 2026 से प्रभावी माना गया है, जिस दिन उन्होंने स्वेच्छा से अस्थायी निलंबन स्वीकार किया था। आईसीसी ने बताया कि यदि नवाज निर्धारित नशीले पदार्थों के उपचार कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तो उनकी प्रतिबंध अवधि तीन महीने से घटाकर एक महीने कर दी जाएगी। चूंकि, नवाज पहले ही लगभग ढाई महीने का निलंबन झेल चुके हैं, इसलिए उपचार कार्यक्रम पूरा करने के बाद उन्हें अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं भुगतना पड़ेगा और उनका अस्थायी निलंबन भी हटा दिया गया है। आईसीसी एंटी-डोपिंग संहिता के प्रावधानों के अनुसार 7 फरवरी, 2026 को नीदरलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मोहम्मद नवाज के प्रदर्शन के साथ-साथ उसके बाद 1 मई, 2026 तक खेले गए सभी मैचों में उनके व्यक्तिगत रिकॉर्ड अमान्य घोषित कर दिए गए हैं।

राष्ट्रीय एंटी डोपिंग अधिनियम लागू, खिलाड़ियों के अधिकारों की सुरक्षा और स्वच्छ खेल व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत सरकार ने राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग अधिनियम, 2022 तथा राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित कर लागू कर दिया है। इसके साथ ही देश में स्वच्छ खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कानूनी एवं संस्थागत ढांचे को और मजबूत किया गया है। सरकार के अनुसार नया कानून खेलों में डोपिंग की रोकथाम, खिलाड़ियों के अधिकारों की रक्षा और खेल प्रतियोगिताओं की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए व्यापक कानूनी आधार प्रदान करेगा। यह व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किए गए एंटी-डोपिंग मानकों के अनुरूप तैयार की गई है। राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग अधिनियम भारत की एंटी-डोपिंग प्रणाली को विश्व एंटी-डोपिंग संहिता (वर्ल्ड एंटी-डोपिंग कोड) के अनुरूप बनाया गया है। साथ ही यह खेलों में डोपिंग के खिलाफ यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तहत भारत की प्रतिबद्धताओं को भी पूरा करेगा।सरकार का कहना है कि नए कानून से एंटी-डोपिंग संस्थाओं की स्वतंत्रता मजबूत होगी, खिलाड़ियों को बेहतर प्रक्रियागत सुरक्षा मिलेगी, विवादों के समाधान की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी और देश की एंटी-डोपिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता बढ़ेगी। अधिनियम के तहत सभी खेलों में डोपिंग रोधी उपायों को कानूनी आधार दिया गया है। इसमें डोप परीक्षण, परिणाम प्रबंधन, खिलाड़ियों को जागरूक करने, खुफिया जानकारी जुटाने और जांच की स्पष्ट व्यवस्था की गई है। साथ ही पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए खिलाड़ियों के अधिकारों की रक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) अधिनियम, 2025 के माध्यम से एंटी-डोपिंग प्रशासन की संरचना को और मजबूत किया गया है। इसका उद्देश्य संस्थागत स्वायत्तता बढ़ाना तथा भारत की एंटी-डोपिंग व्यवस्था को बदलते वैश्विक मानकों और सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप बनाना है। सरकार ने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से भारत में पारदर्शी, निष्पक्ष और खिलाड़ी-केंद्रित एंटी-डोपिंग व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह खेलों में ईमानदारी, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्टता के मूल्यों को मजबूत करेगा तथा भारतीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समान अवसर सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

संक्षिप्त खबरें

आईएसएसएफ विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे 'गन फॉर ग्लोरी' के चार निशानेबाज

नई दिल्ली : गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन (गन फॉर ग्लोरी) के चार निशानेबाज आगामी आईएसएसएफ विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। चीन के हांगझोउ में 20 से 29 जुलाई तक होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी चुनौती पेश करेंगे। फाउंडेशन की ओर से ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल टीम की अगुवाई करेंगे। एलावेनिल महिला 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, जबकि रुद्राक्ष पुरुष 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे। इनके अलावा फाउंडेशन की उभरती हुई निशानेबाज साक्षी सुनील पडेकर (महिला 10 मीटर एयर राइफल) और शाहू तुषार माने (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल) भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। दोनों खिलाड़ी घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन और अकादमी में लंबे समय तक की गई तैयारी के बाद विश्व कप में उतरेंगे। पिछले तीन वर्षों से गन फॉर ग्लोरी अकादमी से जुड़ी साक्षी सुनील पडेकर ने हाल के दिनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। विश्व कप से पहले उन्होंने फाउंडेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा, ₹मेरा पूरा ध्यान एक समय में एक शॉट पर रहेगा। यही सोच अब तक मेरे लिए कारगर रही है। पिछले कुछ सप्ताह में हमने तकनीकी पहलुओं पर काफी काम किया है और मुझे अपनी तैयारी तथा अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है। हर प्रतियोगिता सीखने का अवसर होती है और मैं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए उत्साहित हूं। पुरुष वर्ग के निशानेबाज शाहू तुषार माने भी पिछले ढाई वर्षों से गन फॉर ग्लोरी अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। हाल ही में एयर राइफल ट्रायल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले शाहू ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर ध्यान देना है। उन्होंने कहा, ₹मैं विश्व कप में किसी विशेष लक्ष्य के साथ नहीं जा रहा हूं। जब मैंने हाल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, तब मैं केवल खेल का आनंद ले रहा था और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। इस बार भी मैं उसी सोच के साथ उतरूंगा। यदि मैं अपनी दिनचर्या का पालन करूं और हर पल का आनंद लेते हुए निशाना लगाऊं, तो परिणाम अपने आप मिल जाएंगे। पदक जीतना निश्चित रूप से खास होगा, लेकिन मेरी प्राथमिकता अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन करना है। हांगझोउ में होने वाला आईएसएसएफ विश्व कप भारतीय राइफल निशानेबाजों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। यह प्रतियोगिता आने वाली प्रमुख अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारियों के लिहाज से भी भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है।

लुइस सुआरेज ने रोनाल्डो नाजारियो को बताया 'सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9', साझा की तस्वीर

मोंटेवीडियो : उरुग्वे के स्टार फुटबॉलर लुइस सुआरेज ने ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डो नाजारियो के साथ मुलाकात के बाद भावुक पोस्ट साझा करते हुए उन्हें सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9 बताया है। सुआरेज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रोनाल्डो नाजारियो के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, ₹सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9! रोनाल्डो नाजारियो को फुटबॉल इतिहास के महानतम स्ट्राइकरों में गिना जाता है। उन्होंने ब्राजील को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी और अपने शानदार करियर के दौरान कई व्यक्तिगत और टीम सम्मान हासिल किए। इससे पहले फीफा विश्व कप 2026 के दौरान इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के साथ भी एक खास पल साझा किया था। सुआरेज ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, एक शानदार नंबर-9 के साथ! आपसे मिलकर खुशी हुई। तस्वीर में सुआरेज और केन एक-दूसरे की नंबर-9 जर्सी थामे नजर आए। दोनों दिग्गज स्ट्राइकरों ने गर्मजोशी से मुलाकात की और आपस में जर्सी का आदान-प्रदान किया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गई।

जो रूट एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो अभी भी पुराने वनडे माइंडसेट के साथ खेलते हैं : कुंबले

कार्डिफ : पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के लिए जो रूट का असर वैसा ही है जैसा भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और रोहित शर्मा का है। अनुभवी खिलाड़ी ने दूसरे वनडे में शानदार नाबाद 99 रन की पारी खेलकर मेजबान टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई और सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की। रूट ने सोफिया गार्डन्स में 234 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 133 गेंदों पर नाबाद 99 रन बनाए। अनुभवी ओपनर शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए क्योंकि गस एटकिंसन ने 35 गेंदें बाकी रहते हुए विजयी बाउंड्री लगाई। रूट की पारी पर बात करते हुए कुंबले ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान के पारंपरिक वनडे अंदाज और दबाव झेलने की क्षमता पर जोर दिया। कुंबले ने जियो हॉटस्टार से कहा, 'इंग्लैंड के लिए जो रूट वैसे ही हैं जैसे भारत के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा। रूट उस इंग्लैंड टीम में एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो अभी भी पुराने वनडे माइंडसेट के साथ खेलते हैं। दूसरे बल्लेबाज शुरू से ही आक्रामक खेल रहे थे, लेकिन रूट ने समय लिया, पारी को संभाला और लक्ष्य का पीछा करते हुए शांति बनाए रखी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, 'स्ट्राइक रोटेट करने और गैप ढूंढने की उनकी क्षमता उन्हें बेहद भरोसेमंद बनाती है। आप जानते हैं कि वह गलत समय पर जोखिम भरा शॉट नहीं खेलेंगे। खेल की ऐसी समझ बहुत कीमती होती है।' कुंबले ने रूट के अंदाज की तुलना इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक से की और कहा कि हालात में आक्रामकता के बजाय धैर्य की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक और जो रूट के बीच अंतर साफ था। ब्रूक ने ऐसे हालात में ळ20 शॉट खेलने की कोशिश की जो इसके अनुकूल नहीं थे, जबकि रूट ने वनडे बल्लेबाजी का बेहतरीन नमूना पेश किया।' भारत के पूर्व कोच ने रूट की बल्लेबाजी की सोच की तुलना कोहली और रोहित से भी की और बिना अनावश्यक जोखिम उठाए लगातार रन बनाने की क्षमता के लिए तीनों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'रूट, कोहली और रोहित को जो चीज इतना सफल बनाती है, वह यह है कि उनके रन बनाने का तरीका बहुत आसान लगता है। वे पहले से कोई योजना नहीं बनाते। वे गेंद के हिसाब से प्रतिक्रिया देते हैं। वे ज्यादा जोखिम और ज्यादा इनाम वाले क्रिकेट के बजाय कम जोखिम और ज्यादा इनाम वाला क्रिकेट खेलते हैं। जब आपके पास ऐसी क्लास, ग्रेस और सोच होती है, तो यह पूरी टीम के लिए काम आसान कर देता है।'

विकसित भारत के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवाओं पर देना होगा जोर : मोदी

एजेंसी

चंडीगढ़ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के कार्यक्रम में कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकी, नवाचार और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर केंद्रित दृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भारत दुनिया से मदद मांगने वाला नहीं, बल्कि दुनिया को सहायता पहुंचाने वाला देश बनकर उभरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ केवल एक शहर नहीं, बल्कि सुनियोजित विकास, बेहतर जीवनशैली और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का मॉडल है। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल

प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए चंडीगढ़ स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है और एनडीए सरकार इसके विकास को निरंतर प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। वर्ष 2014 के बाद 15 नए एम्स को मंजूरी दी गई, सैकड़ों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विशेष अस्पतालों का विस्तार किया गया। अब देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है तथा एमबीबीएस और स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है।

उन्होंने घोषणा की कि पीजीआई चंडीगढ़ में एमबीबीएस कॉलेज को भी मंजूरी मिल गई है और शीघ्र ही यहां प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत देशभर में लगभग 1.75 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हो रहे हैं, जहां उपचार के साथ 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से अब तक 48 करोड़ से अधिक ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श दिए जा चुके हैं, जिससे दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार टीबी मुक्त भारत अभियान को भी तेजी से आगे बढ़ा रही है। समय पर जांच और उपचार के कारण टीबी के इलाज का दायरा 90 प्रतिशत से अधिक हो गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में भारत में टीबी संक्रमण में 21 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय दुनिया भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर चिंतित रहती थी, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान भारत ने पूरी दुनिया की सोच बदल दी। उन्होंने कहा, "कोरोना के समय भारत मदद नहीं मांग रहा था, बल्कि दुनिया को दवाइयां और सहायता भेज रहा था।" उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर से लोग इलाज के लिए भारत आ रहे हैं, जो पिछले 12 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सुधारों का परिणाम है।

एक नजर

देहरादून एयरपोर्ट पहुंचने पर राहुल गांधी का हुआ स्वागत

देहरादून : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार दोपहर जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे, जहां प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने राहुल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। एयरपोर्ट से राहुल गांधी सड़क मार्ग से देहरादून शहर के लिए रवाना हुए। कांग्रेस के अनुसार राहुल गांधी पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे और इसके बाद बन्नू स्कूल मैदान में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्रों और युवाओं से संवाद करेंगे। प्रशासन ने उनके दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।

राजेश कुमार बने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के लोको पायलट

चंडीगढ़ : हरियाणा के जींद से शुरू हुई देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को पहली बार चलाने का सौभाग्य लोको पायलट राजेश कुमार व सहायक लोको पायलट गगनदीप सिंह को मिला। दोनो कर्मचारियों ने कई माह की ट्रेनिंग के बाद आज कमान संभाली। रेलवे कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें आज का यह सफर जीवन भर याद रहेगा।

राजेश कुमार जींद मुख्यालय में तैनात हैं। वह लोको पायलट (पैसेंजर) हैं। उन्हें भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन की जिम्मेदारी मिली है। राजेश कुमार ने बताया कि हाइड्रोजन ट्रेन पूरी तरह नई तकनीक पर आधारित है। इसमें पारंपरिक ट्रेनों की तुलना में अधिक पावर है। यह साउंड प्रूफ है और इससे पर्यावरण में किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं होता। इसकी पिक-अप भी काफी बेहतर है, जिससे ट्रेन का संचालन अधिक सुगम और प्रभावी होता है। कुमार ने बताया कि इस ट्रेन में हाइड्रोजन फ्यूल सेल लगाया गया है। फ्यूल सेल में करीब 8.5 बार के दबाव से हाइड्रोजन गैस भेजी जाती है, जबकि दूसरी ओर से ऑक्सीजन प्रवेश करती है। दोनों के बीच होने वाली रासायनिक प्रक्रिया से बिजली, जलवाष्प (भाप) और पानी उत्पन्न होते हैं। बिजली ट्रेन को चलाने का काम करती है, जलवाष्प वातावरण में निकल जाती है और पानी नीचे निकल जाता है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के सफल संचालन में जींद मुख्यालय में तैनात सीनियर असिस्टेंट लोको पायलट गगनदीप सिंह की भूमिका अहम है। उन्हें भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन के लिए स्पेशल ट्रेनिंग दी गई है। शुक्रवार को जींद पहुंचे रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव तथा अन्य वीवीआईपी को गगनदीप सिंह ने ही ट्रेन के संचालन के बारे में पूरी जानकारी प्रदान की।

देश के स्वास्थ्य शिक्षा संस्थानों में पांच साल में बढ़ाई जाएंगी 75 हजार मेडिकल सीटें : नड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़ : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि भारत अब विश्व के उन देशों में शामिल हो गया है, जहां सर्वाधिक डॉक्टर तथा मेडिकल प्रोफेशनल तैयार हो रहे हैं। इसी के चलते आगामी पांच साल के भीतर देश के स्वास्थ्य शिक्षा संस्थानों में यूजी तथा पीजी कक्षाओं के लिए 75 हजार सीटें बढ़ाई जाएंगी। पहले चरण में 25 हजार सीटें बढ़ाई जा चुकी हैं, जिससे देश वासियों को आने वाले समय में डाक्टर तथा मेडिकल प्रोफेशनल मिलेंगे। जेपी नड्डा शुक्रवार को चंडीगढ़ में करीब 4700 करोड़ रुपये की लागत से तैयार स्वास्थ्य एवं बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के उदघाटन एवं आधारशिला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि वर्ष 2017 में बनी स्वास्थ्य नीति ने देश के अंतिम पायदान पर बैठने वाले व्यक्ति की चिंता की है। यह पिछली स्वास्थ्य नीति से बिल्कुल अलग थी, इसका विजन अलग था। यह एक व्यापक और समावेशी स्वास्थ्य नीति थी। इसका मकसद सिर्फ. बीमारों का इलाज करना नहीं, बल्कि बीमारी को रोकना भी था। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है। आज देश में एक लाख 85 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर चल रहे हैं। पहले जहां इस देश में 387 मेडिकल कॉलेज होते थे, वहीं आज एक लाख 38 हजार यूजी सीट के साथ 818 मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं। आज देश में 23 से अधिक एक्स कार्य कर रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना आज विश्व की सबसे बड़ी मेडिकल कवरेज वाली योजना साबित हुई है, जिसके माध्यम से 90 करोड़ देशवासियों को आयुष्मान कार्ड दिए जा चुके हैं।

पहली तिमाही में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने ग्राहकों को 4,666 करोड़ के दावों और मैच्योरिटी का किया भुगतान

एजेंसी

मुंबई : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने जून 2026 में समाप्त पहली तिमाही में 386 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 27.8% ज्यादा है। इस दौरान, कंपनी के टर्म प्लान (रिटेल प्रोटेक्शन) कारोबार में भी 60.4% की मजबूत बढ़त दर्ज की गई। साथ ही, कंपनी के निदेशक मंडल ने कंपनी का नाम बदलकर 'आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। कंपनी के एमडी और सीईओ अनुप बागची ने कहा, ₹हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता हमेशा ग्राहक रहे हैं। पहली तिमाही में 99.3% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो और बिना जाँच की

- पहली तिमाही में टर्म प्लान कारोबार में 60.4% की बढ़ोतरी
- 99.3% क्लेम सेटलमेंट रेशियो के साथ कंपनी रही इंडस्ट्री में सबसे आगे
- शुद्ध मुनाफा 27.8% बढ़कर 386 करोड़ रुपए पहुंचा

जरूरत वाले दावों का औसतन सिर्फ एक दिन में भुगतान इस बात का प्रमाण है कि मुश्किल समय में हम अपने ग्राहकों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। इस तिमाही के दौरान हमने मृत्यु दावों के तहत 1,306 करोड़ रुपए का भुगतान किया, जबकि मैच्योरिटी और सर्वाइवल बेनेफिट्स के रूप में 3,360 करोड़ रुपए ग्राहकों को दिए। वित्त वर्ष 2025-26 में भी कंपनी ने मृत्यु दावों के तहत 5,149 करोड़ रुपए और मैच्योरिटी व सर्वाइवल बेनेफिट्स के रूप में 15,363 करोड़ रुपए का भुगतान किया।"

उन्होंने आगे कहा, "पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 27.8% बढ़कर 386 करोड़ रुपए रहा। वहीं, हमारे रिटेल प्रोटेक्शन कारोबार में 60.4% की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह इस बात का संकेत है कि हम देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जीवन बीमा सुरक्षा पहुँचाने के अपने लक्ष्य पर लगातार काम कर रहे हैं।

मक्का की उपज करने वाले किसानों को मिला बड़ा बाजार

एजेंसी

पटना : फसल तैयार होने के बाद सबसे बड़ी चिंता होती है कि उपज सही दाम पर और बिना परेशानी के बिक जाए। यदि खरीद की व्यवस्था मजबूत हो तो किसानों का समय भी बचता है और उनकी मेहनत का बेहतर फायदा भी मिलता है। इसी दिशा में आर्या.एजी ने रीगाल के साथ मिलकर बिहार में मक्का खरीद नेटवर्क को और मजबूत किया है। सीमांचल, बिहार में इस सीजन के दौरान आर्या.एजी की फील्ड टीम ने 3 करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य की मक्का खरीद पूरी की। इसके लिए आर्या एग्री वैल्यू रिसोर्स सेंटर्स (एवीआरसी), सीवीआरपीज, फील्ड टीमों और 20 किसान उत्पादक संगठनों ने मिलकर किसानों को सीधे रीगाल से जोड़ने का काम किया। टीम ने किसानों को मक्का सुखाने का सही तरीका बताया, नमी की जाँच कराई, गुणवत्ता की जाँच में मदद की और डिस्पैच तक पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी। इससे किसानों को खरीदारों की जरूरतें समझने में आसानी हुई और एफपीओ भी संगठित खरीद

प्रक्रिया का हिस्सा बन सके। आर्या.एजी के चीफ बिजनेस ऑफिसर रितेश रमन ने कहा, "बिहार का मक्का उत्पादन देश की ग्रेन वैल्यू चेन में तेजी से अहम बन रहा है। एफपीओ और छोटे किसानों को भरोसेमंद खरीदारों से जोड़कर उन्हें बेहतर बाजार और ज्यादा मूल्य दिलाया जा सकता है।"रीगाल रिसोर्सेज के प्रोक्योरमेंट हेड विवेक लिल्हा ने कहा, "आर्या.एजी के साथ साझेदारी से खरीद प्रक्रिया ज्यादा व्यवस्थित हुई। गुणवत्ता जांच, डिस्पैच प्लानिंग और एफपीओ के साथ बेहतर तालमेल से हमें अपनी जरूरत के मुताबिक बेहतर गुणवत्ता वाला मक्का मिल सका। आर्या.एजी के नेशनल इम्प्लीमेंटेशन लीड शोएब अख्तर ने कहा, जब किसानों को कीमत, गुणवत्ता और खरीदार की जरूरतों की सही जानकारी मिलती है, तब खरीद प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी और भरोसेमंद बनती है। इस सीजन में 1,500 मीट्रिक टन से ज्यादा मक्का की सफल खरीद हुई। आर्या.एजी अब अगले सीजन के लिए भी एफपीओ, सीवीआरपीज और खरीदारों के साथ मिलकर किस्मवार मक्का खरीद की तैयारी कर रहा है। कंपनी का मानना है कि किसानों को सही जानकारी, मजबूत खरीद व्यवस्था और भरोसेमंद बाजार मिलें, तो उनकी आय बढ़ाने का रास्ता भी आसान हो जाता है।

फोल्डेबल फोन के साथ एआई अनुभव को नई ऊंचाई देगा सैमसंग

एजेंसी

नयी दिल्ली : सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रेसिडेंट एवं सीईओ टीएम रोह ने कहा है कि जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अधिक स्मार्ट और व्यक्तिगत होता जा रहा है, डिवाइस का डिजाइन और उपयोग का अनुभव पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। गैलेक्सी अनपैक्ड से पहले जारी अपने वक्तव्य में रोह ने कहा, "जब एआई एक साथ कई कामों में हमारी मदद करता है, तब ऐसी स्क्रीन, जिसे मोड़ा और खोला जा सके, उपयोगकर्ताओं के लिए नई संभावनाएं पैदा करती है। यही फोल्डेबल स्मार्टफोन की सबसे बड़ी खासियत है। इन्हें मोड़कर आसानी से जेब या हाथ में रखा जा सकता है और खोलने पर बड़ी स्क्रीन का अनुभव मिलता है। इसी दिशा में सैमसंग लगातार अपने फोल्डेबल डिवाइसों को अधिक पतला, हल्का, मजबूत और बेहतर बना रहा है। उन्होंने कहा कि एआई का अगला दौर केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह उपयोगकर्ताओं की जरूरतों के अनुसार उनकी मदद करने वाला डिजिटल सहायक बनेगा। हालांकि अंतिम निर्णय हमेशा उपयोगकर्ता का ही रहेगा। रोह ने कहा, "एआई किसी व्यक्ति की बेहतर मदद तभी कर सकता है, जब वह उसकी जरूरतों और पसंद को समझे। इसलिए सबसे अच्छे एआई अनुभव वही डिवाइस देंगे, जो अपने उपयोगकर्ताओं को सबसे बेहतर तरीके से जानते हों और उनका भरोसा जीत सकें।"उन्होंने बताया कि सैमसंग पिछले कई वर्षों से स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्टवॉच, टीवी और घरेलू उपकरणों सहित विभिन्न डिवाइसों के साथ ऐसा इकोसिस्टम तैयार कर रहा है, जिससे एआई उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग डिवाइसों पर सहज और एकीकृत अनुभव दे सके। उन्होंने आगे कहा, "बेहतर एआई वह है, जो बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के बैकग्राउंड में काम करे और उपयोगकर्ता को एक सहज अनुभव दे।

संक्षिप्त खबरें

आंध्र प्रदेश में अब तक 12 कोविड के मामले आए, चार की मौत

अमरावती : आंध्र प्रदेश में पिछले बीस दिनों से अब तक कोविड-19 के 12 मामले सामने आए हैं और इस अवधि में चार मरीजों की मौत हुई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरने वाले वे लोग हैं, जो पहले से ही कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे। स्वास्थ्य सचिव जी. वीरपांडियन बयान के अनुसार चारों मरीज उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गुर्दे की बीमारी और अन्य गंभीर बीमारियों जैसी पूर्व-मौजूदा चिकित्सीय स्थितियों से जूझ रहे थे। पहला मामला 26 जून को कडपा जिले में दर्ज किया गया था, जहां सबसे अधिक आठ मामले सामने आए हैं। गुंटूर जिले के मंगलपगिरी में दो मामले हैं और विशाखापत्तनम और काकीनाडा में एक-एक मामला है। वीरपांडियन ने कहा कि यह कोई 'क्लस्टर आउटब्रेक' नहीं है और ये मामले अलग-अलग मंडलों से सामने आए हैं। 26 जून से 15 जुलाई के बीच राज्य में कुल 67 लोगों की कोविड-19 के लिए जांच की गई। बयान में कहा गया है कि 01 जुलाई से देश भर में कोविड-19 के 339 मामले दर्ज किए गए हैं। सबसे अधिक मामले केरल (115) में दर्ज किए गए हैं, उसके बाद कर्नाटक (64), महाराष्ट्र (43), तमिलनाडु (39), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (18), दिल्ली (18) और राजस्थान (12) हैं। नेशनल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) की कोविड टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष राजीव जयदेवन का कहना है कि मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि कोरोना वायरस सहित श्वसन संबंधी वायरस का प्रसार एक चक्रीय पैटर्न में होता है और वे प्रतिरक्षा से बचने के लिए लगातार विकसित होते रहते हैं।

देश में इस वर्ष के अंत तक 350 रेलवे स्टेशनों का होगा नवनिर्माण : अश्विनी वैष्णव

जालंधर : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि देश में इस वर्ष के अंत तक देश में 350 रेलवे स्टेशनों का नवनिर्माण किया जाएगा। इस दिशा में तेज गति से कार्य चल रहा है। अश्विनी वैष्णव शुक्रवार को जालंधर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रेल मंत्री ने देश में अमृत स्टेशन योजना के तहत नवनिर्मित 75 रेलवे स्टेशनों का उदघाटन करने के बाद भविष्य का रोडमैप पेश किया। रेल मंत्री ने बताया कि आज देश के 20 राज्यों में 75 स्टेशनों का उद्घाटन किया गया है। इनमें पंजाब के जालंधर के अलावा आनंदपुर साहिब तथा साहिबजादा अजीत सिंह नगर रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने 1300 रेलवे स्टेशनों ने नवनिर्माण का खाका तैयार किया है, जिनमें से 261 स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं। अन्य स्टेशनों के नवीनीकरण का काम चल रहा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश के रेलवे स्टेशनों को आने वाले दशकों की क्षमता व जरूरतों को देखकर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व की केंद्र सरकारों के कार्यकाल के दौरान पंजाब में रेल बजट मात्र 225 करोड़ होता था। केंद्र की मोदी सरकार ने इसको हर साल बढ़ाया और आज यह बजट 5500 करोड़ तक पहुंच चुका है। रेल मंत्री ने बताया कि इस समय पंजाब में 30 हजार करोड़ की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। करीब 1800 करोड़ रुपये की लागत से 30 रेलवे स्टेशनों का नवनिर्माण किया जाएगा। इनमें से जालंधर, आनंदपुर साहिब, मुक्तसर तथा साहिबजादा अजीत सिंह नगर स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है। इस समय पंजाब में 12 वंदे भारत तथा चार अमृत भारत ट्रेन चल रही हैं। भविष्य में इनकी संख्या को बढ़ाया जाएगा। रेल मंत्री ने बताया कि पंजाब में शत प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है।

बिदादी टाउनशिप के विरोध में बेंगलुरु में भाजपा का प्रदर्शन

बेंगलुरु : कर्नाटक सरकार की प्रस्तावित बिदादी टाउनशिप परियोजना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के नेताओं ने शुक्रवार को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में विशाल प्रदर्शन किया और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान और महिला किसान भी शामिल हुए। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने आरोप लगाया कि किसानों के विरोध के बावजूद सरकार निजी हितों के लिए बिदादी टाउनशिप परियोजना को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर इस परियोजना को रद्द किया जाएगा। साथ ही किसानों पर दर्ज मामलों को वापस नहीं लेने पर पुलिस थानों के घेराव की चेतावनी दी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार रियल एस्टेट हितों को ध्यान में रखकर परियोजना को आगे बढ़ा रहे हैं और किसानों की जमीन जबरन अधिग्रहित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने किसानों पर दर्ज मुकदमे तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने राज्य सरकार को ₹लैंड माफिया सरकार₹ करार देते हुए कहा कि पहले से विकसित नहीं हो सकी आवासीय योजनाओं के रहते नई टाउनशिप की आवश्यकता नहीं है। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि बेंगलुरु के आसपास हजारों एकड़ कृषि भूमि अधिग्रहित करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने विकास परियोजनाओं को राज्य के अन्य क्षेत्रों तक विस्तारित करने की सलाह दी।

अमरनाथ यात्रा के 4600 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू : कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के 4600 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित गुफा मंदिर के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह 4640 तीर्थयात्री जम्मू बेस कैंप से 171 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुए जिनमें हल्की और भारी मोटर गाड़ियाँ शामिल थीं। इस जत्थे में बालटाल के लिए 1626 और पहलगाम के लिए 3014 तीर्थयात्री शामिल थे। वे कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के तहत यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा सुरक्षित और सुचारू रूप से हो इसके लिए सिविल प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने मिलकर इंतजाम किए थे।

स्लीमनाबाद टनल कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए बनेगी अमृतधारा : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विंध्य क्षेत्र हर प्रकार के संसाधनों से समृद्ध है। हालांकि कुछ स्थानों पर पानी की कमी की चुनौती सामने आती है। लेकिन अब देश की सबसे बड़ी लगभग 12 किलोमीटर लंबी बन रही जल सुरंग स्लीमनाबाद टनल कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए अमृतधारा बनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कटनी जिले के स्लीमनाबाद टनल के अवलोकन के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से चित्रकूट क्षेत्र और विंध्य की वैली के पांच जिलों कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना के कुल ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा। लोगों के लिए पेयजल की समस्या का समाधान होगा। कई स्थानों पर इसमें बिजली भी बनाई जाएगी। यह परियोजना राज्य में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के संकल्प की पूर्ति में निर्णायक भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से टनल

परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परियोजना के लिए 1600 करोड़ रुपए की राशि में केंद्र सरकार ने लगभग 275 करोड़ की राशि प्रदान की। राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बलबूते आज यह चुनौतीपूर्ण टनल परियोजना पूरी होने की ओर बढ़ रही है। किसानों और क्षेत्र के व्यापारियों के लिए यह टनल एक वरदान की तरह है। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह परियोजना भविष्य में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में केस स्टडी सिद्ध होगी। भीषण भूकंप आने पर भी टनल 100 साल तक सुरक्षित रहेगी। कई स्थानों पर टनल की गहराई जमीन से नीचे 120 फीट तक भी है। मां नर्मदा, गंगा बेसिन में भी लाएगी हरियाली मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा नदी तो खंभात की खाड़ी में जाकर मिलती है, लेकिन यह विज्ञान का चत्मकार ही है कि अब मां नर्मदा इस ऐतिहासिक टनल के माध्यम से गंगा बेसिन में सोन नदी के आसपास के अंचल में भी हरियाली लाएगी। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि टनल तैयार होना असंभव जैसा है। लेकिन जब संकल्प बड़ा होता है और पवित्र मन से कार्य किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। बार-बार कठिन चट्टानों की चुनौतियां आने के बावजूद नर्मदा टनल को पूरा करने के संकल्प के साथ पूरी टीम काम करती रही। राज्य में एक समय पर सिंचाई का रकबा केवल साढ़े 7 लाख हेक्टेयर था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902